

राजस्थानी गौरव ग्रन्थमाला

संपादक

नरोत्तमदास स्वामी, अम अ
डा मनोहर शर्मा, अम अ पी अच डी
डा लक्ष्मी कमल, अम अ, पी-अच डी

राजस्थानी गौरव ग्रन्थमाला

- १ किसन-रुक्मणी-रो घेलि
- २ राजस्थानी गद्य विकास और प्रकाश—भाग १ (विकास)
- ३ राजस्थानी गद्य विकास और प्रकाश—भाग २ (प्रकाश)
- ४ मोरा मुक्तावली
- ५ राजस्थानी-लोकगीत विहार—भाग १
- ६ नरसीजी रो माहेरो (लोक काव्य)

राजस्थानी लोकगीत विहार

प्रथम भाग

मूल सङ्कलनकार
नरोत्तमदास स्वामी, अेम अे

परिवर्तित और परिवर्धित रूपान्तर

सपादिका
डा लक्ष्मी कमळ, अेम अे, पी-अेच डी

श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा-३

भूमिका

राजस्थान का लोकगीत-साहित्य बहुत समृद्ध है। राजस्थानी लोकगीतों में अनेक छोटे मोटे सग्रह समय-समय पर प्रकाशित हुए जिनमें श्री रामसिंह सूयकरण पारोक्ष और नरोत्तमदाम स्वामी द्वारा संकलित तथा संपादित राजस्थान के लोकगीत (दो भाग) सर्वश्रेष्ठ था। यह सग्रह अब अलभ्य हो चुका है। गुरुवर श्री नरोत्तमदास स्वामी के निर्देशन में मैंने राजस्थानी लोकगीतों का प्रकाशन की वृहद योजना बनायी है। प्रस्तुत संकलन उसी योजना का एक अंश है।

यह संकलन बहुत पहले श्री स्वामीजी ने तैयार किया था। उसी को अब मैंने यह परिवर्तित और परिवर्धित रूप दिया है। इसमें १११ गीत हैं जो विषयानुसार ११ शीपकों में विभक्त हैं। ये शीपक इस प्रकार हैं—

- (१) देवी देवताओं के गीत
- (२) त्यौहारों के गीत
- (३) उत्सवों के गीत
- (४) परिवार के गीत
- (५) ग्रामजीवन के गीत
- (६) प्रेम के गीत
- (७) विनोद और व्यंग के गीत
- (८) दशप्रम और बीरता के गीत
- (९) कथा गीत
- (१०) सिद्ध पुरुषों के गीत
- (११) प्रकीर्णक गीत

गीतों का संकलन मैंने अनेक स्रोतों से किया है। सभसे अधिक लाभ मैंने श्री स्वामीजी के निजी सग्रह से उठाया है। उनका यह सग्रह विस्तृत ही नहीं किन्तु चुना हुआ भी है। उसमें स्वामीजी के अपने सगर्भ गीतों के अतिरिक्त सबसे ठाकुर रामसिंह मुरलीधर व्यास सूयकरण पारोक्ष गणपति स्वामी ब्रजमोहन जावळिया सत्यनारायण स्वामी श्रीमती पुष्पकन्नर श्रीमती पावती देवी श्रीमती स्वर्णलता अग्रवाल आदि द्वारा सगर्भ गीत भी हैं। इस सग्रह के अतिरिक्त राजस्थानी राजस्थान भारती मरुभारती वरदा आदि शोधपत्रिकाओं से भी कई-अनेक गीत लिये गये हैं।

—लक्ष्मी कान्ठ

सूचनिका

पूर्वाध

१ हरजस और देई देवता रा गीत

१	परभाती—म्हान रामजी मित्या बनरावन म	५
२	बालाजी—बाबा बजरगजी को बगला हद वण्यो	७
३	माताजी—ऊच ता परवत भवानी ! कायल कुळक ओ माय !	९
४	जळ देवता—हरिया वासा री छावडी रे !	११
५	मान्नी (मावडिया)—जाज म्हारी मान्नी मढ म विराज	१४
६	भरुजी—भरुजी ऊच-म घोर धारा देवरा	१६
७	रामदेवजी—राम सा ! जूभी ओ पीरा जी ! जूभी आ	१७

२ तिनारा रा गीत (गवर तीज, होळी)

८	गन्नर—जात्रो माता गन्नरादे ! इण घर पावणा	२१
९	गन्नर—गवर जे गणगोर माता ! खोल विवाडी	२२
१०	गन्नर—गहरो जी फूल गुलाव रो	२३
११	सावण री तीज—मोड्डा ! गहरा गहरो बोल	२५
१२	सावण री तीज—आपी जापी मा ! सावणिमा री तीज	२६
१३	सावण री तीज—हरिय हरियाळ डाळ काळी कोयल बोल राज	२८
१४	होळी—हाळी मगाळ जी	२९
१५	होळी—म्हारी घुमर छ नखराळी जे माय !	३०
१६	होळी—रगीलो चग वाजणू	३२

३ उत्सवा रा गीत (न्यात्र पुत्रजम)

१७	विनायक—गढ रणतभन्नर-सू जात्रो विनायक !	३५
१८	बनडो—बाची दाख हेई बनडो पान चाव फूल सूघ	३८
१९	माहेरो (भात)—उड वायसडा ! म्हारा पीन्नर जा	३९

७३	थारी ढोला ! मरवण के लागी ?	१३८
७४	सुक्कर का तारा रे ईसर ! ऊगी रहघो त-की मख टीकी घडात्र	१३९
७५	पणिहारी—वाळी अे कळायण अमटी अे पणिहारी अे तो	१४०
७६	हरियाळो—गोरी म्हारी अ ! हरियाळो वूठीज क्यू ?	१४३
	विरह रा गीत	
७७	अंकुशमियो महल	
७८	नोमडलो	
७९	ओळू—ऊची ता खिन ढाला ! वीजळी	१४६
८०	मिरग बिना मिरगी अकलडी	१४९
८१	उड ज्या रे पवधना ! सात्र पडी	१५३
८२	म्हारा राजीडा रा छिन छिन जोळू जात्र	१५५
८३	पोपळी—वाय चल्या छा भन्नरजी पोपळी जी	१५६
८४	तोजा आयी ढोलो नही आयो	१५७
८५	जाडा तो पडियो जी नणदवार् ! डूगरा	१५८
८६	फागण फीको अे सहत्या ! अत्र स्याम बिना	१६१
८७	सपना ता आयी सरख सुलखणा जी म्हारा राज	१६३
८८	मारा अे रतनाद दासी ! कागलिया र तीर	१६४
८९	उड उड रे म्हारा वाळा र कागला !	१६६
९०	जलालो—आयाडा सुणीज ज जलालो दस म	१६८
		१६९
		१७०

७ विनोद और ध्यग रा गीत

९१	वना म्हारा असल गन्नार वनी म्हारी चातर सा जी चातर सा	१७५
९२	म्हारी सामून यू कहघो	१७७
९३	म्हारी महल डूगर र ऊपर माणीगर रो घाटी म	१७८
९४	सौदो—मडी ल-क मै सोनी-क चाली	१८०
९५	मागण-का दिन आज वार्ड ! मागण हो सो माग जी	१८२

८ देस प्रेम और धीरता रा गीत

९६	वाल्हो लाग छ म्हारा नेसडा अ ला	१८७
९७	मूरा आ रण म जूमिया	१८८
९८	सती माता—हरजी-नू हेत सग्यो	१९०
९९	गारा ! हट जा	१९३

१००	घान रग सौ कूप नरेस ।	१६४
१०१	डूगजी जत्तारजी रो गीत	१६६

६ कया गीत

१०२	जसमा ओडणी	२११
१०३	ढोलो-मरतण	२१३
१०४	सजता	२१६
१०५	काछबो राणो	२१६

१० सिद्ध पुरसा रा गीत

१०६	जीण माता रो गीत	२२५
१०७	पावूजी रा पन्नाडा—गाया रो पन्नाडो	२३५
१०८	तेजाजी रो गीत (तेजो)	२४२

११ परचूण गीत

१०९	लाजा गूजरी	२५७
११०	रतन राणा (मरसियो)	२५९
१११	धूजी—हाय मे चिटियो धूजी रमण-खेलण-नै चाह्या	२६१

७३	धारी ढाना । मरतण क लागी ?	१३८
७४	मुक्कर को तारा र ईसर । ऊगी रहया त-की मख टीकी घडात्र	१३९
७५	पणिहारी—वाळी अक्कायण अमटी अ पणिहारी अे लो	१४०
७६	हरियाळो—गारी म्हारी अे । हरियाळो वूठीज क्यू ?	१४३
	विरह रा गीत	
७७	अरुयमियो महल	
७८	नीमडली	
७९	ओडू—ऊची ता त्रिध ढाना । वीजळी	१४६
८०	मिरग विना मिरगी अक्लडी	१४९
८१	उड ज्या र पखरुवा । साम्न पडो	१५३
८२	म्हारा राजाढा री छिन छिन आळ भात्र	१५४
८३	पोपळी—वाय चरया छा भत्ररजी पोपळी जी	१५७
८४	तीजा आयी ढाला नही जायो	१५८
८५	जाडो ता पडियो जी नणवार्दी । डूगरा	१६१
८६	फागण पीको अ सहत्या । अरु स्याम विना	१६३
८७	सपना ता भाया सरव मुलखणा जी म्हारा राज	१६४
८८	मारा अ रतनाद दासी । कागलिया र तीर	१६६
८९	उड उड र म्हारा काळा र वागला ।	१६८
९०	जलालो—आयाडा मुणीज अ जलालो दस म	१६९
		१७०
	७ विनोद और ध्यग रा गीत	
९१	वना म्हारा असल गत्रार वनी म्हारी चातर सा जा चातर सा	१७५
९२	म्हारी सामून यू कहणो	१७७
९३	म्हारी महल डूगर र ऊपर माणीगर रो घाटी म	१७८
९४	सौदो—दमनी ल-क मी सोनी क चाली	१८०
९५	मागण का दिन आज वाई । मागण हों सा माग जी	१८२
	८ देश प्रेम और वीरता रा गीत	
९६	वाल्हो लाग छ म्हारो देसडो अ सा	१८७
९७	सूरा ओ रण म जूनिया	१८८
९८	सती माता—हरजी-सू हैत लग्यो	१९०
९९	गोरा । हट जा	१९३

१००	थान रग सी रूप नरेस !	१६४
१०१	झूगजी-जतारजी रो गीत	१६६

६ क्या गीत

१०२	जसमा ओडणी	२११
१०३	ढोलो-भरपण	२१३
१०४	सजना	२१६
१०५	काछबो राणो	२१६

१० सिद्ध पुरसां रा गीत

१०६	जीण माता रो गीत	२२५
१०७	पाबूजी रा पलाडा—गापा रा पलाडो	२३५
१०८	तेजाजी रो गीत (तेजो)	२४२

११ परचूण गीत

१०९	साजा गुजरी	२५७
११०	रतन राणा (मरसिया)	२५६
१११	धूजी—हाय म चिटियो धूजी रमण-खेलण-न चाल्या	२६१

पूर्वार्ध

१

हरजस और देई-देवता-रा गीत



(१)

परभाती

उघड़ी पोळ, खुल्या दरवाजा
जाग रह्या हर मिदर-मे
म्हानै रामजी मिल्या वनरावन मे
म्हानै किसनजी मिल्या वनरावन में

सोनै-की झारी लूगा-की दातण
दातण ल्यो जी हर ! मिदर-में
म्हानै रामजी मिल्या वनरावन मे
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन मे

तातो-सो पाणी तेल - उवटणो
न्हाय रह्या जी हर मिदर-मे
म्हानै रामजी मिल्या वनरावन मे
म्हानै किसनजी मिल्या वनरावन में

पाट-पटवर, वसण-की धाती
वस्तर ल्या जी हर ! मिदर-मे
म्हान रामजी मिल्या वनरावन-म
म्हानै किसनजी मिल्या वनरावन मे

घस घस चदण भरी अे कचोळी
तिलक करा जी हर ! मिदर में

म्हान रामजी मिल्या वनरावन म
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन में

दाळ-भात गेवा-का फलवा
जीम रह्या जी हर मिदर-म
म्हान रामजी मिल्या वनरावन में
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन में

माड रजाद आर गीडवा
पौढ रह्या जी हर मिदर में
म्हान रामजी मिल्या वनरावन म
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन में

राधा रुक्मण अर सतभामा
पगल्या चाप जी हर । मिदर में
म्हान रामजी मिल्या वनरावन में
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन में

काई ता देव रामजी । साल दुमाला
मेरी सरधा अक 'गोछा-की
म्हान रामजी मिल्या वनरावन में
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन में

कोई ता चढाव रामजी । हाथी घुडला
मेरी सरधा अक वाछी-की
म्हान रामजी मिल्या वनरावन में
म्हान किसनजी मिल्या माधोवन में
म्हान किसनजी मिल्या वनरावन में

(२)

वालाजी

कूण चिणायो ओ वालाजी ! थारो देवरो जी ?
कूण दिरायी गज-नीम ?

वावा वजरगजी-को बगला हद वण्यो

राजाजी चिणायो म्हारो देवरो
सेवगा दिरायी गज-नीम

वावा वजरगजी का बगलो हद वण्यो

जातण आव थारै कुळ-वहू
गोद झडूला जी पूत

वावा वजरगजी-को बगलो हद वण्यो

जाती तो आवै थारै दूर का
सावळिया मोटघार

वावा वजरगजी का बगला हद वण्यो

चढ-चढाव थार चूरमो
चोटीवाळा नारेळ

वावा वजरगजी-को बगलो हद वण्यो

लाल लगाटो तिलव सिदूर को
बैठा वजरग आमण ढाळ

वावा वजरगजी-को बगला हद वण्यो

बाग विधूस्या, लका दळमळी
सारधा राजा रामचदर-का काज
बाबा वजरगजी-को बगलो ह्द वण्या

घन माता अजनी-को कूख
उण जायो ह्णवत पूत
बाबा वजरगजी-को बगलो ह्द वण्यो

(३)

माताजी

ऊच तो परप्रत भवानी ।
कोयल कुळकै अे माय ।
कोयल कुळकै भवानी ।
मेवडो-सो वरसै अे माय ।
मेवडो-सो वरसै भवानी ।
ताल छलीजै अे माय ।

म्हारी माता-रै यो कुण हरखी
जात पधारै अे माय ।
जसरयजी-रा रामचदर हरखी
जात पधार अे माय ।

म्हारी माता नै मिठडा सा भोजन
कूण जिमावै अे माय ।
जिमावै अे म्हारी व्हू मानेतण
अमर चूड सुहाग अे माय ।

म्हारी माता-नै ठडो-सो पाणी
कूण, ज प्यावै अे माय ।
प्यावै अे म्हारी व्हू सोवनदे
अमर चूड सुहाग अे माय ।

वाग विघ्नस्या, लका दळमळी
सारधा राजा रामचदर-का का
वावा वजरगजी-को बगलो हद

घन माता अजनी-की कूख
उण जायो हणवत पूत
वावा वजरगजी-को बगलो हद

(४)

जळ-देवता

हरिया वामा री छावडी रे
माय चपली-रा फूल
के तू वामण वाणियै-री अ
के विणजार - री धीय ?

ना हू वामण - वाणियै-री अ
ना विणजार री धीय
हू तो सकळ जळ-देवता अ
पागळिया पग देय

पागळिया पग देय भवानी ।
आद भवानी सकळ भवानी ।
च्यारू कूट म च्यारू देस मे वखाणी
सिवरू जे आद भवानी ।

हरिया वामा री छावडी रे
माय गुलाब - रो फूल
क तू वामण - वाणिय री अ
के विणजारै-री धीय ?

ना हू वामण - वाणिय री अ
ना विणजार री धीय

म्हारी माता-न दौरग चूनड
कूण आढाव अे माय ।
ओढावै अे म्हारी वहू मानेतण
अमर चूडै सुहाग अे माय ।

म्हारी माता र घी भर दिवलो
कूण सजोव अे माय ।
सजोव अे म्हारी वहू सावनदे
अमर चूडै सुहाग अे माय ।

म्हारी माता-र सोनै रा छतर
कूण चढाव अे माय ।
चढाव अे जसरथजी-रा रामचदर हरखी
जात पधारै अे माय ।

म्हारी माता र दूधा-री मसका
कूण ढोळाव अे माय ।
ढोळाव अे जसरथजी-रा रामचदर हरखी
जात पधारै अे माय ।

म्हारी माता रै कुण-कुण हरखी
जात पधार अे माय ।
पधार जे नौ लख वाझडी
दस लाख वाळूडा री माय अे माय ।

पूत ज देस्या वाझडधा
जन धन वाळूडा री माय अे माय ।

(४)

जळ-देवता

हरिया वासा-री छावडी रे
माय चपली-रो फूल
क तू वामण-वाणियै-री अे
क विणजार - री धीय ?

ना हू वामण - वाणियै-री अे
ना विणजार - री धीय
हू ता सनळ जळ-देवता अे
पागळिया पग दय

पागळिया पग देय भवानी !
आद भवानी सवळ भवानी !
च्यारू वूट म च्यारू दम म वखाणी
मिवरू अे जाद भवानी !

हरिया वासा री छावडी रे
माय गुलाब रा फूल
कै तू वामण - वाणिय री अे
कै विणजार री धीय ?

ना हू वामण - वाणिय री अे
ना विणजार-री धीय

हू तो सकल जल देवता अ
वाञ्छडिया पुत्र देय

वाञ्छडिया पुत्र देय भवानी ।
आद - भवानी सकल भवानी ।
च्यारू देस म च्यारू कूट में बखाणी
सिवरू अ आद - भवानी ।

हरिया वासा री छावडी र
माय जूही री पून
क तू वामण - वाणिय - री अ
क विणजार - री धीय ?

ना हू वामण वाणिय री अ
ना हू विणजार री धीय
हू ता सकल जल-देवता अ
आधळिया आख देय

आधळिया आख देय भवानी ।
आद भवानी सकल भवानी ।
च्यारू देस म च्यारू कूट में बखाणी
सिवरू जे आद - भवानी ।

हरिया वासा - री छावडी र
माय कमळ - रा पून
क तू वामण - वाणिय री
क विणजार - री धीय ?

ना हू वामण - वाणियै री अे
ना विणजारै - री धीय
हू तो सकळ जळ-देवता अे
निरधनिया धन देय

निरधनिया धन देय भवानी !
आद - भवानी सकळ भवानी !
च्यारू देस-में च्यारू कूट-में वखाणी
सिवरू जे आद भवानी !

(५)

मावळी (मावडिया)

चावळा भरियो वाटको अ व्हू ।
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्हे धोकण - पूजण जाय विजासण
हरख होतरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ में विराज

रोळी भरियो चोपडो अ व्हू ।
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्ह धोकण पूजण जाय विजामण
हरख होतरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज

काजळ भरियो कूपला जे व्हू ।
थे कित चाल्या जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्ह धोकण पूजण जाय विजासण
हरख होतरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ में विराज

फूला भरियो छावडो अे व्हू ।
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-मे विराजै
म्हे धोवण पूजण जाय विजासण
हरख हालरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ म विराजै

हाथ कसूमल चूनटी अे व्हू ।
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-म विराज
म्हे धोवण पूजण जाय विजासण
हरख हालरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ-में विराज

साग लीना सायवो अे व्हू ।
थे फित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्हे धावण पूजण जाय विजामण
हरख होलरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ-म विराज

गोदी लीनो गीगलो अे व्हू ।
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-में विराजै
म्हे धोव दिरावण जाय विजामण
हरख होलरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ मे विराजै

(५)

मावळी (मावडिया)

चावळा भरिया वाटको अे व्हू ।
थे कित् चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ-मे विराजै
म्हे धोकण - पूजण जाय विजासण
हरख होतरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ मे विराजै

राळी भरियो चापडा अे व्हू ।
थे कित् चाल्या जी राज ?
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्हे धाकण पूजण जाय विजासण
हरख होतरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज

काजळ भरिया कूपला जे व्हू ।
थे कित् चाल्या जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ मे विराज
म्हे धोकण पूजण जाय विजामण
हरख होतरिया जी राज ।
आज म्हारी मावळी मढ में विराज

फूला भरियो छावडो अे व्हू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी भावळी मढ-मे विराजै
म्हे धोवण-पूजण जाय विजासण
हरख होलरियो जी राज !
आज म्हारी भावळी मढ-मे विराजै

हाथ कसूमल चूनडी अे व्हू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी भावळी मढ-म विराजै
म्हे धोवण पूजण जाय विजासण
हरख होलरियो जी राज !
आज म्हारी भावळी मढ-में विराज

साग लीनो सायबो अे व्हू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी भावळी मढ मे विराजै
म्हे धावण पूजण जाय विजामण
हरख होलरियो जी राज !
आज म्हारी भावळी मढ में विराज

गोदी लीना गीगलो अे व्हू !
थे कित चाल्या जी राज ?
आज म्हारी भावळी मढ-में विराजै
म्हे धोव दिरावण जाय विजासण
हरख होलरियो जी राज !
आज म्हारी भावळी मढ-मे विराजै

(६)

भरु जी

भैरुजी ! ऊच सै धोर धारो दवरो
भरुजी ! धजा अे फरुक असमान
सेवगा की ओ वावा ! भली करो

भैरुजी ! चरच्या जी लाल सिदूर-सू
भरुजी ! धूप रही गरणाय
सेवगा-की आ वावा ! भली करो

मान को छतर वावा ! छावियो
भैरुजी ! चादी का वण्या अे रिवाड
सेवगा की ओ वावा ! भली करो

चढ-न चढावै थारै चूरमो
भरुजी ! चोटीवाळा नारेळ
सेवगा की जो वावा ! भली करा

नार ज आव वावा ! जातणी
भरुजी ! सावळिया माटघार
सेवगा की ओ वावा ! भली करा

नारघा न तूटो वावा ! डावडा
अन घन सावळिया मोटघार
सेवगा की जो वावा ! भली करो

(७)

रामदेवजी

राम सा । अूभी आ
पीराजी । अूभी आ राणीचें दरवार
अेक करूं ओ धणिया । वीनती

अेक राम सा । मागू ओ
पीर-सा । मागू ओ माऊजी रो पेट
भाई रे भतीजा जाझा झूलरा

दूजें राम सा । मांगू आ
पीर-सा । मांगू ओ सासूजी-गे पेट
देराण्या जेठाण्या जाझा वूलरा

तीजै क राम-सा । मागू ओ
पीर-सा । मागू ओ पूतडला री जोड
चवळक आवें कुळ वट्टवा

चौथै राम-सा । मागू ओ
पीर-सा । मागू आ धीवडल्यां-री जोड
सरस जेवाई सिगरथ पावणा

हमकै राम सा । मागू आ
पीर सा । मागू ओ गाया करा ठाठ
सोवन - थाभ विलोवणा

हमकै राम मा । मागू आ
पीर मा । मागू ओ सायबजी रो राज
अवछळ राखो चूडो चूनडी

२

तिवारा-रा गीत

- (१) गवर-ग गीत (८-१०)
- (२) तीज रा गीत (११-१२)
- (३) हाळी-रा गीत (१४-१६)

हमक राम सा । मागू आ
पीर सा । मागू ओ गाया करो ठाठ
सोवन - थाम विलावणा

हमक राम-सा । मागू ओ
पीर सा । मागू ओ सायवजी रो राज
अबछळ राखो चूडो-चूनडी

तिवारा-रा गीत

- (१) गवर-रा गीत (८-१०)
- (२) तीज रा गीत (११-१३)
- (३) हाळी-रा गीत (१४-१६)

(८)

गवर

(आवा माता ! इण घर पावणा)

आवो माता ! इण घर पावणा
आवा माता गवरादे ! इण घर पावणा

ऊभा बिरमाजी वीनव
सावतदे चाप थारा पाव
आवा माता ! इण घर पावणा
आवो माता गवरादे ! इण घर पावणा

ऊभा मूरजजी वीनव
रणादे चाप थारा पाव
आवो माता ! इण घर पावणा
आवा माता गवरादे ! इण घर पावणा

ऊभा चदरमाजी वीनव
रोहणदे चाप थारा पाव
आवा माता ! इण घर पावणा
आवा माता गवरादे ! इण घर पावणा

(६)

गवर

(गवर ज गणगार माता)

गवर ओ गणगार माता ! छाल किवाडी
वाहर उभी थारी पूजणवाळी

पूजा ओ पूजारचा वाया !
काई-काई मागा ?

अन मागा धन मागा
लाछ मागा लिछमी मागा
जळहरजामी बावल मागा
रातादई मायड

वान्हकवर-सा वीरो मागा गई सी भौजाई
रात चुडल वनड मागा सावळियो वनाई
ऊट चढयो पूफा मागा माडा पोषण भूवा
इतरा देइ माता गौरज्या अ ! देयी मी परवारा

(१०)

गवर

(गहरो जी फल गुलाव रो)

गहरो जी फूल गुलाव रा

गहरो-गहरो गवरल वाई रो ढोलो
वालम रसिया

गहरो जी फूल गुलाव-रो

गहरो-गहरो विरमाजी-रो छावो
वालम रसिया

गहरो जी फूल गुलाव रो

गहरो गहरो नणदलवाई-रा वीरो
वानम रसिया

गहरो जी फूल गुलाव रो

आखडली फस्क, घर आवा
वालम रसिया

गहरो जी फूल गुलाव-रा

वाटडली बुहारा, घर आवो
वालम रसिया

गहरो जी फल गुलाव-रा

कागलिया उडावा, घर आवो
वालम रसिया
गहरो जी फूल गुलाब रा

घणो ई कमायो, अव घर आवो
वालम रसिया
गहरो जी फूल गुलाब रा

दिल्ली - रँ दरवाजँ नौवत वाज
वालम रसिया
गहरा जी फूल गुलाब रो

वीवाण री धरती, धीमा चाला
वालम रसिया
गहरो जी फूल गुलाब रा

ज्या-ज्या चालो, ज्या ज्या धरती घूज
वालम रसिया
गहरा जी फूल गुलाब रा

(११)

सावण री तीज

(मारूडा ! गहरो गहरो बोल)

विलोवणो करता माताजी ओ बोलिया
म्हारी मावण-री खवाडू कद आसी रे
मारूडा ! गहरो गहरो बोल

भंसिया दूवता काकोसा ओ बोलिया
म्हारी दूधा-री पियाकड कद आसी रे
भोरिया ! गहरो गहरो बोल

रसोवडो करता भाभीजी ओ बोलिया
म्हारी जीमण री जीमाकड कद आसी रे
मारूडा ! गहरो-गहरो बोल

कोटडिया तो बैठा दावो सा ओ बोलिया
म्हारी डूलिया री रमाकड कद आसी रे
भोरिया ! गहरो-गहरो बोल

दडिया रमता वीरो-सा ओ बोलिया
म्हारी गवाड रमवा कद आसी रे
मारूडा ! गहरो-गहरो बोल

(१२)

सावण री तीज

(आयी आयी मा ! सावणिया री तीज)

आयी आयी मा ! सावणिया री तीज
माय सा ! पहलै न सावण मत राखे धिया-नै सासरै

बीजोडी बीजोडी अे मा ! झूलण-नै जाय
वाई-न दीना सासू घानड सोवणो
सोयो सोयो मा ! डाळ दा डाळ
अधमण साया वाजरो

बीजोडी बीजाडी अे मा ! मगरियै जाय
वाई - न दीनो सासू पोवणा
पोयी - पोयी अे मा ! जेट दो जेट
पछ्ला पोया वालूडा वाटियो

निमट्या निमट्या अे मा ! देवर-जेठ
निमट्या नणदा रा झूलरा
परस्या परस्या अे मा ! मोटाडा थाल
परस्या नणदा - रा वाटका

बीजोडा-न अे मा ! परम्या गवा रा राट
वाई न परस्यो वाजर वाटियो
बीजोडा - न अे मा ! धावा घोवा खांड
वाई - न दीनी सासू चिमठी लूण री

वीजोडा -नै अे मा ! चरी-चरी घीव
वाई - न दीना अे सासू डारो तेल-रा

ओरियै - आरियै देवर नै जेठ
पडवै पाढवा नणदा-रा झूलरा
वरस - वरमै अ मा मोरी ! मह
भीजै भाया - री वनड अेक्ली

माज्या - माज्या अे मा ! मोटाडा थाळ
माज्या नणदा - रा वाटका
सोवतडी अे मा मागी ! राजर - वाटियो
आण - नै मिनडी ले गयी
मरज्यो - मरज्या अे मिनडी ! थाराडा पूत
राता रही निरणी वीरा-गी बनडी !

(१३)

सावण री तोज

(हरिय हरियाळ डाळ)

हरिय हरियाळ डाळै काळी कोयल वालै राज ।
बोलै बालाव सइया । साचा भवद मुणाव राज ।

उड रे म्हारा काळा कागा । जे म्हारो वीरा आव राज ।
आवगो आधीरान पहर क तडक तेजी घोड पलाण्या राज ।

तू क्या का हीराम । गया का नीदडली म सूतो राज ।
थारी ता जामण-जायी सासरिय - म झूर राज ।
झूरला, झूर मरना, काळा काग उडाव राज ।

आय जकाया वाई गवरा क चौवार राज ।

मूती छी नाल पिलग पर झाणा माळू आढ्या राज ।
उठ छी वीर मिलण-नै, टूटयो वाई रो हारा राज ।

हारो तो फेर पावास्या, वीर मू कद मित्रस्या राज ।
चुग देगी सान चिडकली पा दगो विणजारा राज ।

(१४)

होळी

(होळी मगाळ जी)

होळी - की झळ हेठ क
जीरो वायो जी

काहक्कर - को परवार क
हाळी मगाळ जी

वाई ओ गदरा । थारा वीर क
होळी मगाळ जी

पातळिया उमगव क
होळी मगाळ जी

लीली का असवार
होळी मगाळ जी

(१५)

होळी

(घूमर)

म्हारी घूमर छ नखराळी अे माय ।

म्हारी घूमर छ छिनगाळी अे माय ।

घूमर रमवा म्हें जास्यु

जे तो सात महत्या र झूमकें अे माय ।

घूमर रमवा म्हें जास्यु

म्हारी रमक वमक पायल वाज अे माय ।

घूमर रमवा म्हें जास्यु

मन रमती न नाडूडा दीजें अे माय ।

घूमर रमवा म्हें जास्यु

म्हारी घूमर छ नखराळी अे माय

म्हारी घूमर छ छिनगाळी अे माय

घूमर रमवा म्हें जास्यु

मन राठाडा र भल दीज अे माय ।

अे ता राठाडा री वाली प्यारी लाग जे माय ।

घूमर रमवा म्हें जास्यु

मन सीसोदवा र भल दीजें अे माय ।

अे तो सीसादवा-री बोली हीरा तोली जे माय ।

घूमर रमवा म्हें जास्यु

मन झाला र भल दीज अे माय ।

अे ता झाला ता चलता छोगा जे माय ।

घूमर रमवा म्हें जास्यु

मनै हाडा-र भल दीजै अे माय !
अे तो हाडा तो मन-रा गाढा अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

म्हारी घूमर छै नखराळी अे माय !
म्हारी घूमर छै छिनगाळी अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

मनै देवडा रै मत दीज अे माय !
जै तो देवडा तो भीत रा लेवडा अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

मन डाड्या-र मत दीज अे माय !
अे तो डोड्या ता पायगा रा रोड्या अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

मनै खीच्या-र मत दीजै अे माय !
अ तो खीची तो खीच कुटावै अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

मन भाट्या-र मत दीज अे माय !
अे तो भाटी तो भाटा ले उठ अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

म्हारी घूमर छ नखराळी अे माय !
म्हारी घूमर छ छिनगाळी अे माय !
घूमर रमवा म्हे जास्यू

(१६)

होळी

(चग)

रगीलो चग वाजणू
म्हार वीरंजी मढायो चग वाजणू
रगीलो चग वाजणू
म्हारो रेगर मढ कै लायो अ
रगीला चग वाजणू
म्हारा वीरोजी वजाव चग वाजणू
रगीलो चग वाजणू
वा रा साथीडा गाव धमाल अ
रगीलो चग वाजणू
वाजत वाजत वो गयो
कोई, गयो गयो होळी रै थान अ
रगीलो चग वाजणू
चग आगळिया वाज
चग मूदडिया वाज
चग पूचै-क वळ वाजै अ
रगीनो चग वाजणू
चग वीकाण वाज
चग जोधाण वाज
कोई, वाज वाजै चग अजमेर अ
रगीलो चग वाजणू

(१७)

विनायक

गढ गणतभवर-सू आवो विनायक ।
करा नी नचीती विडदडी

विडघ - विनायक दानू जी आया
आय ऊतरिया हरिय वाग - मे
ढूढत - ढूढत नगरी जी ढूढी
कोई, घर तो वतावो लाडल रै वाप-रा
ऊची - मी मेडी लाल किंवाडी
केळ झवरक राजीदा - र वारणै

पहलो तो वासो सरवर वसियो
सरवर भरियो ठडै नीर-सू
भरियो सरवर लेव रै हिलाळा
नीर भर पणिहारिया

दूजो ता वामो वाडया जी वसिया
वाडया तो छायी फळ फूला सू
फळ फूल वाडी सौ फळ फळिया
वूजा मरवा केवडा

अगणो ता वासो ग्वाड जी वसियो
ग्वाडा तो भरी घाळी धेना सू
गाय गवाड भसा जी वाड
सोवन थाभ विलोवणा

चौथो तो बासो माहेळ जी वसियो
 साहेळें में भरिया वामण - वाणिया
 पाचवो ता वासा तोरण वसिया
 तारण छायी रुडी चिडकली
 जदन - वदन दाप चिडकुल बाल
 ज्या विच बाल हरियो सूवटो
 छटठो तो वासा माया जी वसियो
 माया - मे बठा देई - देवता
 देई - देवता - न नारेळ वधास्या
 राय - वना परणावस्या

सतवो तो वामो चवरी जी वसियो
 चवरधा - में बठा लाडो - लाडलो
 वधज्ये अ लाडी बट - पीपळ ज्यू
 फळज्ये नीव - जवीर ज्यू
 लाडली - रो चीर वधज्यो
 राईवर - रो वागो - मोळियो

अक बाधळडी जस देइया विनायक ।
 लाडल - रै वाप - न
 व ता खाय - खरच सौ धन विळस
 जस रव परवार - मे
 अक जीमडली जस देइया विनायक ।
 लाडल - री माय - न
 वा तो मीठी - मी बाल निव कर चाल
 जस रव परवार - में
 अक वाहडली वळ देइया विनायक ।
 लाडलै - र वीर - न

अक भातडलै जस देइयो विनायक ।
लाडल - रै नाना - मामा न
अक आरतडै जस देइया विनायक ।
लाडलै री भूवा - भाणन

अक गाजत घारत जावो विनायक ।
सावणिय - रै मेह ज्यू
अक भरघो अे भतूळो आवो विनायक ।
विणजारै-री वल ज्यू
अक माडघो-चूडयो आवा विनायक ।
सरव-सुहागण-र हाथ ज्यू
अक तीन वसत निवागिया विनायक ।
पवन पाणी वसन्नरा

तू तो अळी-आ गळी मत जाइयो विनायक ।
सीवो ही आइया साम्ही साळ में

अक आव गूगळ-री वास सुगधी
कूण सवागण गणपत पूजिया ?
गणपत पूजै लाडल - री माय सुवागण
ज्या घर विडध उतावळी

(१८)

वनडी

काची दाख हेठ वनडी पान चाव

फून मूघ

करे अे वावैजी - सू वीनती

वागजी । दस देता परदेस दीजो

म्हारी जाडी - ग वर हेरजो

काळो मत हेरा वावाजी ।

कुळ - न लजावे

गारो मत हेरा वावाजी ।

अग पसोज

लावा मत हेरो वावाजी ।

सागर चूट

जाछा मत हेरा वावाजी ।

वावयू वताव

अमा वर हेरा कासी रो वासी

वाइ र मन भामी हमनी चढ आसी

हस-खेल जे वागजी रो वनडी ।

हेरचा जे फून गुलाव रो

(१६)

माहेरो (भात)

उड वायसडा । म्हारा पीवर जा
नूत पीवर - रा भातवी जे
भल नूती रे म्हारो जळहरजामी वाप
रातादेई म्हारी माय नै जे
भल नूती रे म्हारा कान्हकवर-सा वीर
मैणा भतीजा भावजा जे
भल नूती रे म्हारी जामण-जायी वन
सणा वनोई भाणजा जे
भल नूती रे म्हारी काका-वावा-री जोड
काकी-वडिया - रो जाझो झूलरो जे
ऊमी रे वीरा । छाजइयै री छाह
देवर मोसो बोलियो जे—
करती अे भावज । वीरा रा गुमान
थारा वीर वतीसा भावज ले रहचा जे
मनडा-म वीरा । जायगी छ रीस
ले घडलो सरवर गयी जे
सरवरिया-री वीरा । ऊची-नीची रे पाळ
अेक चढू दूजी ऊतरू जे २
झीणी-झीणी रे वीरा । ऊड छ खेह
वादळ दीसै वूघळा ज
वळघा री रे वीरा । वाजो छ टाल
गाड उरखता म्ह सुण्या जे

म्हार वीरजी-रा चमक्या छ सेल
भावजा रा चमक्या चूडला जे
म्हारी बैनडली-रा चमक्या छ चीर
भतीजा रा मोवन मोळिया जे

था कठं रे वीरा । लायी छ वार ?
सगळ्या मू पैली था नै नूतिया जे
ओरा - न वीरा । वामण-नाई - री नूत
था-न नूतण तो हू गयी जे
ओरा - नै वीरा । चावळिया री नूत
था-नै नूत्या गुड भेलिया जे
कं थार रे वीरा । जलमी छै धीव
क वड-गोतण भावज वरजिया जे

ना वाई । म्हार जलमी छ धीव
ना वड गोतण भावज वरजिया जे
हम घर अे वाई । जलम्यो छ पूत
रळी-अे वधावा हो रहवा जे
गया छ अे वाई । भारतिय री हाट
था न भारत वाई । मालवा जे

भारत रे वीरा । भावज-न ओढाय
म्हानै घण मोला री चूनडी
सुसरजी नै वीरा । विरमो ओढाय
सासूजी-न साडी सापड जे
म्हारै जेठा-न वीरा । साल-दुसाल
देवरा न पचरण माळिया ज
म्हारी नणद न दिखणी-रो चीर
देराण्या जेठाण्या-न पीळा पोमचा जे

(२०)

महदी

महदी टूक-टोडा सू मगाय
प्रेम रस महदी राचणी
महदी रतन - छाज फटवाय
प्रेम रस महदी राचणी
महदी सोवन सिलडी पिसाय
प्रेम रस महदी राचणी
महदी रतन - कटोरै ओलाय
प्रेम रस महदी राचणी

महदी दीजै बहू राणादे-रै हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
सूरजजी ओ ! निरख गोरी-रा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
किण माडचा अे मानेतण ! थारा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
सोदरावाई माडचा म्हारा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
थारा हाथ म्हारै हिबडै ऊपर राख
प्रेम रस महदी राचणी
वाई सोदरा-नै चूनडी ओढाय
प्रेम रस महदी राचणी

महदी दीज वहू रोहणदे रै हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
चदरमाजी ओ ! निरखै गोरी-रा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
किण माड्या अ मगेजण ! थारा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
गवरावाई माड्या म्हारा हाथ
प्रेम रस महदी राचणी
वाई गवरा - नै चूडो पराय
प्रेम रस महदी राचणी
थारा हाथ म्हार हिवड उपर राख
प्रेम रस महदी राचणी

(२१)

वनडो

हा जी वना ! ह्मती थे भल त्याय
धुडला - रँ घमकँ आज्या जी
हा हा जी ! करला-रँ रळक आज्यो जी

हा जी वना ! अवर - का घाघरो सिमवाय
घरती - की लावण दचा दचो जी
हा हा जी ! घरती की लावण दचा दचो जी

हा जी वना ! तारा - की चुनडी रगवाय
विजळी - की गोट करा दचो जी
हा हा जी ! विजळी की गोट करा दचो जी

(२२)

कामण

वनो काकड आय विराज्यो जी
गज कामणिया
म्हारा स्वाळा वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो वागा आय विराज्यो जी
गज कामणिया
म्हारा माळ्या वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो पणघट आय विराज्यो जी
गज कामणिया
पणिहार्या वीद मराया जी
गज कामणिया

वनो सहरा आय विराज्यो जी
गज कामणिया
म्हारा म्हाजन वीद सरायो जी
गज कामणिया

वना चौवट आय विराज्यो जी
गज कामणिया

हटवाडचा वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो डेरा आय विराज्यो जी
गज कामणिया
साळा वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो तोरण आय विराज्यो जी
गज कामणिया
साळचा वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो माया आय विराज्यो जी
गज कामणिया
सासू वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो चवरचा आय विराज्यो जी
गज कामणिया
जोसीजी वीद सरायो जी
गज कामणिया

वनो महला आय विराज्यो जी
गज कामणिया
वनडी - र दिन - मे भायो जी
गज कामणिया

(२४)

मत नवो

कोट नव परवत नव, और नव यन कोई
वाई - का दादोजी यू नव, घर पोती अे जायी
मत नवो दादाजी ! मत नवो, पोती स कै घर जायी

कोट नव परवत नव, और नव यन कोई
वाई - का बाबोजी यू नव घर बेटी अे जायी
मत नवो बाबाजी ! मत नवो, बेटी स कै घर जायी

कोट नव परवत नव, आर नव यन कोई
वाई - का बीरो-सा यू नव, घर बनड अे जायी
मत नवो बीरो सा ! मत नवो, बनड स-कै घर जायी

कोट नव परवत नव और नव यन कोई
वाई - का नानोजी यू नव, घर दौयती अे जायी
मत नवो नानाजी ! मत नवो, दौयती स क घर जायी

कोट नव परवत नव, और नव यन कोई
वाई - का जीजोजी यू नव, घर साळी अे जायी
मत नवो जीजाजी ! मत नवो, साळी स क घर जायी

(२५)

जलो

जलाजी मारु ।

म्हे तो थारा डेरा निरखण आयी हो

मिरगानणी - रा जलाल ।

म्हे तो थारा डेरा निरखण आयी हो जलाल ।

जलाजी मारु ।

देखी थारु डेरा-री चतगई हा

म्हारी जोडी-रा जलाल ।

देखी थारु डेरा - री चतराई हो जलाल ।

जलाजी मारु ।

राजा मायलो राज भला जोधाणा हो

मिरगानणी-रा जलाल ।

राजा मायला राज भलो जोधाणो हो जलाल ।

जलाजी मारु ।

सहरा मायलो सहर भलो उदियाणा हो

म्हारी जोडी-रा जलाल ।

सहरा मायला सहर भलो उदियाणो हो जलाल ।

जलाजी मारु ।

पुरसा, मायलो पुरम भलो राठाटो हो

(२६)

ओळू

म्हे थान पूछा म्हारी धीवडी ।
म्हे थानै पूछा म्हारी वाळकी ।
इतरो वाबोसा - रो हेत
छोड'र वाई ! सिध चाल्या ?

म्हे तो रमती वाबोसा री पोळ
म्हे ता रमती वाबोसा - री पोळ
जाया सगैजी - रा सूवटो
लग्यो टोळी मा - सू टाळ
गायडमल ले चाल्या ।

म्हे थान पूछा म्हारी वाळकी ।
म्हे थान पूछा म्हारी धीवडी ।
इतरो माळसा रो लाड
छोड र वाई सिध चाल्या ?

हे आयो सगैजी रो सूवटा
हे आयो वागा - रा सूवटो
लग्यो टोळी मा - सू टाळ
फूटरमल ले चाल्यो ।

म्हे थान पूछा म्हारी धीवडी
म्हे थानै पूछा म्हारी वाळकी

इतरा वीरोसा - रो हेत
छोड'र वाई । सिध चाल्या ?

हे आयो परदेसी सूवटो
हे आयो वागा मायलो मूवटो
म्हे तो रमती सहेल्या - री साथ
लेग्या टोळी भा - सू टाळ
जोडो - रा जालम ले चाल्यो !

(२७)

जोळू

थारै वावो सा वाग लगाया अे वनडी ।
थार विन कूण सीचैगा ?

अे म्हार हरिय वन री कोयली ।

थार वागा म फुनडा फूरया जे वनडी ।
थार विन कूण नाटगो ?

अे म्हार हरिय वन री कोयली ।

थारै वागा म हीडा घाल्या अे वनटी ।
थार विन कूण हीडगा ?

अे म्हार हरिय वन - री कायली ।

आगण माय थारगे रोव भतीजा जे वनडी ।
थार विन कूण खिलावगा ?

अ म्हार हरिय वन री कायली ।

गुटिया धरी थारगे आळ दिवाळ अ वनडी ।
देख'र जी उक्ळाव

अ म्हार हरिय वन - री कायली ।

सग - री सहेल्या घर नहि आवक जे वाडी ।
देख दूरा - सें ही जाव

अे म्हार हरिय वन - री कायली ।

कोइयन अब म्हार आगण खेलै अे वनडी ।

आ सुनौ - मा दरसाव

अे म्हारै हरियै वन - री कोयली ।

थारी माता - रो हिवडो उझळै अे वनडी ।

बा तो नैणा नीर ढळकाव

अे म्हार हरिय वन - री कोयली ।

(२८)

ओछू

मेरा पीडो रोता आ बाबल !
कूण भरगो तेरी धीय विना ?
तेरी भाभ्या भरगी तेरो पीडो
लाडो बेटी ! जाय घरा

मेरो गोवर म्बाड पसरघो जो बाबल !
कूण उठासी तेरी धीय विना ?
तेरी भाभ्या उठासी तेरा गावर
लाडा बेटी ! जाय घरा

मेरा दही पड्यो विना विलाया
कूण विलोवगो तेरी धीय विना ?
तेरी भाभ्या विलोमी तेरो दही
लाडो बेटी ! जाय घरा

मेरी गाय बधी छ ठाण जा बाबल !
कूण खालगो तेरी धीय विना ?
तेरी भाभी खालगी तेरी गाय
लाडो बेटी ! जाय घरा

मेरा बाछा रमै छ गो ठाण आ बाबल !
कूण चुघासी तेरी धीय विना ?
थारी भाभ्या चुघासी थारा बाछडा
लाडा बेटी ! जाय घरा

मेरो कूण ल्यावैगो घास
ओ वावल ! तेरी घीय विना ?
तेरो भाई ल्यावैगो तेरो घास
लाडो बेटा ! जाय घरा

मेरो कूण करैगो रसोई
ओ वावल ! तेरी घीय विना ?
तेरी भाभी करैगी रसोई
लाडो बेटा ! जाय घरा

मेरो कूण खेलासी भतीज
ओ वावल ! तेरी घीय विना ?
तेरी भाभी खेलासी बाळकियो भतीज
लाडा बेटा ! जाय घरा

तने वावल कूण कहैगो
ओ वावल ! तेरी घीय विना ?
आसू तो भर आया नणा - में
लाडो बेटा ! जाय घरा

(२६)

ओळू

अेक वर करला थारा मारूजी ! पाछा जी मोड
राजीदा ढाळा ! ओळू घणी आव म्हार बाबोसा री
सुदर गोरी ! आळू थारी परी रे निवार
चपकवरणी ! बाबोसा री भोळ सुसराजी भागसी

अेक वर करला थारा मारूजी ! पाछा जी मोड
राजीदा ढोना ! आळू घणी जावै म्हारी माय री
सुदर गोरी ! ओळू थारी परी रे निवार
मिरगानणी ! मारूजी री भोळ सासूजी भागसी

अेक वर करला थारा मारूजी ! पाछा जी मोड
राजीदा ढोला ! आळू घणी जावै म्हार वीर री
सुदर घण ! तू आळू थारी परी रे निवार
चपकवरणी ! वीरजी री माळ देवर भागसी

अेक वर करला थारा मारूजी ! पाछा जी मोड
राजीदा ढाला ! ओळू घणी आव म्हारी छोटी वन-री
सुदर घण ! तू ओळू थारी परी र निवार
मिरगानणी ! बैनडी - रा भोळ नणदल भागसी

(३०)

रातीजाग रो गीत

(झालर)

अवर जाग्या दई-दवता
धरती जाग्या वामग नाग
झालर तो वाजी राजा राम की
मडप मे काळी माता जाग्या
पुरी म जगनाथ वावा जाग्या
बगल-में हडमान वावा जाग्या
परीडै - मे पिनर देवता जाग्या
मिदर - मे मती माता जाग्या
मट - मे मैरु वावो जाग्या
पहाडा - म बदरीनाथ जाग्या
परबत - मे मालकेत जाग्या
ज्या - कै पीठ वसै सवराय
झालर तो वाजी राजा राम की
उठा म्हारा राजन ! दान दचो
थार हुयी छ धरम-की रात
झालर तो वाजी राजा राम की
थारै वाहर गाव कापडी
थार भीतर गाव गीत
झालर तो वाजी राजा राम की
कापडिया - न कापडा
गीतवाळ्या - नै चूनड आढाय
झालर तो वाजी राजा राम-की

(३१)

माता राणकदे

लीप्यो-त्तो चूप्या अे माता ! आगणो
पगत्या - रो पूरणवाळो नही
अ माता राणकदे !

म्हान माणस क्या - न सिरज्या ?

कोरा तो कळस्यो अे माता ! जळ-भरघो
पाणी - रो ढोळणवाळो नही
अ माता राणकदे !

म्हान माणस क्या न सिरज्या ?

छीका तो पडियो अे माता ! चूरमो
ठणक सिरावण मागणवाळो नही
अे माता राणकदे !

म्हान माणस क्या - न सिरज्या ?

पाटूलो ल नै कवर भणवा नी गयो
नेरघा में घूधरा नी वाज्या
अे माता राणकदे !

म्हान माणस क्या न सिरज्या ?

माथा जो वाध न पाळकड नी पाड्या
सासू मुवावड नही कीधी

अे माता राणवदे ।

म्हान माणम क्या - नै सिरज्या ?

पीळो तो ओढ सूरज नी पूज्यो

रातूला ओढ जळवा नी पूजो

अे माना राणवदे ।

म्हान माणम क्या - नै सिरज्या ?

सुसराजी - आगण तूर नी वाज्या

पीहर वघाई नी गयी

अे माता राणवदे ।

म्हान माणस क्या - नै सिरज्या ?

तूट्या राणवदे पूत जो दीघा

अेक झाळ्या नै दूजो खोळ्या

अे माता राणवदे ।

म्हानै माणस भला ही सिरज्या ।

(३२)

कूखडली

(१)

मा । सहस - तळावा म गयी जे
मा । रीता अे समद तळाव
हमा बुगला उड रह्या जे

मा । वाग - वगीचा मै गयी जे
मा । काचा अे दाटम - दाख
कोयल कागा उड रह्या जे

मा । सहस - वजारा मै गयी जे
मा । हटवा म जट ली अे हाट
वाजीगर - का उठ रह्या जे

मा । राय - रसाया म गयी जे
मा । जीम अक देवर - जेठ
वाईजी रा वीरा उठ रह्या जे

मा । रग - महल मै म गयी जे
मा । सूता अक वाइजी - रा वीर
मुख पर पत्तो राळियो जे

मा । आयो अ आळ-जजाळ जे
मा । जायो अे जाळ जजाळ
कूखडली वैरण भयी जे

(२)

मा । सहस - तळावा मै गयी जे
मा । भरिया हिलोळा खाय
हसा - बुगला खेल रह्या जे
मा । वाग वगीचा मै गयी जे
मा । पाक्या सै दाडम - दाख
कोयल - सुवटा खाय रह्या जे
मा । सहम - वजारा मै गयी जे
मा । हटवा सै छोली हाट
वाजीगर - का रम रह्या जे
मा । राय रसोया म गयी जे
मा । जीम अे देवर - जेट
वाह पकड भीतर लयी जे
मा । रग - महल - म मै गयी जे
मा । मूत्या अक दाडजी रा वीर
मूत्या राजन जागिया जे
मा । सूती छी सुख भर नीद जे
मा । देग्यो गीगा महला माय
पार्लणय - मे झूतता जे
मा । आयो अे जाल - जजाल जे
मा । आयो अे जाल-जजाल
बूखडली रतन हयी जे

(३३)

जापो

ढाला । म्हारी दाई - न वेग बुलावा
म्हार हालग्य - रो जलम करावा
ढोला । नाई - की - न वेग बनावो
म्हार मैला चोमख दिवला जगावा
ढोला । म्हारा सासजी - न वेग बुनावा
म्हार मला सोवन - थाळ वजावो
ढोला । जोसीजी - न वेग बुनावा
म्हार हालरिये - री वेळा लिरावो
ढोना । म्हारी देवर - जेठाणी बुलावो
म्हारे मला छठी जगवावो
ढोला । वाईजी - न वग बलावो
म्हारी चत्रसाळा सथिया दिरावा
वाईजी - न अड - अड नेग चुकावा
ढाला । दणी रीत वधावो

(३४)

पीपळी

अे म्हार उतर दिखण-री अे जच्चा । पीपळी
अे म्हार पूरव नमी नमी टाळ रे
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी जे

अे थार गीगो जलम्यो जाधीरात
अे थार गुड बच्यो परभात
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी जे

अे आर तो माय जच्चा राणी जे आवरो
अे जठे राता सा पलग विद्याया •
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी अे

अे जठ न बहू सिणगारदे पोडिया
अे वा - री दामी ढाळ छ वाव
अे म्हान घणी जे सुहाव जच्चा पीपळी अे

अे खांदे खिणै नै अे म्हारी जच्चा राणी आडा भर
अे जठ उघडी छ पूता - री खाण
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी अे

अे वाजळ तो भरियो अे जच्चा राणी रै कूपलो
अे बहू सिणगारद नण सवार
अे म्हान घणी अे सुहाव जच्चा पीपळी अे

(३५)

लोरी

सोयी रे गीगा । सोयी
तेरी मा करै रसाई

रसोई करता लागै वार
गीगो जीमै चावळ - दाळ

चावळिया - में काकरिया
गीगै - का मामा ठाकरिया

ठाकरिया ठकराई कर
घोडा चढ वडाई करै
गीगै - की सगाई करै

(३५)

लोरी

सोयी रे गीगा । सोयी
तेरी मा करे रसोई

रसोई करता लागे वार
गीगा जीमै चावळ - दाळ

चावळिया - मे काकरिया
गीगे - वा मामा ठाकरिया

ठाकरिया ठकराई कर
घोडा चढ वडाई करै
गीगे - की सगाई कर

(३६)

लोरी

गीगा - नै खिलायी अे चिडकली ।

गीगा - न खिलायी अे ।

गीगा रोव च्याऊ म्याऊ

गीगा - नै हसायी अे चिडकली ।

गीगा - न खिलायी जे ।

पगा अक वाधू घूघरणा थार

गळ मातीडा राहार अे चिडकली ।

गीगा न खिलायी अे ।

चाचटली थार हिंगळू ढोळू

पाखडल्या रग केसर अे चिडकली ।

गीगा - नै खिलायी अ ।

आगण छिचू वाजरी अ

नित उठ चुगवा आय अ चिडकली ।

गीगा नै खिलायी अे ।

गीगा-न खिलायी अे चिडकली ।

गीगा न खिलायी अे ।

(३७)

यो वटेऊ ! कित जासी ?

यो वटेऊ कित जासी ?

गडमच - गडमच गाडी जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

घोळा बैल्या खीच्या जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

बुढलो बठचो हाक्या जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

वाळो बैठचो हसतो जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

यो वाळा - रै नानेर जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

नानेरा - सू के-के लाय ?
यो वटेऊ कित जासी ?

नानी - मामी लाड लडाय
झुगला - टोपी पहरासी

गडमच - गडमच गाडी जाय
यो वटेऊ कित जासी ?

(३६)

लोरी

गीगा - नै खिलायी अे चिडकली ।
गीगा नै खिलायी अे ।

गीगो रोव च्याऊ-म्याऊ
गीगा - न हसायी अे चिडकली ।
गीगा - न खिनायी अे ।

पगा अक वाधू घूघरणा थार
गळ मातीडा रो हार अे चिडकली ।
गीगा नै खिलायी अे ।

चाचडली थार हिगळू ढोळू
पाखटल्या रग वेसर अे चिडकली ।
गीगा - नै खिलायी अे ।

आगण छिडकू वाजरी अे
नित उठ चुगवा आय अ चिडकली ।
गीगा नै खिलायी अे ।

गीगा-न खिलायी अे चिडकली ।
गीगा न खिलायी अे ।

(३७)

यो वटेऊ ! कित जासी ?

यो वटेऊ कित जासी ?

गडमच - गडमच गाडी जाय

यो वटेऊ कित जासी ?

घोळा बैल्या खीच्या जाय

यो वटेऊ कित जासी ?

बुढलो बठयो हाक्या जाय

यो वटेऊ कित जासी ?

बाळो बैठयो हसतो जाय

यो वटेऊ कित जासी ?

यो वाळा - रै नानेरै जाय

यो वटेऊ कित जासी ?

नानेरा - सू वे-के लाय ?

यो वटेऊ कित जासी ?

नानी - मामी लाड लडाय

झुगला - टोपी पहरासी

गडमच - गडमच गाडी जाय

यो वटेऊ कित जासी ?

(३८)

डोडो ज्वार-रो

गणमण - गणमण गाडा जाय

डोडो ज्वार - रो

सोणू तीतर बोल्या जाय

डोडो ज्वार - रो

गवरा - वाई बैठ्या जाय

डोडो ज्वार - रो

कान् वीरो हाक्या जाय

डोडो ज्वार रो

चूदडी चमकाता जाय

डाडो ज्वार - रो

घाघरो घमकाता जाय

डोडो ज्वार - रो

चूडलो चिलकाता जाय

डाडो ज्वार - रा

हाया महेंदी देता जाय

डोडा ज्वार - रा

चूरमिया गटकाता जाय

डोडा ज्वार - रो

ठहा पाणी पीता जाय

डोडो ज्वार - रा

गणमण - गणमण गाडो जाय
डोडा ज्वार - रा
सोणू तीतर बोल्या जाय
डाडो ज्वार - रा

(३६)

चाद चढ्यो गिगनार

चाद चढ्या गिगनार
किरत्या ढळ रहिया जी ढळ रहिया
अव वाई ! घरा पघार
माऊजी मारेला जी मारेला
वावोजी देना गाळ
बटाणे बीरा बरजेला जी बरजेला
मत दो म्हारी वाई नै गाळ
वाई म्हारी परदेसण जी परदेसण
वा आज उड परभात
तडकल उड जासी जी उड जासी
मावणियै रा दिनडा च्यार
जवाईडो ले जासी जी ले जासी
वा उडसी पार
मूवटिया ल जासी

(४०)

कूण नगर

कूण नगर सुसराळ मेरी माय ।
कूण नगर मेरो पीवरियो ?
अजोध्याजी सुसराळ मेरी माय ।
कुम्भणपुर मेरा पीवरिया
किसीयक सीली सास मेरी माय ।
किसोयक गढपत मेरो सुसरो ?
कवसल्या - सी सास मेरी माय ।
दसरथ - सो गढपत सुसरो
किसोयक समरथ स्याम मेगी माय ।
किसोयक छाटो देवरिया ?
चँदरमा मो स्याम मेरी माय ।
लिछमण - सो छोटी देवरियो
किसायक जामी वाप मेरी माय ।
किसोयक वालो वीरणियो ?
जनक सरीसो वाप मेरी माय ।
किसन सगीसो वीरणियो
काहँवर - सो वीरणियो
कूण नगर सुसराळ मेरी माय ।
कूण नगर मेरा पीवरिया ?
अमर रह सुसराळ मेरी माय ।
अमर रहै मेरो पीवरियो

वाईजी - कै आया रे गाडूलो
 कोई, म्हारै रणझुण बल रे नीमोळीडा
 वाईजी - कै चूर रे चूरमो
 कोई, म्हारै गुदळी खीर रे नीमोळीडा
 वाईजी - कै जीम देवरिया
 कोई, म्हारै मा जायो वीर रे नीमोळीडा
 वाईजी चात्या रे सासर
 कोई, म्हे चाल्या म्हार पीर रे नीमोळीडा
 वाईजी - क चाल्या रे आसूडा
 कोई, म्हार चाया दात रे नीमोळीडा
 वाईजी वैठ्या रे गाडूल
 कोई, म्हे म्हारी रणझुण बल रे नीमोळीडा
 वाईजी - को आया सासरियो
 कोई, म्हारा आया पीर रे नीमोळीडा
 वाईजी उत्तरचा रे सासरिय
 कोई, म्हे उत्तरचा म्हार पीर रे नीमोळीडा
 वाईजी - कै आगे सासूडी
 कोई, म्हार आग माय रे नीमोळीडा
 वाईजी मारचो रे धूधटियो
 कोई, म्हे मारचो गुरमाट रे नीमोळीडा
 वाईजी - नै ढाल्या रे पीढला
 कोई, म्हानै ढाली खाट रे नीमोळीडा

(४६)

नीमोळीडा

(नणद भोजाई)

वाईजी - क वायो रे आमूलो
कोई, म्हार वायो नीम रे नीमोळीडा

वाईजी सीच रे आमूलो
कोई, म्हे सीचा म्हारो नीम रे नीमोळीडा

वाईजी - क ऊग्यो रे आमूलो
कोई म्हार ऊग्यो नीम रे नीमोळीडा

वाईजी - क लाग्या रे आमूला
कोई म्हार लाग्या गुटका रे नीमोळीडा

वाईजी चूस रे आमूला
कोई, म्हे चूसा म्हारा गुटका रे नीमोळीडा

वाईजी चढग्या र आमूलै
कोई म्हे चढग्या म्हार नीम रे नीमोळीडा

वाईजी - का दीग्या रे सासरिया
कोई, म्हारा दीग्या पीर रे नीमोळीडा

वाईजी - को आया रे देवरिया
कोई, म्हारा मा-जाया वीर रे नीमोळीडा

वाईजी - कै आयो रे गाडूलो
 कोई, म्हार रणझुण बल रे नीमोळीडा
 वाईजी - कै चूरै रे चूरमो
 कोई, म्हार गुदळी खीर रे नीमोळीडा
 वाईजी - क जीमै देवरियो
 कोई, म्हारै भा जायो वीर रे नीमोळीडा
 वाईजी चाल्या रे सासरै
 काई, म्हे चाल्या म्हार पीर रे नीमोळीडा
 वाईजी - क चाल्या रे आमूटा
 काई, म्हारै चाल्या दात रे नीमोळीडा
 वाईजी बँठ्या रे गाडूलै
 कोई, म्हे म्हारी रणझुण बल रे नीमोळीडा
 वाईजी - को आयो सासरियो
 कोई, म्हारो आयो पीर रे नीमोळीडा
 वाईजी उतरया रे सासरिय
 कोई, म्हे उतरया म्हारै पीर रे नीमोळीडा
 वाईजी - कै आगे सासूडी
 कोई, म्हारै आगे माय रे नीमोळीडा
 वाईजी मारघो रे घघटियो
 कोई, म्हे मारयो गुरमाट रे नीमोळीडा
 वाईजी - न ढाळघो रे पीढलो
 कोई, म्हान ढाळी खाट रे नीमोळीडा

वाईजी बठघा रे पीढल
कोई म्हे बैठघा म्हारी खाट रे नीमोळीडा

वाईजी न राध्या खीचटो
कोई, म्हानै जिनवा - का भात रे नीमोळीडा

वाईजी नै जीमाव रे सामूडी
कोई, म्हानै म्हारी माय रे नीमोळीडा

वाईजी जीम रे खीचटो
काड, म्हे जिनवा - का भात रे नीमोळीडा

(४७)

सासू सूधली लड

सासू सूधली लड
फोग आलडो वळ

च्यार घडी-वै तडवै मै उठी अे
पीस्यो घडी दोय चून
सासड आय विसराइयो
वहुवड ! ओ वाई पीस्यो चून
ऊट सवारी दळियो दळ
सासू सूधली लड
फोग आलडो वळ

आडा वार गवाडा वारचा
वारचा चानण -चौक
सासड आय विसराइयो
वहुवड ! ओ वाई वारचो चै
ठाणा - म गोवर सड
सासू सूधली लड
फोग आलडो वळ

वाईजी वठचा रे पीढल
काई, म्हे वैठचा म्हारी घाट रे नीमोळीडा

वाईजी - न राघ्यो खीचटो
कोई, म्हानै जिनवा - का भात रे नीमोळीडा

वाईजी - न जीमावै रे सामूडी
काई, म्हानै म्हारी माय रे नीमोळीडा

वाईजी जीमै रे खीचडो
काई, म्हे जिनवा - का भात रे नीमोळीडा

(४८)

सुखी गहस्यी रा गीत

वधावो

म्हारै आगण आम, पिछोकडै मरझो,
ओ घर सदा अे मुदावणो
तू तो चाल, लिछमी ! ज घर चाला
जै घर रळी अे वधावणा
जठै वडा - नै वटाई देसा
दूणा - सो मान मदासप्या
जठै कुळ बहुवा - न आदर देसी
सासू - नणद गुण मानसी
म्हारै गाय गवाडै, भैसा गटै
सोवन - थाम विलोवगो
विलोवणो म्हार गहर - घमक
आगण जमकै कुळ-वहू
ससार - को सुग्र आज देख्यो
म्हारो पूत परण घर आवियो
म्हारै पूत कारण वहू अे प्यारी
पूत कुळ - को दोवळा
म्हारी सास मप्ती-सै म्हे सरभर रहस्या
जीभ - व गुण आगला
म्हारी देराप्या-जेठाप्या वरोवर रहस्या
काम - कै गुण आगला

हाय धोय नर करी रमोई
घूब करी चतराई
सासड आय विसराइयो
वहुवड । आ काई करी रसाई
दाळ - मे हीग सडे
सासू सूधली लड
फोग आलडो वळ

ले दाघड पाणी न चाली
पूगी पणघट घाट
भर घडलो वेगी सी आयी
कठं अे लगायी अवार
सामू मेरी छडी जे लड
फोग जालडा वळ
सासू सूधली लड

(४८)

सुखी गहस्पी रा गीत

वधावो

म्हारै आगण आम, पिछोकड मरवो,
ओ घर सदा ओ सुवावणो
तू तो चाल, लिछमी । जै घर चाला
जै घर रळी ओ वधावणा
जठे वडा - न वडाई देसी
दूणा - सो मान सवासण्या
जठे कुळ-वहुवा - न आदर देसी
सासू - नणद गुण मानसी
म्हार गाय गवाड, भसा वाटै
सोवन - थाभ विलोवणो
विलोवणो म्हारै गहर - धमक
आगण झमक कुळ-वहू
ससार - को सुग्र आज देट्यो
म्हागे पूत परण घर आवियो
म्हारै पूत कारण वहू ओ प्यारी
पूत कुळ - को दोवळो
म्हारी सास सपती स म्हे सरभर रहस्या
जीभ - वै गुण आगला
म्हागी देराण्या-जेठाण्या वरोवर रहस्या
काम - वै गुण आगला

म्हार सुगणै सायब सै म्हे मनचाया रहस्या
कूख - क गुण आगला
म्हारी सही जे सहेल्या - सै वरोवर रहस्या
रूप - क गण आगला

इसडो वधावो सायब ! जाण न देस्या
घणा अे दिना म आया पावणो
इसटो वधावा सहिया ! जाण न देस्या
महग - स मोल मोलायस्या

इसडो वधावो म्हार घूघट पर राखा
घूघट सुरगा चूनड नित नवी
इसडो वधावो म्हारी वहिया पर राखा
वहिया सुग्गी चुडलो नित नवो

इसडो वधावो म्हारी सेजा म राखा
सेज सुरगी ढाल्यो नित नवो

इसडो वधावो म्हारी पेई में राखा
मैण-काजळ ज्य म्ह वरतस्या

इसडो वधावो म्हार पीहर भेजा
भाभी मेडतणी - र जाया गीगलो

चितरघ - स आगण म्हारी नणदल ऊभी
दयो म्हारा वाईजी ! अमीसडी

ये तो फूलज्या रे फळज्यो आम-की डाळी ज्यू
वधज्यो माळी वी दूव ज्यू

सात अे भाभी ! पूत जणज्या
अेक जणज्यो डीवरी

थारी धीहड - न परदेम दीज्यो
ज्यू चित आव रुडी नणदली

(८६)

वधावो (आवो मोरियो)

मधुवन रा आवा मोरियो
ओ तो पसरया जे मारी मारवाड
सहेल्या अे । आवो मोरिया

वहू रिमझिम महला - सू ऊतग
आ तो वर मोळा सिणगार
सहेल्या अे । आवो मोरिया

सासूजी पूछवो अे वहू । धारा
गहणो म्हानै पहर दिवाव
सहेल्या जे । आवो मोरियो

सासू । गहण - नै काई पूछो
गहणो ओ म्हारो सा परवार
सहेल्या जे । आवा मोरियो

म्हारा मुसरोजी गढ - रा राजवी
सासूजी म्हारा रतन - भडार
सहेल्या जे । आवा मोरियो

म्हारा जेठजी वाजूवद वाकडा
जेठाणी म्हारी वाजूवद - री लूव
सहेल्या अे । आवो मारियो

(५२)

हळ हाको महादेव ।

हळ हाको महादेव ।

हळ हाका ईसर ।

दुनिया न धध लगाय दीजो जी

भाळोडा पारवती । ये बोल नी जाणो

तो हळ कठा - सू मगावस्या जी

वागा - ग चनण कटावो महादेव ।

जणी - रा हळ वणावस्या जी

हळ हाका महादेव । हळ हाको ईसर ।

दुनिया - न धध लगाय दीजो जी

भाळोडा पारवती । ये बोल नी जाणो

तो जूटा कठा - सू मगावस्या जी

वागा रा आवा - आवली कटावो महादेव

जणी - सू जूटा वणावस्या जी

हळ हाको महादेव । हळ हाको ईसर ।

दुनिया - न धध लगाय दीजा जी

भाळोडा पारवती । ये बोल नी जाणो

वन कठा - सू मगावस्या जी

मिवजी रा नादघा मगावो भोळा महादेव ।

जणी - रो बल वणावस्या जी

हळ हाका महादेव । हळ हाको ईसर ।

दुनिया - न धध लगाय दीजा जी

भोळोडा पारवती । थे वोल नी जाणो
राम कठा - स् मगावस्या जी
सापा - रा सीदरा मेलावो भोळा महादेव ।
जणी - रा रास वणावस्या जी

हळ हाको महादेव । हळ हाको ईसर ।
दुनिया - नै धध लगाय दीजो जी

भोळोडा पारवती । थे बाल नी जाणो
बीज कठा - स् मगावस्या जी
समदा रा माती मगावा भोळा महादेव ।
जणी - रा बीज वणावस्या जी

हळ हाको महादेव । हळ हाको ईसर ।
दुनिया - नै धध लगाय दीजो जी

(५३)

मेहूडा वरसला उतावळा

चिणायलो वटेवडा, वणायला घाट
लोग-वाग देख छ मेहा री वाट
मेहूडा वरमला उतावळा

वग्मैला मेहूडा लागला वडी
पसटा - का नाज विवला धडी
वरमला मेहूडा उतावळा

वाल पपडया नाच मोर
हरी हरी घाम चरला दार
मेहूडा आवला उतावळा

वरसला वदळी आळिया घोळ
टहरा - मे निपजैला वाजरा मोठ
वरसला मेहूडा उतावळा

आव आव मेहा री भाळ चली
भादूड - मे होवला सिटा फळी
मेहूडा वरमला उतावळा

चाला चाला खेता मे काटो फाग
महा रा लग रया गाढा जाम
महूडा आवला उतावळा

कै - क काधे जेठ - गडासी,
कै - क खाध हळियो हाळ
डाग्चा - की डार चली खेता म
सायब दैलो अकै झाल
मेहडा वरसला, उतावळा

(५३)

मेहूडा वरसला उतावळा

चिणायलो वटेवडा, वणायलो खाट
लोग-वाग देखै छै मेहा री वाट
मेहूडा वरमला उतावळा

वरसला मेहूडा लागला थडी
पैमटा की नाज विरला धडी
वरमला मेहूडा उतावळा

वाल पपइयो नाच मोर
हरी हरी - घास चरैला द्वार
मेहूडा आवला उतावळा

वरसला वदळी आळिया घाळ
डहरा - में निपजला वाजरा मोठ
वरसला मेहूडा उतावळा

आव आव मेहा - री भाळ चली
भादूटे - म होबला सिटा फळी
मेहूडा वरसला उतावळा

चालो चाला खेता - म काटो फाग
मेहा रा लग रया गाढा जोग
मेहूडा आवला उतावळा

आ वदळी कित जासी ?

आ वदळी कित जासी ?

मूण दिसा मू आयी काळी वदळी

मूण दिसा न जासी ?

आ वदळी कित जासी ?

पूरव दिसा मू आयी काळी वदळी

उतर दिसा न जासी

आ वदळी कित जासी ?

पूरव दिसा - सू क्यू उठ जायी

उतर दिसा क्यू जासी ?

आ वदळी कित जासी ?

पूरव दिसा सू पाणीडो भर लायी

उतर दिसा वरमासी

आ वदळी कित जासी ?

क - र देस - म जोहड भरसी

क रो जा डहर सिचासी ?

आ वदळी कित जासी ?

मुसराजी र देसा - में जाहड भरसी

मारणी - रो डहर सिचासी

आ वदळी कित जासी ?

(५५)

मारुजी रं खेता जावो वदळी ।

मारुजी रं खेता जावो वदळी ।

टीवा वरसो डैरा वरसो तो चितरग ताल छिलावो वदळी ।
मारुजी रं खेता जावो वदळी ।

जेठ उतरियो 'साढ उतरियो तो सावण उतरघो जाय वदळी ।
मारुजी रं खेता जावो वदळी ।

सारै-सार दिन थारा सून मनावै तो ऊभा जोव धारी वाट वदळी ।
मारुजी रं खेता जावो वदळी ।

भागी-दोडी जावो भागी-दोडी आवो
तो समदा स् जळ भर लावो वदळी ।
मारुजी रं खेता जावो वदळी ।

वादळिया रा दळ सग ले ल्यो तो दाय गेडा कर जावो वदळी ।
मारुजी रं खेता जावो वदळी ।

(५६)

खेत सींचवा आवो वदळी

म्हारो खेत सींचवा आव वदळी !

पोटा आयो खड्यो वाजरा
कोडगळी अ जवार वदळी !

माठा - मूगा फळी अ नीसरी
वगरा जायो गवार वदळी !

मूळा - मूळा बेला पसरी
वला र निमरचा च्हार वदळी !

वाला वाला वूटा घात्या
चूळा छाड्या नाळ वदळी !

सौ - सौ जागळ विरखा वरदुज्या
भर ज्या सरवर ताल वदळी !

म्हारो खेत सींचवा आव वदळी !

(५७)

आज म्हारी वदळी वरसंगी

आज म्हारी वदळी वरसंगी

आयो आयो सावण - भादवो
कोई, काळी घटा घिर आय
आज म्हारी वदळी वरसंगी

म्हारा वीरोजी वीज वाजरी
म्हारा भाभीजी काटे फोग
आज म्हारी वदळी वरसंगी

म्हारा काकोजी चरावै टोडिया
म्हारा माऊजी नावै छकियार
आज म्हारी वदळी वरसंगी

म्हार वेंता - न चारो मोठ - को
म्हारै हाळीडा - नै गुदळी चीर
आज म्हारी वदळी वरसंगी

(५८)

नित बरसो मेहा । वागड मे

नित बरसो मेहा वागड - में

मोठ वाजरो वागड निपज

गेहू निपज खादर - म

नित बरसो मेहा वागड में

नित बरसो मेहा वागड - मे

मूग र चवळा वागड निपज

जवडा निपज खादर - मे

नित बरसो मेहा । वागड - मे

नित बरसो मेहा । वागड में

टोड - टोडिया वागड निपज

बल्या निपज खादर - मे

नित बरसो मेहा वागड - में

नित बरसो मेहा वागड - मे

भेड - वाकरी वागड निपज

भस्या निपज खादर - में

नित बरसो मेहा वागड - में

नित बरसो मेहा वागड - में

(५६)

सुरगी रत आयी म्हारै देस

सुरगी रत आयी म्हारै देस

भलेरी रत आयी म्हार देस

माटी - मोटी छाटा ओसरघा अे वदळी !

ओसरघो अे वदळी !

कोई, छाट घड के मान, मेवा मिसरी

सुरगी रत आयी म्हारै देस

भलेरी रत आयी म्हार देस

ड्गळिये का ढावा ढैसग्या अे वदळी !

ढैसग्या अे वदळी !

कोई, धोळपाळघा टेलमठेल, मेवा मिसरी

सुरगी रत आयी म्हार देस

भलेरी रत आयी म्हारै देस

ओ कुण वाव वाजरी अे वदळी !

वाजरो अे वदळी !

कोई, ओ कुण वाव मोठ, मेवा मिसरी

सुरगी रत आयी म्हार देस

भलेरी रत आयी म्हारै देस

ईसर वाव वाजरो अे वदळी !

वाजरो अे वदळी !

कोई, कानू वाव मोठ, मेवा मिसरी

सुरगी रत आयी म्हार देस

भलेरी रत आयी म्हारै देस

(६०)

झिरमिर झिरमिर मेहूडो वरस

झिरमिर झिरमिर मेहूडो वरम
वादळिया घरराव अे

जठजी तो मरा वूजा काट
परण्या हळियो वाव अे
झिरमिर झिरमिर मेहूडा वरम
वादळिया घरराव अे

देवर मरा कर अळसोटी
जेठाणी रोटी त्याव अे
झिरमिर झिरमिर मेहूडो वरम
वादळिया घरराव अे

वाळङिया भतीजो मेरा रेवट चराव
नणदन गाया घर अे
झिरमिर झिरमिर मेहूडा वरम
वादळियो घरराव अे

ग्वाळा न म्हार गळछट चूरमो
हाळजा - न खीर-लापसो अे
विरमिर विरमिर मेहूडा वरम
वादळियो घरराव अे

(६१)

टीडी ! उड ज्या अे, खेत परायो

टीडी ! उड ज्या अे, खेत परायो

जेठ - 'साढ म्हे वळ्या तावड

पच - पच हळियो वायो

टीडी ! उड ज्या अे खेत परायो

वोर - को मिर करज कढायो

वीज उघारो आयो

टीडी ! उड ज्या अे खेत परायो

नाज उग्यो जद डागर घेरधा

टीवा बैठ म्खाळयो

टीडी ! उड ज्या जे खेत परायो

सणिया काट भन्टा काट्या

दोरो - दोरो खेत निनाण्यो

टीडी ! उड ज्या अे खेत परायो

नगरी - को राजा हासल लेसी

कर गयो कूत सवाया

टीडी ! उड ज्या अे खेत परायो

(९)

बारापामो

गाहू महीः रिग्मा मानी
वात्रगिया रा वाह
मात्र्जः वहा भवा मार
वाह र माह । वाह

गाहन महीः वात्रा मानी
मीगागा री गाह
वात्रगिया रा वना टाटा
वाह र माह । वाह

भाहू महीः भुगा शमा
लीगगिया रा ताह
वात्रगिया री राटी यावा
वाह र माह । वाह

आगात्री मे आता मानी
हवाग्यां - री हाह
राग - वागर मही रहमा
वाह र माह । वाह

वानी महीन वरग सिहा
भाय जिता याह

काती महीनै सिट्टा कीना,
वाह रे साई ! वाह

मिगसर महीनै मोका महता
लेखो लेसी साह
लेयर देयर दूरा होसा,
वाह रे साई ! वाह

पोह महीनै पाळो पडसी,
खालडी - रो खोह
खालडी - रो खोह कीनो,
वाह रे साई ! वाह

माह महीनै पाळो पडमी,
पाणी पथ्यर खाह
पाणी - रो तो पथ्यर कीना,
वाह रे साई ! वाह

फागण महीन फाग खेल
गापिया - रो नाह
महूड - रो महू पीयो,
वाह रे साई ! वाह

चैत महीनै चपा मोरी,
चचळ मोरघा साह
बिन वूठा हरिया हुसी,
वाह रे साई ! वाह

वैशाखी - म पुन वरुण
मङ्गलदिने मे मा
वरुणवार - म वरुण वरुण
वार र मङ्गल । वरुण

जेठ वरुण वरुण वरुण
मङ्गलदिने मे मा
मङ्गल वरुण मङ्गल वरुण
वार र मङ्गल । वरुण

(६३)

मेरो देवरियो चराव साड

मेरो दवरियो चराव साड
करला गाजणा

टोडियो चराव, टोडती चराव
वो तो ल्यावै ल्याव घरा अे चराय
साडचा गरजणी

भैस्या चरावै वो तो भूरटी
वो तो ल्यावै ल्यावै घरा अे चराय
भैसा जारणा

घोळती चराव वो ता दूझणी
कोई, ल्यावै ल्याव घरा अे चराय
साड दडूवणा

मेरो जेठजी वावै टोडिया
मेरा परण्या वाध उट
करला गाजणा

मेरा वडलो भतीजा वाधै भूरटी
मेरो छोटक्यो वाधै गाय
घोळया दूझणी

म्हारो भैमो भस्या माय
साड दडूकणा

मेरो परण्यो चुषाव टाडिया
मेरो जेठजी दूव भूरी झोट
साडघा गाजणी

मेरी नणदल पकड वाछडा
मेरा देवरियो दूव घोळी गाय
धाळघा दूझणी

(६४)

मारुणी घणा कमावणी

मारुजी म्हे था-सू चीगणा कमावा

पो कै तारै म उठी जो चाकी दयी चनाय
भर-भर छावा पीसण लागी पीस्यो छै मण धान
मारुणी घणा कमावणी

मण भर तो म दही विलोयो मण भर दूयो दूध
घडला - घडना पीडा भरियो अंकलडी थारी नार
मारुणी घणा कमावणी

गाया री म्हे गोरचा बुहारी भैस्या रा म्हे ठाण
खरळा खरळा गोवर गेरचो उपळा थोप्या सौ रे पचास
मारुणी घणा कमावणी

जद म रायरसोया आयी चौको दियो सजाय
मण-भर रा म माडा पोया घडी अंक राधी छै दाळ
मारुणी घणा कमावणी

जाठ प्रत्या री लयो नीरणी जाठ हाळचा री छाक
सिर धर खारी चाली डैर म पूची पूची कूळी छाका जाय
मारुणी घणा कमावणी

हाळीडा न छाक जीमायी वैल्या न नीरचा फूम
जद मै बूजा काटण लागी काटचा धोधा दाय र च्यार
मारुणी घणा कमावणी

साझ पनी दिन आथम्यो जद मण भर खोदचा धान
वाध भरुटो सिर पर धरियो साझ पडचा घर आय
मारुणी घणा कमावणी

लाय भराटा आगण पटक्यो दूखै म्हारो नाड
ठाणा माय म्हारी भस्या रिडक गोरचा में रम म्हारी गाय
मारुणी घणा कमावणी

गाय दूय जर भैस्या न दूयी वकरया सौ रे पचास
भर-भर हाडा दूधडला रा हारा में दिया छ चढाय
मारुणी घणा कमावणी

लाय वळीतो नात्र छोडी केवडी दयी चढाय
मण भर रा म माडा पोया दूख छै म्हारा दानू हाथ
मारुणी घणा कमावणी

जद हाळीटा घर न जाया दीना थाळ लगाय
मेरु-सर दूधडला घात्या दा दो राटचा माय
मारुणी घणा कमावणी

खाय राट जद टाम हायग्या दीना पलग तळाय
कुरड कुरड हुक्का टळळाव गूदडा दिया पकटाय
मारुणी घणा कमावणी

खाय-पीय जद म हव लाभ्या दूधो दियो जमाय
वाहर जायर फळमो जडिया सा गयी खुरचण माटो खाय
मारुणी घणा कमावणी

(६५)

गोरबद

म्हारो गोरबद लवाळो
लूवाळो लड - झूवाळा
म्हारो गोरबद लूवाळो

जोधणै - सू डोरा मगाया
खारा समद - सू कोडा
म्हारा गोरबद लूवाळो

मालाणी - र सिधूडै गारबद गूथ्यो
वीकाणै - रै राईकै पोयो
म्हारो गोरबद लूवाळो

आठ मास - सू टोरा सुळझाया
वारै महीना - सू पोया
म्हारो गोरबद लूवाळो

देवर - जेठाणी गोरबद गूथ्यो
म्हारी नणदलवाई पोयो
म्हारो गोरबद लूवाळो

गाया रे चरावती गोरबद गूथ्यो
भस्या चरावती पोया
म्हारो गोरबद लूवाळो

आसै - पास म लाला जडायी
विच में रैसम - रा फूदा
म्हारो गोरबद लूवाळो

भूरियो ऊट ककेड - सू वाध्यो
तलिया बलारता खाव
म्हारो गारबद लूवाळो

तेरा बीमी रो तेलियो जाखोडो
नव बीमी सजाई
म्हारा गारबद लूवाळो

गादी माड गगरखा माड्या
दोय - दोय तगडा ताप्या
म्हारो गारबद लूवाळो

पूछ भूराळ - री वेळ जेवी
जाड तिरतो जाव
म्हारा गोरबद लूवाळो

जेसाणै - री भाटी म्हारा गोरबद लेग्यो
खारी खावड पुगायो
म्हारो गोरबद लूवाळो

इलाळा विलाळा - री जान चढ
कुण - कुण जानी जासी
म्हारो गोरबद लूवाळा

ओमजी जामी, भामजी जासी
म्हारो बिळाला नही जासी
म्हारा गोरबद लूवाळो

रात्यू ऊट - रै घाल्यो वेळचो
भूरियो ऊट अडोळो लागै रै
म्हारो गोरबद लूवाळो

इलाळा - विलाळा - री मौजा - रो
भाटी चोरचो म्हारा गोरबद
म्हारो गोरबद लूवाळो

इण गोरबदियै - रै कारणै
नव दिन विरणी म्ही
म्हारो गोरबद लूवाळो

साथ - री सहेल्या - नै राम-राम दीजो
गाव - रै धणी - नै डोढो मुजरो
म्हारो गोरबद लूवाळो

डूगर चढ - नै गोरबद गायो
जोधाणा - री कचेडी साभळचो
म्हारो गोरबद लूवाळो

मोठ-वाजरी वागड मेवा

मोठ - वाजरी वागड - मेवा
भल - भल दबो करतार ।
धारा म्है गुण गास्या

टीवा निपजावा मोठ - वाजरी
डहरचा माय जवार
धारा म्है गुण गास्या

म्हार खातर मोठ - वाजरी
गाया - वैल्या - न जवार
धारा म्है गुण गास्या

मोती - वरगी वाजरी
कोडघाळी रे जवार
धारा म्है गुण गास्या

वाजरिया - री रोटी पोवा
मोठा केरी दाळ
धारा म्है गुण गास्या

दाळ 'र रोटी घावा बठघो
आगण सी परखार
धारा म्है गुण गास्या

मिसरी लागै वाजरी
इमरत लाग दाळ
थारा म्है गुण गास्या

मोठ - वाजरी वागड - मेवा
भल - भल दयो करतार ।
थारा म्है गुण गाम्या

रामूरी राजी अब होय गया

रामूरी राजी अब होय गया
मोटा ता मोटा धन - रामूरी
रामूरी राजी अब होय गया

गया - में ऊभा जिया वात्रगा
दगा - में दगम्पा जिया माट
रामूरी राजी अब होय गया

गाटा ता गाटी जिया वात्रगी
मोटा ता मोटा जिया ट मनोर
रामूरी राजी अब होय गया

ताम्नी - धरगो गुण अर टाटम्पा
वासरिया - में वाटरण
रामूरी राजी अब होय गया

जाता अ जाता जिया मूगण
सोया - सीया वाडधाळी जवार
रामूरी राजी अब होय गया

आमा तो सामा दाय टोयडा
बिद - में वासरिया ताव
रामूरी राजी अब होय गया

ताल विचाळि कड खिणायी
भरी हबोळा खाय
रामूडो राजी अब हाय गयो

टीवा - र ऊपर टीवडी
ज पर टापी घाल
राम राजी अब हाय गयो

मनड - रा चाया अब हो गया
धण - ढोलो करै अे मलार
रामूडा राजी अब होय गयो

मीजा तो करला धण - स्याम
राम राजी अब होय गयो

हो भगवान थारी माया

हा भगवान ! थारी माया !

जेक दिन छी म्हार टूटी टपरी
फट्या गुदडिया सारा
हो भगवान ! थारी माया !

चूला पाछ रीती हाडी
अन - रा जी पड रया सासा
हो भगवान ! थारी माया !

दूध दही तो घणा दुहेला,
छलिया - नै तरसाया
हो भगवान ! थारी माया !

ऊट - बल ता बटा दुहेला,
बकरचा - न तरसाया
हो भगवान ! थारी माया !

अब दीना म्हान मैल माळिया
सोड - पथरणा न्यारा
हो भगवान ! थारी माया !

दूध - दही म्हारै कूकर खावै
अन - धन भरया भखारा
हो भगवान । थारी माया ।

वीकाणै - रा मदवा गाजै
वैल वण्या नागोरया
हो भगवान । थारी माया ।

(६६)

कोया थार सार ।

वनवारी हो लाल ।
कोया थार सार
गिरधारी हो लाल ।
कोया थार सार

अ महल - माळिया थार
अ महल - माळिया थारै
थारी बरोवरी म्हे करा, स कोई,
टूटी टपनी म्हार
वनवारी हा लाल ।
कोया थारै सारै
गिरधारी हो लाल ।
कोया थार सार

अ काम - धेनवा थार
अ काम - धेनवा थार
थारी बरोवरी म्हे करा, स कोई,
भस - पाडडो म्हार
वनवारी हा लाल ।
कोया थारै सार
गिरधारी हो लाल ।
कोया थारै सार

अं हाथी - घोडा थार
अं हाथी - घोडा थारै
थारी वरोवरी म्हे करा, स काई,
ऊट - साडणी म्हारै
वनवारी हो लाल ।
कोया थारै सारै
गिरधारी हो लाल ।
कोया थारै सारै

अं भाला - वरछी थार
अं भाला - वरछी थारै
थारी वरोवरी म्हे करा, स काई,
जेळी - गडासो म्हारै
वनवारी हो लाल ।
कोया थारै सारै
गिरधारी हो लाल ।
कोया थार सारै

रतनागर सागर थारै
रतनागर सागर थारै
थारी वरोवरी म्हे करा, स कोइ,
ढाव भरचा है म्हार
वनवारी हो लाल,
कोया थारै सार
गिरधारी हो लाल ।
कोन्या थारै सारै

(७१)

मूमल

काळी र काळी काजळिये री रखडी
हा जी र काळादी काठल - म चमक वीजळी
म्हाजी वरसाळ री मूमल ! हाल नी अे आलीज - र देस

हायो मूमन माथडयो रे भट - मू
हा जी रे काडिया ता राळया मूमल केसडा
म्हाजी जुग - मीठी मूमल ! हाल नी जे रासील - र देस

मीसडला मूमल - रा संप नारेळ ज्य
हा जी रे केसडला माटेची - रा वामग नाग ज्यू
म्हाजी जुग वाल्ही मूमल ! हाल नी अे जमराण-र देस

नाडला मूमल - रा खाडडय - री धार ज्य
हाजी र बाखडया रग - मीनी री रतनाळिया
म्हाजी अमरत - भरी मूमल ! हाल नी अे आलीज र देस

होठटता मूमन - रा नेमिय - र तार ज्यू
हा जी र दातटला उजलदनी रा दाडम-वीज ज्यू
म्हाजी हरियाळी मूमन ! हाल नी जे रासील - र देस

पटडलो मूमल - रा पीपळिय - र पान ज्यू
हा जी रे होवडला हतियारी - रा मच ढाळिया
म्हाजी नाजुवडी मूमल ! हाल नी अे आलीज र देस

जाघडली मूमल - री देवळियै - रै थाम ज्यू
हा जी रे साथडली सपीठी, पीडी पातळी
म्हाजी माडेची मूमल ! हालै नी अे रासील-रै देस

जायी रे मूमल इयै लोद्रवाणै - रै देस-मे
हा जी रे माणी रे मूमल - नै राणै महदरै
म्हाजी जैमाणै-री मूमल ! हालै नी अे अमराणै-रै देस

(७२)

गाढो पेमलडो

गाढो पेमलडो गोरी-रै नणा चुय - चुय जाय
चुय - चुय जायै वाल्हो चुय - चुय जाय
गाढो पेमलडा गोरी रै नणा चुय चुय जाय

ओ कुण धण रा हिवडा - रो जिवडो
ओ कुण मनडा - र माय ?
गाढो पेमलडा गोरी - रै नणा चुय-चुय जाय

सासूजी-रो जायो म्हारो हिवडा रो जिवडो
गणदलवाई रो बीरा म्हार मनडा-र माय
गाढो पेमलडा गोरी र नैणा चुय - चुय जाय

ओ कुण धण - रै रखडी - रा मोती
ओ कुण विदली माथा माय
गाढो पेमलडो गोरी र नणा चुय - चुय जाय

सुसरजी - रो माती म्हार रखडी रो मोती
बाबोसा रा फून जवाई विदली माथा माय
गाढो पेमलडो गोरी - र नैणा चुय - चुय जाय

भा बुण घण - र नय - रा मोती
ओ मुण रे बाजूडा - री लूय
गाडो पैमलडो गोरी - र नैणा चुय - चुय जाय

त्रीरैजी रो फूव भणेंद्रं म्हारी नयली-रो मोनी
बाजूडा - री लूय म्हारो मुगरय म्याम
गाडो पैमलडो गोरी - र नैणा चुय - चुय जाय

(७३)

मरवण

धारी होना ! मरवण के नागी ?
क नागी जी होला ! के लागी ?
धारी होला ! मरवण के लागी ?

म्हारा भुमराजी - री भना
म्हारा सामूजी - री बायलडो
म्हारा साझा - री बैनड लागी
धारी होला ! मरवण के लागी ?

म्हारा बायासा - री ववडिया
म्हारी माऊमा - री ववडिया
म्हारा बनट भाया री भावजडी लागी
धारी होला ! मरवण के लागी ?

म्हारा घर-केरी लोय म्हारा आगणिया री सोभा
म्हारी चदा - वदन घण लागी
धारी होला ! मरवण के लागी ?

(७४)

विराट भावना

सुक्कर - का तारो रे ईसर । ऊगी रह्यो
तै - की मख टीकी घडाव

ध्रुव - की वादळ रे ईसर । तुलो रही
तै - की मख तहवाळ रगाव

सरग - की विजळी रे ईसर । कटकी रही
तै - की मख मगजी नगाव

नव लख तारा रे ईसर । चमकी रह्या
त - की मख अगिया सिमाव

चाद - सूरज रे ईसर । ऊगी रह्या
तै - की मख टीकी लगाव

वासुकी नाग रे ईसर । देखी रह्यो
तै - की मख वेणी गुथाव

वडी हठ - वाळी रे गवरल गोरडी

(८२)

पणिहारी

काळी अ कळायण अमटी अ पणिहारी अे लो
मोटोडी छाटा रो वरस मेह वाल्हा जो

भर नाडा भर नाडिया अे पणिहारी अे लो
भरियो भगिया समद-तळाव वाल्हा जो

विण जी खुणाया नाडा नाडिया अ पणिहारी अे लो
विण जो खुणाया तळाव वाल्हा जो

सुसरजी खुणाया नाडा नाडिया अे पणिहारी अे ला
पिवजी खुणायो तळाव वाल्हा जो

विण सू वधावो नाडा नाडिया अे पणिहारी अे लो
विण - सू वधावो तळाव वाल्हा जो

नारेळा वधावा नाडा नाडिया अ पणिहारी अे ला
मोतीडा वधावा तळाव वाल्हा जो

मात सहेल्या - र झूनर अ पणिहारी अे लो
पाणीड - न चाली रे तळाव वाल्हा जो

घटोय न डूत्र ताल - म अे पणिहारी अे ला
ईढोणी तिर तिर जाय वाल्हा जो

मानू रे महेल्या पाणी भर चली अे पणिहारी अे ला
पणिहारी रही र तळाव वाल्हा जो

ववतै ओठी नै हेलो मारियो ओ लजा ओठीडा अे लो
घडियो उखणावता जाय वाल्हा जो

ओरा - र वाजळ - टीकिया अे पणिहारी अे लो
थारोडा है फीका नैण वाल्हा जो

ओरा - रै आढण चूनडी अे पणिहारी अे लो
थारोडो मैलो-मो वेस वाल्हा जो

ओरा - रा पिवजी घर वसै ओ लजा ओठीडा अे लो
म्हारोडा वस परदेस वात्हा जो

वै है रे सासू थारै सावकी अे पणिहारी अे लो
वै थारो पीवरियो परदेस वाल्हा जो

नही रे सासू म्हारै सावकी आ लजा ओठीडा अे लो
नही म्हारो पीवरियो परदेस वाल्हा जो

घडो तो पटक दै नी ताल में अे पणिहारी अे लो
चालै नी ओठीडै - री लार वाल्हा जो

वाळू तो जाळ् थारी जीभडी ओ लजा ओठीडा अे लो
डस तनै काळा नाग वाल्हा जो

चालै तो घडा दू तन वाडलो अे पणिहारी अे लो
चालै तो नवसर हार वाल्हा जो

अहडा तो वाडलिया म्हार घर घणा रे लजा ओठीडा अे लो
खूटचा टग्या नवसर हार

हालै तो चिरा दू थार चूडलो अे पणिहारी अे लो
हालै तो दिखणी - गे चीर वात्हा जो

चूडलो चिरासे घण-रो सायबो रे लजा ओठीडा अे लो
ओढणियो ओढासे मा जायो वीर वाल्हा जो

घडो तो भर - न पाछी वळी अे पणिहारी अे ला
 आयी आयी पळमै - र वार वाल्हा जो
 घडो ता पटक द् ऊभी ताल - में अे पणिहारी अे ला
 वेगो रे घडिया उतराव वाल्हा जा
 किण थानै मामो मागियो अे म्हारा व्हूजी अे ला
 किण थान दीवो ँ गाळ वाल्हा जो
 अेक ओठी मन इमो मित्यो अे म्हारा सासजी अे लो
 पूछी म्हार मनडै - री वात वाल्हा जा
 देवरजी सरीमो डीघो पातळो अे म्हारा सासूजी अ लो
 नणदल - वार्डसा - रै उणियार वाल्हा जा
 ये तो व्हू ! भाळा घणा आ म्हारा व्हूजी अ ला
 ओ ता थारा - ही भरतार वाल्हा जा

(७६)

हरियाळो

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो व्ठीजै क्यू ?
यू म्हारा सायव । यू जी यू

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो वायीजै क्यू ?
यू म्हारा मायव । य जी यू

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो निनाणीज क्यू ?
यू म्हारा सायव । यू जी यू

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो रखाळीजै क्यू ?
यू म्हारा सायव । यू जी यू

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो चूटीज क्यू ?
यू म्हारा सायव । यू जी यू

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळा गाहीज क्यू ?
यू म्हारा सायव । यू जी यू

घडा ता भर - न पाछी वळी अ पणिहारी अ ला
 आयी आयी पळ्ळम - र धार वाल्हा जो
 घडो ता पटक दू ऊभी ताल म अे पणिहारी अे ला
 वेगा रे घडिया उतराव वाल्हा जा
 विण धान मोमा मागियो अे म्हारा व्हूजी अ लो
 विण धान शोयो छ गाळ वाल्हा जा
 अेक आटी मन इमा मिल्या अ म्हारा सामजी अे लो
 पूछी म्हारं मनड - री वात वाल्हा जा
 देवरजी सरीसा डीघा पातळा अ म्हारा सामूजी अ लो
 नणदल - वार्त्मा - रै उणियार वाल्हा जो
 ये ता व्हू ! मोळा घणा आ म्हारा व्हूजी अ ला
 आ ता धारा - ही भरतार वाल्हा जा

(७६)
हरियाळो

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो व्ठीजे क्यू ?
यू म्हारा सायव । यू जी यू

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो वायीजे क्यू ?
यू म्हारा सायव । य जी यू

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो निनाणीजे क्यू ?
यू म्हारा सायव । यू जी यू

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो रखाळीजे क्यू ?
यू म्हारा सायव । यू जी य

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो चूटीजे क्यू ?
यू म्हारा सायव । यू जी यू

गोरी म्हारी अे ।
हरियाळो गाहीजे क्यू ?
यू म्हारा सायव । यू जी यू

उठो वाई सा । डागळिय चढ जाय
कुण जी रे सिधाय्या, कुण जी र घर वस म्हारा राज ।
चढिया भावज । म्हाराडा वड वीर
धान तो सुगणी रा सायबो जी म्हारा राज ।

झेली जेेली सुदर गारी घोड - री लगाम
आसू तो रळकाया कायर मोर ज्यू जी म्हारा राज ।
लीनी लीनी हजा मारु हिवडै लगाय
आसूडा ता पूछ्या हरिय र्माल सू जी म्हारा राज ।
देवा नी सुदर गारी । हस हस सीख
साईना सिधाय्या छेती मे म्हे पड्या जी म्हारी नार ।
सीखडली हजा-मारु । दीवीय न जाय
छाती ता भरीज हिवडो उझळ जी म्हारा राज ।

(७८)

नीमडली

चाल्या पना-माए वीवाण - र दस हजारी ढाला ।
वीवाण रो गळिया ओ नीमडली झुक रही जी म्हारा राज ।
लाया पना-माए तुरर जी टाग हजारी ढोला ।
लाय उगायी जो चानग चौक म जी म्हारा राज ।
क्या रे बधावा नीमडली - री पाळ हजारी ढोला ।
क्या रे सिचावा अे हरिय रखनै जी म्हारा राज ।
गुड-घो बधावा नीमडली - री पाळ हजारी ढाना ।
दधा सिचावा जी हरिय रख न जी म्हारा राज ।
ऊगी नीमडली पान-दुपान हजारी टोला ।
ऊगनडी जुग मोहचा जी गोरी - रा सायवा जी म्हारा राज ।
मत कोई तोडो नीमडली - रा पान हजारी ढाला ।
मत ना मतावां जी हरिय रख न जी म्हारा राज ।
नणदलवाई तोड नीमडली - रा पान हजारी ढाला ।
देवरिया नग्राला जी तोड साटकी जी म्हारा राज ।
नणदलवाई - न सासरिय खिनाय हजारी ढाना ।
देवम-म खिना दधा जी राजाजी री नाकरी जी म्हारा राज ।
नणदलवाई सासरिय ना जाय हजारी ढाला ।
देवरियो नही जाव जी राजाजी री नाकरी जी म्हारा राज ।

नणदलवाई-न मातीडा रा हार हजारी ढाला ।
नेवर - नै परणावा जी म्हा - सू छोटी बनडी जी म्हारा राज ।

वऱ्या पना - माऱ् तखत विधाय हजारा ढोला ।
कागद जाया जी हाट राव रा जी म्हारा राज ।
कागद पना माऱ् । वाच सुणाय हजारी ढोला ।
काई र निया जी तारा कागदा जी म्हारा राज ।

कागद मिरगानणी । वाच्या यन जाय हजारी ढाला ।
छानी ता फाट जी हिबडा उझळ जी म्हारा राज ।
अवड - छेवड सात मिलाम म्हारी मिरगानणी ।
बीच निखी छ अ वारा वरसा री चाकरी जी म्हारा राज ।

ओळग थार वाबोजी न भज हजारी ढाला ।
जवक चामास जी राजन घर वसा जी म्हारा राज ।
वाऱ्जी - गी घण अे जाव वलाय म्हारी मिरगानणी ।
म्हार सरीसा जे कवर घाऱ् चढ जी म्हारा राज ।

ओळग थार वडाड वीरजी न भज हजारी ढाला ।
चतर चीमाम आ राजन । घर वसो जी म्हारा राज ।
वडाट वीर घर सात वरम री धीय म्हारी मिरगानणी ।
वै न परणाया जी ओळग व चऱै जी म्हारा राज ।

आळग थार विचल वीर जी न भज हजारा ढोला ।
जवऱ् चीमाम ओ राजन । घर वसा जी म्हारा राज ।
विचल वीर घर गोद झडूलो पत म्हारी मिरगानणी ।

ओळग थार ल्हाडिय वीर-न भेज हजारी ढोला ।
चतर चीमाम जी राजन । घर वसो जी म्हारा राज ।

ल्होडिये वीर घर नानकडी - सी नार म्हारी मिरगानणी ।
महल चढती अे मुदर । वा डरै जी म्हारा राज ।

ओळग थारै पाडोस्या नै भेज हजारी ढोला ।
अवकै चौमाम ओ राजन । घर वसो जी म्हारा राज ।
पाडोस्या-री धण । आम्ही-साम्ही पाळ म्हारी मिरगानणी ।
ऊठ सवारी ओ देवै जोळभा जी म्हारा राज ।

ओळग थारै भायलडा - नै भेज हजारी ढोला ।
चतर चौमास ओ राजन । घर वसो जी म्हारा राज ।
भायलडा - री धण । ऊदाखाटी नार म्हारी मिरगानणी ।
ऊठ सवारी जा झगडो वा कर जी म्हारा राज ।

ओळग थार हलीडा - नै भेज हजारी ढोला ।
अवकै चौमासै ओ राजन । घर वसो जी म्हारा राज ।

जे थे पना - मारू । ओळग जाय हजारी ढाला ।
वरज चढो ना जी वन - रा माग्या जी म्हारा राज ।
वन ग मोरला वरज्या ना जाय म्हारी मिरगानणी ।
इण रत वोल जी वन-रा मोरिया जी म्हारा राज ।

जे थे पना - मारू । आळा जाय हजारी ढाला ।
वरज चढो ना जी आभा वीजळी जी म्हारा राज ।
वीजळडी धण । वरजी ना जाय म्हारी मिरगानणी ।
इण रत चमक जो आभा वीजळी जी म्हारा राज ।

जे थे पना - मारू । ओळग जाय हजारी ढाना ।
वरज चढो नी पाटोमण - रा दीवळो जी म्हारा राज ।

दीवलडो घण ! वरज्यो ता जाय म्हारी मिरगानणी !
 वा - रा तो परण्या अे गारी ! घर वसै जी म्हारा राज !
 जे थे पना मारु ! ओळग जाय हजारी ढोला !
 विस - रा पियालो जी घण - नै दे चढा जी म्हारा राज !
 विस ग पियाला घण वरचा न पाय म्हारी मिरगानणी !
 थान पियाला जी काच दूध रो जी म्हारा राज !

डवडव भर जाया नैण हजारी ढोला !
 आसू तो राळै जी हरिय मोर ज्यू जी म्हारा राज !
 लीनी पना - मारु हिबडै लगाय हजारी ढोला !
 आसू तो पूछ्या जी पेच सू जी म्हारा राज !
 तू मत गारी घण ! बेदिल हाय म्हारी मिरगानणी !
 अवकै सिधावा ता साग ले चला जी म्हारा राज !
 झूठ पना - मारु ! झूठ न बोल हजारी ढोला !
 सदाई सिधावा जी कद यन ले चला जी म्हारा राज !

(७६)

ओळू

उची ता खिबे ढाला । वीजळी
नीची तो खिबे टै निवाण जी ढोला ।
ओ जी आ गोरी - रा लसकरिया ।
ओळडी लगायर कोठे चाल्या जी ढोला ।

विण थाने चाळा राज । चाळियाजी
विण थाने दीनी सुगणी सीख जी ढोला ।
माथीडा चाळा म्हान चाळिया जी
धीरजी दीनी म्हाने सीख अे गोरी ।
आ जी ओ गोरी - रा लसकरिया ।
ओळडी लगायर कोठे चाल्या जी ढाला ।

चढो अे तो राधा ढोला । लापसी
रहो अे तो जिनवा - रा भात जी ढोला ।
जीम चढाला गारी । नापमी
जाय तो जीमाला जिनवा रा भात अे गोरी ।
ओ जी ओ गोरी - रा लसकरिया ।
ओळडी लगायर कोठे चाल्या जी ढोला ।

चढो अे तो ढाळा ढोला । ढोलियो
रहो अे तो फुलडा - गी सेज जी ढोला ।

पौढ चढाला गारी ! ढोलियो
 आय तो पौढाला फुलडा - री सेज अे गोरी !
 ओ जी ओ गारी रा लसकरिया !
 ओळूडी लगायर कोठे चाल्या जी ढोला !

चढो न चढावा ढोला ! सिध करो
 वाहे तरसावो धण - रा जीव जी ढोला !
 जद पग मेल्यो ढोलै पागड
 डवडव भरिया छ नैण जी ढोला !
 आस् ता पूछ ढोला पेच-सू
 लीनी छ हिवड लगाय जी ढोला !
 ओ जी आ गोरी - रा लसकरिया !
 ओळूडी लगायर काठ चाल्या जी ढोला !

थारी तो ओळू ढोला ! म्हें करा
 म्हारी तो करयन कोय जी ढाला !
 म्हारी तो ओळू गारी ! व करा
 थारी तो करसी थारी माय अे गारी !
 ओ जी ओ गारी रा लसकरिया !
 ओळूडी लगायर काठ चाल्या जी ढाला !

ओ जी ओ गारी रा लसकरिया !
 धडो दोय लसकर थामो जी ढोला !
 म्हारा ता थाम्या नसकर गारी ! ना थम
 म्हार वावजी - रो थाम्यो थमसी अे गोरी !
 जा जी ओ गारी - रा
 ओळूडी लगायर व
 ढोला !

(८०)

मिरगो छोड गयो

मिरग विना मिरगी अेकनटी
मिरगो छोड गया वन खड माय मिरगी न अकलडी
मिरग - न दूढण मिरगी नीसरी
दूढयो दूढयो अे वन खड छाण
मिरगै विना मिरगी अेकनडी
मिरगा छोड गया वन खड माय मिरगी-न अकनटी
कटय न लाधयो जुलमी मिरगला
दूढचा दूढचा अे राण खमाण
मिरग विना मिरगी अेकलटी
मिरगो छोड गयो वन खड माय मिरगी-न अकनटी
दढत - दूढत मिरगी थक गयो
बै-री आग्या - मे आस् जाण
मिरग विना मिरगी अेकनटी
मिरगो छोड गया वन खड माय मिरगी-न अकनटी
खाय त्तिवाळो मिरगी दह पढी
काई ओ दुख सहचो यन जाय
मिरगै विना मिरगी अेकनटी
मिरगो छोड गयो वन-खड माय मिरगा-न अकनटी

(८२)

ओळू

म्हारा राजीडा री छिन छिन ओळू आव
जद म जाऊ राय रमोया माजन-री सुध जाव
कुण जीम मेरो राय रमोई कुण मेरो भाजन सरावै
म्हारा राजीडा री छिन छिन आळू आव

लय दाघड जद पणघट जाऊ माजन-री सुध आव
कुण झेलै मेरो सावन वळमो कुण मोय माट उठावै
म्हारा राजीडा-री छिन-छिन ओळू आवै

जद म जाऊ भूरी दुयवा साजन री सुध आव
कुण पकडै मेरो वाळी पाडी कुण मोय दूध दुबावै
म्हारा राजीडा री छिन छिन ओळू आव

जद मै जाऊ रग-री मड्या साजन री सुध आवै
कुण वूझ सुख दुख-री वतिया कुण हस हम वतळावै
म्हारा राजीडा री छिन छिन ओळू आवै

टपटप टपक नण दीरघडा हिवडो भर भर आव
म्हारा राजीडा री पळ पळ आळू आवै
म्हारा राजीडा-री छिन छिन आळू आव

(८३)

पीपळी

वाय चाल्या छा भवरजी पीपळी जी
हा जी ढाला । होय गयी घेर घुमेर
बसण री रत चाल्या चाकरी जी
ओ जी म्हारी सास सपूती रा पूत ।
मत ना सिधावा पूरव री चाकरी जी ।

परण चाल्या छा भवरजी गारडी जी
हा जी ढोला । हाय गयी जाध-जवान
विलसण री रत चाल्या चाकरी जी
ओ जी म्हारी लाल नणद रा ओ वीर ।
मत ना सिधावा पूरव री चाकरी जी ।

छाड चाल्या छा भवरजी वाठची जी
हा जी ढोला । होय गयी सुरही गाय
दूध पीवण री रत चाल्या चाकरी जी
ओ जी म्हारी सेजा रा सिणगार ।
मत ना सिधावो पूरव री चाकरी जी ।

कुण थारा घडला भवरजी । कस दिया जी
हा जी ढोला । कुण थान कस दिया जीण
कुणाजी र हुक्मा चाल्या चाकरी जी
ओ जी म्हार हिवड रा जिवडा ।
मत ना सिधावो पूरव री चाकरी जी

वडोडें वीरजी घुडला गोरी । कस दिया जी
हा अे गारी । साथीडा कस दिया जीण
वाचोसा-रें हुकमा चाल्या चाकरी जी
ओ जी थारी धण वरजें उमराव ।
मत ना सिधावा पूरव-री चाकरी जी ।

चरखा तो ले ल्यू भवरजी । रागलो जी
हा जी ढोला । पीढो लाल गुलाल
तकवा तो लेल्यू भवरजी । बीजळसार रो जी
आ जी म्हारा जोडी रा भरतार ।
पूणी मगा ल्यू जी क वीकानेर री जी

मोहर-मोहर री कानू भवरजी । कूडडी जी
हा जी ढोला । रोक रुपइय रो तार
ह कातू, थे बैठा विणज ला जी
आ जी मै ता अरज करू दिन-रात
मत ना सिधावो पूरव री चाकरी जी

गारी री कमाई खासी राडिया जी
हा अे गारी । कै गाधी क मणियार
म्हे छा वेटा साहूकार-रा जी
हा अे म्हारी घणी अे पियारी घर नाग ।
गोरी री कमाईम् पूरा ना पड जी

रोक रुपइया भवरजी । म वणू जी
हा जी ढोला । वण ज्याऊ पीळी पीळी म्दार
भीड पन् जद भवरजी । वरत ल्या जी
ओ जी म्हारी सास सपूती रा पूत ।
मत ना सिधावा पूरव-री चाकरी जी ।

(८६)

फागण फीका

फागण फीका अ सहल्या । अक स्याम विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसडो फीका लाग अे
साग फीका अेक लूण विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसडा फीको लाग अे
भात फीको जाणू खाड विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसटा फीको लाग अे
नण फीका वाजळ रेख विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसडो फीका लाग अे
हाय फीका जाण महदी विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसडा फीका लाग अे
चुडना फीका जाण वगडी विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इमडा फीरा लाग अे
सावण फीका हरियाळी विना
फागण फीका अे

स्याम विना फागण इसडो फीको लाग अे
वन फीका ज्यू मार विना
फागण फीको अे

फागण फीका अ सहेल्या ! अेक स्याम विना
फागण फीका अे

(८७)

सपनो

सपनो तो आया मरव-मुलखणो जी म्हारा राज
गुठ्ठो तो मोटयो गोरी रै पाव रो जी

सपन में देटप्रा भवरजी न आवता जी
कोई मायै पचरग अे जी अे पाग
वाधै सबज अे जी अे रुमाल
हाथा-में सीसी प्यालो प्रेम रा जी

भागण मोचडवा भवरजी-री मचकीजी
कोई, थळी टमकयो अे जी अे सेल
गोरी रै आगण खडका कुण कियो जी?

लीलडी वाधी भवरजी ठाण में जी
कोई, सेल धरयो धममाळ
आप पधारचा माम्जी मल मे जी

टग टग मला भवरजी चढ गया जी
कोई, खोला धण मजड किवाड
साकळ खोनो बीजळसार री जी

हाथ पकट भवर बटी करी जी
काई वूक्षी म्हार मनड री वात
अखिया निमाणी पापण खुन गयी जी

सपना रे वरी । तन मार दू जी
 कोई, थारी कतल अे जी अे कराय
 सुती तै ठग ली भवरजी-री गोरडी जी
 क्यानै अे गोरी घण । म्हानै मार दो जी
 कोई, क्यू म्हारी कतल अे जी अे कराय
 म्हे छा सपना ढळती रैण-रा जी
 सपना रे वरी । तै असी करी जी
 कोई, जसी करै ना अे जी अे कोय
 धोखै स छळ ली भवरजी री गोरडी जी
 म्हे छा सपना सरख सुलखणा जी
 काई विछड्या-नै देवा अे जी अे मिलाय
 म्हे छा सपना ढळती रैण-रा जी

मारो कागलिया र तीर

मारा अे रतनादे दासी ! कागलिया रै तीर

नित - नित आय कएक म्हारी
नीमडली क बीच

मारो जे रतनादे दासी कागलिया- रै तीर

कदेय न आव सायवा मेरा

कदेय न आव वीर

मारा अे रतनादे दासी ! कागलिया रै तीर

क्यू उहकाव मनडो म्हारा

क्यू तरसाव जोव

मारो जे रतनादे दासी ! कागलिया र तीर

जलालो

सइया मोरी अे ।

आयोडा सुणीजै अे जलालो देस मे
अन चमक्या अे चारे-ज देस
सइया मोरी अे ।

आयोड-रा लेसा अे जलाल रा वारणा
अन मोतीडा सू लेसा जे वधाय
सइया मोरी अे ।

आयोडो सुणीजै अे जलालो तालरै
अन शीणोडी अे ऊड गुलाल
सइया मोरी अे ।

आयोडो सुणीजै अे जलाला डूगर
अन वोल्या अे शीणा मोर
सइया मोरी अे ।

आयोडो सुणीजै अे जलालो वाग मे
अन पकिया अे दाडम दाख
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीज जलालो वावडघा
अन निरख रही जे पणिहार
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीज जलाला चौवटै
अन डूम करै सुभराज
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीजै जलालो प्रोळ-मे
अन प्रोळिया । प्रोळ उघाड
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीज जलालो आगण
अन दूधे वूठा मेह
सइया मोरी अे ।

वाकडली मूछा रा जलालो मन मेल द
अन हिवड सू लेवा लगाय
सइया मोरी अे ।

पटिया पेचाळो जलालो मनै मेल द
अन नेवडा - सू लेवा समयाय
सइया मोरी अे ।

जलालो

सइया मोरी अे ।

आयोडो सुणीजै अे जलालो देस मे
अन चमक्या अे चारेज देस
सइया मारी अे ।

आयोड रा लेसा जे जलाल रा वारणा
अन मोतीडा सू लेसा अे वधाय
सइया मोरी अे ।

आयोडो सुणीज अे जलाला तालर
अन झीणाडी अे ऊड गुलाल
सइया मोरी अे ।

आयोडो सुणीजै अे जलालो डूगर
अन वोल्या अे झीणा मोर
सइया मारी अे ।

आयोडो सुणीजै जे जलालो वाग म
अन पकिया अे दाडम दाख
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीज जलालो वावडघा
अन निरख रही अे पणिहार
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीज जलालो चौवटै
अन डूम करै सुभराज
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीजै जलाला प्रोळ-मे
अन प्रोळिया । प्रोळ उघाड
सइया मोरी अे ।

आयोडो अे सुणीज जलालो आगण
अन दूधे वूठा मेह
सइया मोरी अे ।

वाकडली मूछा-गे जलाला मन मेल दै
अन हिवडै सू लेवा लगाय
सइया मोरी अे ।

पटिया पेचाळो जलालो मन मेल दै
अन नेवडा - सू लेवा समचाय
सइया मोरी अे ।

७

विनोद और व्यग-रा गीत

(६१)

वनो म्हारो असल गवार

वनो म्हारा असल गवार
वनी म्हारी चातर सा जी चातर सा ।

वना राय-रसोया जाय क
उकडू बठा सा जी बँठा सा ।
वना म्हारो असल गवार
वनी म्हारी चातर सा जी चातर सा ।

जद म्हे थाळ लगाय
खीर अक पुरमी सा जी पुरसी सा ।
वनै लियो सवडको मार
राव आ मीठी सा जी मीठी सा ।
वनो म्हारो असल गवार
वनी म्हारी चातर सा जी चातर सा ।

जद म्हे थाळ लगाय
सीरो अक पुरम्यो सा जी पुरम्या सा ।
वन लिया गास दोय-च्यार
खीचडो चोखो सा जी चाखो सा ।
वनो म्हारो असल गवार
वनी म्हारी चातर सा जी चातर सा ।

(६३)

माणीगर-रो घाटी-मे

म्हारा महल डूगर रै ऊपर
माणीगर रो घाटी में
म्हारो महल पथर-सू चिणियो
माणीगर रो माटी में

म्हारा महल-री ऊची चोटी
चाटी पर आभा बठचो
ढाला-रै गढ-री नीची चोटी
चोटी पर वादर बठयो

म्हारा गढ-र वावन मोरी
मोरी - मोरी पर पहरा
मारुजी र गढ र वावन मोखा
मोखा मोखा घुडसाळा

समद बुरज पर मारुणी बठी
तात पाणी पग घोवै
नीचै झुक क देखण लागी
मारुजी मडवा पोव

समद-बुरज पर मारुणी बठी
दूध पतामा पोव

नीचें घुब-यें देग्रण लागी
मारुजी रावड पीव

उची हो-यें हेलो दीयो
अवलडा वे यावो छो ?

म्हानें देग्र 'र लुक्वा चाल्या
म बोली—वित जावो छा ?

म्हानें गडगड हासी आव
मारुजी प्पळ भरिया

(६५)

मागण हो सो माग

मागण का दिन आज वाई !
मागण हो सो माग जी
वीर - न मत कहियो वाई !
मरा दिल दरियाव जी

मागण को दिन आज वाई !
मागण हाय सा माग न्यौ
गैणा मत ना मागा वाई !
डब्ब का सिणगार जी
गणा मायलो काटा देस्या
मोती लेस्या काढ जी

मागण - का दिन आज वाई !
मागण हाय ना माग जी
रिपिया मत ना मागा वाई !
दली - का सिणगार जी
रिपिया मायलो टक्को देस्या
पीसा लस्या काढ जी

मागण का दिन आज वाई !
मागण होय सा माग त्या

कपडा मत ना मागो वाई !
बुगचै को सिणगार जी
कपडा मायली आगी देस्या
टुक्की लेस्या काढ जी

मागण - को दिन आज वाई !
मागण होय सो माग जी
वरतण मत ना मागो वाई !
चौकै - को सिणगार जी
वरतण मायली चमची देस्या
झावो लेस्या काढ जी !

मागण - को दिन आज वाई !
मागण - होय सो माग ल्यो

८

देश-प्रेम और वीरता-रा गीत

(६६)

वाल्हो लागै छ म्हारो देसडो

वाल्हा लागै छै म्हारो देसडो अे लो
केम कर जाऊ परदेस वाल्हा जो

ऊचा-ऊचा राणैजी - रा गोखडा अे लो
नीचै म्हारै पीछोळ - री पाळ वाल्हा जा

वादळ छाया देस - मे अे ला
नदिया नीर हिलोहिल रे वाल्हा जो

वादळ चमकै वीजळी अे लो
चमक-चमक झड लाय वाल्हा जो

सरवर पाणीडै न म गयी अे लो
भीजै म्हारै साळूड-री कोर वाल्हा जो

वाल्हो लागै छै म्हारो देसडो अे लो
केम-कर जाऊ परदेस वाल्हा जो

सूरा ओ रण में जूझिया

सूरा ओ रण में जूझिया

हयाया बठा ओ दादाजी वरज रहघा
बेटा ! मती जावो रे राड

सूरा ओ रण में जूझिया

जाया ! ओछी ऊमर गाली बैस में
सूरा ! क्यूकर ढाबोला तरवार ?
सूरा ओ रण में जूझिया

दादाजी ! पाछा फिरा ता म्हारो कुळ लाज
लाजै म्हारो माता वाई रो थान
सूरा ओ रण में जूझिया

सूरा भाला राळया जी वाळू गेत म
सूरा वरछघा - री वाजी घमरोळ
सूरा ओ रण में जूझिया

सूरा गाडी वाळी जी झीणी रेत में
सूरा नम-नम वाही तरवार
सूरा ओ रण में जूझिया

सूरा झाडवा-व्याडवा व्हैगी देवळचा
सूरा मैला - मैला व्हैगी राट
मूरा आ रण-मे जूविया

सूरा सीस पडचा औ घड तडपिया
सूरा रगता-रा मान्या खोखाळ
सूरा ओ रण मे जूविया

सती माता

कठा रा वाजा वाजिया
हरजी - सू हेत लग्या
कठा - रा घुरिया है निसाण
हरजी सू हेत लग्यो

केरपुरा - रा वाजा वाजिया
हरजी - सू हेत लग्यो
राणी मा सती रा घुरिया निसाण
हरजी - सू हेत लग्या

घाभाईजी - न बेग बुलाय
हरजी सू हेत लग्यो
म्हारा बनजी-नै सपाडा कराय
हरजी - सू हेत लग्यो

दरजी क-नै वग बुलाय
हरजी - सू हेत लग्यो
राणी मा सती रा पोसाक सीमाय
हरजी - सू हेत लग्यो

सोनीडा - नै बेग बुलाय
हरजी - सू हेत लग्यो

राणी मा सती-रै गैणो पराय
 हरजी - सू हेत लग्यो
 क्यूवर छोडघा मेडी-ओवरा
 हरजी - सू हेत लग्यो
 राणी ! क्यूवर छोडघा रगमैल
 हरजी - सू हेत लग्यो
 हस-हस छोडघा मेडी-गाखडा
 हरजी - सू हेत लग्यो
 मुळकत छोडघा रगमैल
 हरजी - सू हेत लग्या
 दूध सीळावत दाविया
 हरजी - सू हेत लग्यो
 वाया ! क्यूवर डोवोला आग
 हरजी - सू हेत लग्यो
 ज्यू जळ डायो माछळी
 हरजी - सू हेत लग्यो
 वाया ! ज्यू ई डोवूला आग
 हरजी - सू हेत लग्यो
 या गावा रै गोरवै
 हरजी - सू हेत लग्या
 लवी वधी खजूर
 हरजी - सू हेत लग्या
 जा चढ सती माता जोवियो
 हरजी - सू हेत लग्यो
 वाया ! सरग नेडा घर दूर
 हरजी - सू हेत लग्यो

राजा अजीतसिंह जी राकुळ व्हू
हरजी - सू हेत लग्यो
राजा भीमसिंहजी-रा धीय
हरजी - सू हेत लग्यो
तारघो तारघो पीवर सामरो
हरजी सू हेत लग्या
तारघो है माय मोसाळ
तारघा है माय मासाळ
हरजी - सू हेत लग्या

(६६)

गोरा ! हट जा

आछा गोरा ! हट जा
राज भरतपुर - को रे गोरा ! हट जा
भरतपुर गढ वाको
किला रे वाको रे गोरा ! हट जा
तू मत जाणे रे लडै रे बेटो जाट-को
ओ कवर लड रे राजा जसरथ - को रे
गोरा ! हट जा
गढ रे ऊभा रे म्हारा वावन भैरू
कागरा ऊभी रे चोसठ जोगनिया रे
गोरा ! हट जा
चकर चलावला म्हारा वावन भैरू
खप्पर भरला म्हारी जोगनिया रे
गोरा ! हट जा
आछा गोरा ! हट जा
राज भरतपुर को रे गोरा ! हट जा

(१००)

थान रग सौ कूप नरेस ।

कूपा राजा । कोटा-गढा रे किवाड
ओ थानै रग सौ कूप नरेस ।

दिखणी आया सज दळा प्रथी भरावण पस
कूपा । ता विन कुण कर म्हागी मदत महेस ।
कूपा राजा । कोटा गढा रे किवाड
जो थान रग सौ कूप नरेस ।

सुख महला नह सोवणो, भार न झल्ल सेस
ता ऊभा दळपत-तणा । मुरघर जाय महेस ।
कूपा राजा कोटा-गढा रे किवाड
जो थान रग सौ कूपा नरेस ।

विदा हुवा ब्रजपाळसू, कीनी अरज महेस
जोव् जब लग जाणजो वदेयन भिल्लमी देस
कूपा राजा । कोटा गढा र किवाड
जा थान रग सौ कूप नरेस ।

जानीवामा मेडत माओ दिखणी देस
दळ दिखणी रे उपग वणियो वीद महेस
कूपा राजा । कोटा-गढा रे किवाड
आ थान रग सौ कूप नरेस ।

महेस कहै सुण मेडता, साची साख भरेस
कुण भिडसी, कुण भागसी, देखँ जिसे कहैस
कूपा राजा । कोटा-गढा रे किवाड
ओ थान रग सौ कूप नरेस ।

कूपे वाही कोप कर तोषा में तरवार
डीवोई नै मारता गयी सतार वात
कूपा राजा । कोटा-गढा रे किवाड
ओ थान रग सौ कूप नरेस ।

दूजा ज्यू भागो नही, दाग न लाग्यो देस
वागा - खागा वाकडो महि वाका माहेस
कूपा राजा । कोटा गढा रे किवाड
ओ थान रग सौ कूप नरेस ।

पग जडिया पाताळिया, अडिया भुज अमरेस
सन झडिया तरवारिया मुडिया नही महेस
कूपा राजा । कोटा-गढा रे किवाड
ओ थान रग सौ कूप नरेस ।

लूटी म्हागी लदी कतारा, लूट्या नी लख माल
म्हारी धराम हिन्या डगजी, लूटलूट क खाय
अवक ता प्र लूटी कतारा, जब लूटगो हेली
आसामी ठम पडगी, हागी रुपिया की धेली
सेठा लिम्ब परवाना भेज्या वडै सा'व नै देणा
डूगसिध म्हारै लार पडग्या पकड कैद कर लेणा
आरेजा न खपर पडी जद चढगी फौजा च्यार
रात रात की करी मजल ब पूची सीकर माय
मीकर-रा परतार्पसिध ! म्हान डूग हार पकडाय
म्हारा लाग भाई भतीजा, पकडाय ना जाय
झडवास म पठा डूगजी माल गोठ का खाय
मीकर हू व चाली फाजा, झडवास म जायी
जाम पास खडवा सिपाही घेरा दियो लगायी
झडवासै-का भर्त्सिध ! तू झट दे वायर आव
क पम्डा द डूग हार, नहि धरा कद क माय
गळो वधा मत करो, कोई, ना गळव का काम
जीजो लाग डूगजी म म हाथा दू पकडाय
मोरझडी की दारू कढाव, आगण भटी तुडाव
दारू पायर कर बावलो मेडी माय चढाव
च्यार फिरगी जोट बठचा च्यार चढ गया मेडी
डूगसिध न मूता पकडचा, पगा ठोक दी बटी
हाथा घाली हथकडी रे ! गळ म ताख-जजीर
आख खुली जद डूग न्हार गो हुयो घणो दिलगीर
प्रडवड चाव आगळी, वो कटकड चाबै जाड
नण जगै ज्यू दीवला, ज्या की सवा हाथ की नाड
जद यू बोत्या डूगसिध, थे सुण ल्यो फिरग्या ! वात
फिट फिट थारी जामणवाळी, फिटफिट थारो वाप

आठ गादडा मिल थ आया, करघो सिंघ-सू घात
सूत सिंघ-न धोखै पकडचो फिट-फिट थारी जात
मेरी अकेली जान है, रे ! थारै पळटण साथ
अंकर ढीलो छोड द्यो, थानै फेर दिखाऊ हाथ
भरुसिंघ न भली विचारी, भलो निभाया मेळ
आछी करी जुवारी मेरी, भलो दियो नारैळ
दुनिया म त नाथ कढायो, मूढो हुयग्यो काळो
भाण भनेई कै लागै, तू दगावाज को साळो

डूग हार-नै पकडकर वा पीजस दियो विठाय
आगरै कै लाल किलै-म दीनू छै पूचाय
कपनी - सा' निरखण-नै आयो, राघड वडो हुस्यार
भळ भळ ता मायो कर, नैणा जळै मुसाल
इसडो राघड अंक है, रे ! जे होव दो च्यार
मार-मार फिरग्या न कर दै कळकत्त-कै पार
दा वोतल दारू-की पीव, पका पेटिया च्यार
भन भल या जायो ठकराणी न्हारा हदा न्हार
लाल किलै क मायनै डूग हार रख लेणा
हुकम नही छ काळ पाणी, नजर-कद कर देणा

(४)

सीकर हूतो चढचो ज्वारसिंघ, गढ वठोठ-म जाया
लोठघो जाट, करणियो मीणो दानू सागै नाया
स होळी-नै ढळी जाजमा, होय रही मतवाळ
वोतल ता जग जग कर, कोड, प्याला तर पुकार
'तू पी तू पी' हा रही, काड कर घणी मनवार

राणी वायर नीसरी जद वान पडी भणकार
ऊभी मसलो मारियो, थारी दारू-मै धिरकार
क्यान वाधो सीस पाघडी, क्यान वाधो मूत ?
सागो काको पड्यो कैद-म, क्यो वाजो रजपूत ?

मत ना, अे राणी ! मसलो मारो, मत ना काढो सेल
जैपर मिली, जोधपर मिलगी, मिलगी वीकानेर
दोय पगा नै जागा कोनी भाई होग्या लर

हाथा का हथियार सूप दो, चूडी लाख-की पैरा
धोतो-जाडा उरा सूप दो, पगा घाघरी पैरा
पडै भीतर लुक्कर बठो, नणा कजळो घाल
मेरै कथ-की वेडी काटू म तिरिया की जात

ताजण लाग्या ताजणा स मरदा क खटक्या बाल
रजपूता कै रग चढ्यो स व टुळक्या वायर लोग
पाच पान-को बीडा फेरयो ज्वारसिध सरदार
क्या चढायो तंजरा, कइयारै चढगी ताप
सारा नटग्या भाई भतीजा, सब नटग्या उमराव
वाकडतै बीड नै झेल्यो अेक लोटिय जाट

पकी सेर व गेरु गाळी, करियो भगवा भेस
कर मुजरो वा चल्यो आगर, राम राखसी टेक
आगर नै चल्यो लोटियो, ज्यू लका हडमान
कै ल्यावलो खबर डूग-की, कै त्यागलो प्राण

(५)

आगर-कै वधवा आगै घूणी घाली सात
जेवड छेवड बळ बळीता, बीच लोटिया जाट

मार पलाखी मीट लगावै, करै गजव-का फँल
 लोग दिखाऊ अन-जळ ताग्यो, अेक भखँ वस पून
 आयै-गय मू मुख ना बोलै, अैसी धारी मून
 छव महिना की लायी समाधी, खूब तप्यो दिन-रात
 छठै महीन लागता अगरेजा बूझी वात
 कुण देसा-हू आया, वावाजी ! कुण देसा न जाव ?
 पाच पचीस ये लेत्या, वावा ! धूणी पर हटाव
 हुकम नही छ वड साँव का डवल कूच कर जाव
 पाच पचीस वै लेसी, वच्चा ! ज्या-क है घर वार
 साधू भूखा भाव का, म्हाः ना माया सू काम
 माग्या खावा टूफडा म्हे रटा राम-बो नाम
 आवूजी-हू आया उत्तर म्हे गगा न्हावण जावा
 थारै किलै म हार डूगजी, ब-रा दरमण पावा
 घाय कायरी फिरगी बोल्यो, सुणा, सतरवा ! वात
 अै मोडा तो कपटी कोनी, नाय कपट की घात
 आ साधा-को जिवडो भटकै, मेळा दयो करवाय
 डूगसिध कठीवध चलो, आ नै देवो दिखाय
 च्यार सिपाही आग होवो, च्यार सिपाही लार
 जोरी-जपती करै मोड तो धरो कद कँ माय
 च्यार सिपाही आगै होम्या, च्यार सिपाही लार
 लोटयो जाट, करणियो मीणो, करै किलै-की सैल
 फिर घिर देखी चारदिवारी, नाय लगायी देर
 फाटक मोरी निजरा काढ्या, लियो किलै-बो भेद
 जद वधवा-की गयो बुरज म, मन-मै भयो खुस्त्याल
 अेवड छेवड सित्तर बघवा, बीच डूग सिरदार
 सुरत पिछाणी जाट-की जद नैणा खळकयो नीर
 छातो भरो, हीवडो उन्नळयो, छुटयो डूग को धीर

रग रे धारी जात लाटिया । भला जाटणी जायो ।
 आ मरवा की घडी वाजगी, भला भेख सू आयो
 कवरा माथे हाथ फेरज्या, राणी-न हिवळास
 भाई-भतीजा-न मुजरा कहज्यो, माजी नै घणा सिलाम
 जुवारसिघ-नै यू समझायो, घर-की वरै सभाळ
 जीवागा तो फेर मिलागा, ना दरगा-के माय
 जुवारसिघ-नै छाने-सी धे दीज्यो खबर सुणाय
 सात दिना की बोली दोनी वाळ पाणी ले जाय

वायर - छाती वा डगजी । तू वायरता मत लाव
 सात दिना-न भीतर थाने घर ल ज्याऊ छुडाय
 वध वाटण को करघो लाटिय डूग न्हार-हू ठीर
 धीर धावना वधा डूग-नै ली आवण-की सीख

लाल किल हू नीसरता वा
 लोटयो भाळै मोरचा वाइ करण्या तक सफील
 आधी रात पहर-को तडवो जाग्या धूणी ठायी
 भगवा ले जमना म फेंक्या, त्वा दिया तिरायी
 जसी रिप्या में सियो टोडडा, हाल्या रातू रात
 गढ बैठाठ-वै आया गरव ऊगतड परभात

(६)

लाटय ता मुजरा करघा म वै करण्य राज-जुहार
 साम उठकर मुजरो झेल्यो ज्वारसिघ सिरदार
 तू गयो लोट्या । आगर स काइ व्हो सहर - की बात
 के कहू, म्हारा रावजी । कोरू म्हा-सू कह्या न जाय
 डूग हार-नै देख'र आया लाल किल-क माय
 इ जीणै-सू मरणो चाखो, बुरा वद को वाम

हाथा म ता पडी हथकडी, बडी पावा माय
 गळ मै ताख-जजीर पडी हे, बद पीजर माय
 सात दिना की बोली लिख दी, काळ पाणी ले ज्याय
 मिलणा हू व तो मिलो रावजी !, फेर मिलण-का नाय

इतणी वाता उडी कचेडघा, गयी रावळा माय
 राणी रोवग लागी स वा रग महल क माय
 कवर रावण लाग्या स व भरी कचडी माय
 मत रोवा, मत रुदन करे, काळ, मत ना हुवो उदास

रात-रात परवाना भेज्या भाई भतीजा पास
 सेखावत वीदावत चढिया, चढिया तवर पवार
 अटतिया भेडतिया चढिया, चढया नरुका साथ
 च्यार उट गुसाया-का चढिया, दादूपयी साथ

झूठी मूठी जान वणा लो झूठा जान को वीन
 चुग-चुग करला कूची भाडो, चुग-चुग घुडला जीण
 आपा तो जानेती वण ल्या, वीन वणै भापाळ
 दोय जणा जागडिया वणक सिंधू दयी अरसाळ
 हाथा पगा-कै वाधा डोरडा, मिर साना-का माड
 काना घाला मामा-मुरकी, गळ म घालो गाय
 लाल चोभण मामा-मोचा, लाल बनारी जाडो
 लाल पाघडी रातो वागो, रातै महिय चाडो

हाथा-का हथियार ले लिया, खावा को सामान
 जान वणाय र चल्या जागर, हर राखलो मान
 रात रात वै चलै जनेती दिन ऊग्या ठम जाय
 आगर-कै तीन कोम पर डेर दिया लगाय

रग रे धारी जात लाटिया ! भला जाटणी जायो !
 आ भरवा की घडी वाजगी, भलो भेख सू आयो
 कवरा माथे हाथ फेरज्या, राणी-न हिवळास
 माई-मतीजा-नै मुजरा कहज्यो, माजी न घणा सिलाम
 जुवारसिध-न यू समझायो, घर की करै सभाळ
 जोवागा तो फेर मिलागा ना दरगा-के माय
 जुवारसिध-नै छानै-सी थे दीज्यो खबर सुणाय
 सात दिना की बोली दीनी काळै पाणी ले जाय

कायर छाती-का डगजी ! तू कायरता मत लाव
 सात दिना-क भीतर धान घर ले ज्याऊ छुडाय
 वध काटण को करघो लोटिय डूग हार हू ठीक
 धीर धावना वधा डूग न ली आवण-की सीख

लाल किल हू नीमरता वा
 लोटघो भाळै मोरचा काइ करण्या तक सपीन
 आधो रात पहर को तडको जोग्या धूणी 'ठायी
 भगवा ले जमना म फक्या, तूवा दिया तिरायी
 असी रिप्या में लिया टाडडो, हात्या रातू रात
 गढ वठीठ-क आया गरव ऊगतड परभात

(६)

लाटघै ता मुजरा करघा स वै करण्य राज जुहार
 साम उठकर मुजरा झेल्यो ज्वारसिध सिरदार
 तू गयो लोटया ! आगरै स कोइ, कहो सहर-की बात
 के कहू, म्हारा रावजी ! कोइ, म्हा-सू कहयो न जाय
 डूग हार-न देख'र आया लाल किल-क माय
 ई जीण-स मरणो चोखो, वुरो कद को काम

हाथा म ता पडी हथकडी, बडी पावा माय
 गळ मै तोख-जजीर पडी है, बद पीजरै माय
 सात दिना-की वाली लिख दी, काळ पाणी ले ज्याय
 मिलणो हूँ तो मिलो रावजी !, फेर मित्रण-का नाय

इतणी वाता उडी कचेड्या, गयी रावळा माय
 राणी रोवण लागी म वा रग महल क माय
 कवर रावण लाग्या स व भरी कचेडी माय
 मत रोवा मत रुदन करा कीड मत ना हूँ उदास

रात रात परवाना भेज्या भाई भतीजा पास
 सेपावत वीदावत चढिया, चढिया तवर पवार
 अडेतिा मेडतिा चढिया चढ्या नरुका साथ
 च्यार उट गुसाया-का चढिया, दादूपथी साथ

झूठी मूठी जान वणा लो, झूठो जान को वीन
 चुग चुग करला कूची माटा, चुग चुग घुडला जीण
 आपा ता जानती वण ल्या, वीन वण भोपाळ
 दोय जणा जागडिया वणकै सिधू दंगी अरसाळ
 हाथा पगा-क वाधो डागडा, सिर साना-का मोड
 काना घालो मामा मुरकी, गळ म घाला गाय
 लाल चोभण मामा मोचा, लाल कनारी जाडो
 लाल पाधडी, रातो वागो, रातै महिय चोडो

हाथा का हथियार ले लिया, चावा को सामान
 जान वणाय'र चल्या जागर, हर राखेलो मान
 रात-रात व चलै जनेती, दिन ऊग्या ठम जाय
 आगर-कै तीन वीस पर डेरा दिया लगाय

जमनाजी क वाव डावै रेवड चरतो जाय
निजर पडी करण्य मीण की, जद यू बोत्यो जाय
हुकम करो तो सिरदारा । म मीडा ल्याऊ उठाय

हुकम चल छ अगरेजा को जोरी जपती नाय
यो अगरेजी राज हे स थे जा ल्यावोला 'ठाय
बध्या बध्या घोडा मर ज्यागा बध्या बध्या उमराव
गूजरकै नै राजी कर थे ल्यावा दोय र च्यार

मयींसिघजी गूजर का बेटा । कह मीड को माल
कितना रिपिया दया मीड का, वेगो मुख-सू बाल
क मीड का माजनो, स कोइ, कै मीड की जात ?
थे परदेसी पावणा, स कोइ, फिरो न दूजी वार
म्हाग माटो भाग छ स थे मीडो माग्यो आय
मीडा थे ले ज्यावो ठाकरा । मिजमानी-क माय

थे छा गूजर पालती, रे । म्हे वाजा उमराव
सतमेंत मे मीडो खाया लाज म्हागो नाव
गूजर माग्या पाच रिपिया वी पकडाया सात
गूजरक न राजी करक मीडो लाया टाळ

दे झटका अर तोड खाजन् मुडदो लिया वणाय
च्यार लाकडी ताडकै, स काइ, अरथी लयी वणाय
चाकर चरवादार न स कोइ, भदर दिया कराय
गाजा वाजा वद करवा, कोइ, लियो सोग-का नाव
च्यार जणा र काध चढियो मीडासिघ सिरदार
आग - जाग मुडदो चालै, लैरा जान - वरात
सव मू आग वाल्यो नाई वार घालतो जाय

कपनी - सा'-कै वाग में वा अरथी दयी उतार
 अन्नण चन्नण चिता चिणायी, नारेळा में दाग
 आरवार फिर जाट लोटिय लापो दियो लगाय
 धूवै को जद डूड ऊपडचो, काप्यो कपनी साय
 वाडै घोड चढक आयी, गुरजण कुत्ती लार
 बुरी करी, रे जानेत्या । ये मुडदो दियो जळाय
 मुडदो-मुडदो मत करो स यो सगळा-ना सिरदाग
 अक्क मुडदो क दियो स तो वाजैगी तरवार
 ऊचै कुळ-को राजवो, कोड, वावन गढा-का राव
 सागी वीन-को मामो मरग्यो मीडासिध सरदार
 जोरजी वीदावत बोल्यो, हुयी और मू और
 लाखा को पट्टायत मरग्यो, नही राम सू जोर
 खाय कायरी फिरगी बोल्यो, नही मरय-की बूटी
 तीन घडी-को तेयो कर दचो, वारा घडी-की वाटी
 तेरा घडी को तेरो करकै मेलो घोडा काठी
 तीन दिना-को करा तीसरो, वारा दिन-की वाटी
 तेरा दिन को तेरो करकै मेला घोडा काठी
 फिरगी ता पाछो फिरचो, स कोड, करी न ज्यादा वात
 नाय भरोसा, के करै, स कोड, या राघड की जात

(८)

वाज्या ढोल, तासळा खुडक्या, पढचो ताजिया घाव
 फिरगी चढग्यो ताजिया स मरदा-का लाग्या डाव
 लोटव जाट करणियै मीण माताजी न ध्यायी
 दोय घडी-कै मायने वा नीसरणी रे लगायी
 छटवा-छटवा कूद पड्या व लाल किलै-क माय
 लरा लैरा वग करणियो, आगै लाटचो जाय
 बोलै छ तो बोल डूगजी । देवा बेडी काट

बायी वुरज म बोल्या डूगजी जाण धडूक्यो हार
 म्हारी वेडी काट्या, लोटिया । ता निमरंगो नाव
 म्हारी वध-मे सित्तर वधवा वाकी पली काट
 वकी राव वैन भाणजी, वंकी रोव माय
 वध म बैठयो कहै डूगजी सुण रे लाट्या जाट ।
 पैता तो वधवाकी काटा पाछ म्हारी काट
 वं जाणगा सित्तर वधवा, व जाणगा लाग
 डूग हार यो यू भागा ज्यू नीकळ भागो चार
 वुरज ताडकर वायर वाढा वधवा अेक साथ
 दो दिन म मर ज्यावा लाटिया । दुनी वरगी बात

जे फिरगी नै घरा पड ज्या, पाछो वो फिर ज्याय
 तोप मुहाणी म्हान चाढै, रहा वदक माय

इतणी सुणकै डूगजी म वो बोल्या वड्या वैन
 ई मूड को घणी लोटिया । म्हान आयो लण ?
 मरण-मू जे डरै, लाटिया । तोपा-का भै खाय
 तेगो तेरो करे म्यान-म प्ठा घर-न जाय

इतणी बात सुणी जद लोट्य तन मन लागी लाय
 छिणी-ह्थाडा लेय लाटियो पडयो वडकडी खाय
 छिणिया तो सिणमिण चल सपक ह्थाडा साथ
 अेक घडा म काढ्या लोटिय वधवा पूरा साठ
 सित्तर वधवा काढिया जद गया डूग-नै पास
 अब के का छौ ? रावजी । थारी पूरण होगी आस ?

लोट्य ताडयो पीजरो रे । करण्य काटी वेडी
 हाथ पकड वायर वरयो, काइ वो वधवा को हेडी

घोड़ी म्हारी उरी सांप दचो, घाडो दचो पकडाय
ढूढ-ढूढ मै फिरगी मारु, लेव् वदळा काढ

वधव आगै वधवो चाल्या सगळा साग ऊठ
चोइस वधवा साथै उळटवा, नीसरणी गयी टूट
नीसरणी तो दगो दियो, अव दरवाज-नै चालो
भली करी, रे वधवा ! थे तो काम कर दियो कालो
कोई ले लो छुरी-कटारी, कोई-वरछी भाला
अेक सागै पटो उळटवै, यवो खव-सू जोडो
रामा-दळ ज्यू लवा ताडी, य दरवाजो तोडा

दरवाजै-वै मूड आगै अडी खाट-मू खाट
दरवाजै-की मारी जागै खून चल तरवार
तरवारवा-का उडै टूफडा, लड लाटिया जाट
मेखावत वीदावत जूयै लडै नम्का साथ
अेडतिया मेडतिया झगड वगडै तवर-पवार
लड गुसाई दादू पथी, भली चलाव वार
वाल्पो नाई भाटा मारै चाकर चरवादार
भना भना-का टूक उडावै, लडै डूगजी हार
लाटचो जाट करणियो मीणा वध-वध वाव तरवार
चोइस तो पूरविया काटया, मोळा चोकीदार
सित्तर तो कावलिया काटया, 'ठारा मुगल पठाण
ताड आगरो बायर निकस्या, वाल्या जै-जैकार
राम दवाई फिरी किल-म, रोकणिया काइ नाय

(६)

आगरै-नै पूठ देय वै चाट्या रातू रात
वधवा-का ता पाव सूजग्या, चाटयो कोनी जाय

आगरै क लाल किलम वात करी वा मोटी
 असी कोस कै चढच डूगजी करी भुवाणै गेटी
 फौजा तो वाटी करी स घोडा-नै दीनी दाळ
 झाझा पडिया पातिया, सकोइ लम्बा खुसी-का थाळ
 लाटचो जाट करणियो मीणो वधवा-न समझाय
 म्हारा फिरगी लारा करमी आप आप-नै जाय

सीकर मायकर नीसरचा वा मारी रामगढ फेट
 च्यार ता चपजसी पकडचा सोळा पकडचा सेठ
 हाथ जाड सेठाण्या गोली राखा म्हा पर हत
 थे छो वेटा उदमिघ-का, म्हे छा ज्या-का सठ
 घोडा न तो घास घतावा, थान बूरो - भात
 गादी गिडवा दवा बमणा, घणी करा मनवार
 सेठाण्या की अरज मुणी जद सीली पडगी रीस
 मेठान ता मकत कर दिया, गुहा करया बगसीस
 कई दिना-का त्रिछडचा म्हे तो जावा वठोठ क माय
 राणी ऊभी काग उडाव परजा जोव वाट

वठाठ पूच्या डूगजी वै दळ वाळ ले साथ
 राणी महला ऊतरी स वा भर मोत्या-का थाळ
 आघा पधारा, सायवा ! थान मोत्या लव् वधाय
 म्हान मता वधावो राणी ! वधावो लाटचा जाट
 म्ह आप नहि आया, म्हान ल्यायो लोटिया जाट
 डूग हार जाधाण वठो, ज्वारा वीकानर
 काक भतीजा मन में रगी लूटण की अजमेर

६

कथा-गीत

जसमा ओडणी
ढोला-मरवण
सजना
वाछत्रो

(१००)

जसमा ओडणी

ओडा-रो ऊचाळो जाया
आयो आया महाराजा र देस म्हारा लाल ।
हे जसमादे राणी ओडणी रे लाल ।

ओड ता युणे ओडण ऊरण
खागी वाघे पाळ म्हारा लाल ।
गैला रे आडा । थे तो वाघ न जाणी
महाराजा वधाव पाळ म्हारा लाल ।

हे जसमादे राणी । महाराजा बुलाव
हे जसमादे राणी ओडणी ।

म्हारा मोहल निरखण आय
मोहल महाराजा । थारी राणिया न साव
म्हान म्हारी झूपडी-रो चाव, म्हारा लाल ।

महाराजा बुलाव हे जसमादे राणी ।
म्हारा कवर निरखण आय
कवर महाराजा । थाने आप-ने सोव
म्हाने म्हारे ओडा रो चाव म्हारा लाल ।

हे जसमादे राणी । महाराजा बुलाव
म्हारा घुडला निरखण आय

ढोलो मरवण

कुरजा ! तू म्हारी वनडी अे ।

साभळ म्हारी वात

ढाला तणा अे ओळभा

लिखू किण रे हाथ ?

कुरजा ! धीमा चाला राज !

कुरजा कह — सुण सुदरी अे

साभळ म्हारी वात

ढाला तणा अे जोळभा मरवण !

लिख म्हारी डावी पाख

कुरजा ! धीमा चाला राज !

मरवण वैठी महल मे रे

कुरजा पसारी पाख

ढोला तणा अे ओळभा मरवण

लिखिया डावी पाख

कुरजा ! धीमा चालो राज !

ढोलाजी बटा महल में रे

कुरजा पसारी पाख

मरवण तणा अे ओळभा, कोई

वाचिया डावी पाख

कुरजा ! धीमा चाला राज !

वाडो ता भरियो करहला र
जिण माय आछा सोय
साया तो मायला दस भला, कोई,
दसा मायलो अेक
करहला । धीमा चालो राज ।

ढोलाजी कव — सुण करहला रे ।
साभळ म्हारी वात
साझ पड दिन आथम, काई,
मरवण मेळ नी आज
करहला । धीमा चालो राज ।

ढोलाजी करहलो थामियो
जक्यो रे तुड-र माय

पूगा छिन र माय
करहला । धीमा चालो राज ।

पाणी री पणिहारिया अे
सुणज्यो म्हारी वात
ढाला कव — सुदरी । म्हारी
मरवण मोय ओळखाय
करहला । धीमा चालो राज ।

हस हस कव — सुदरी
सुण ढोलाजी । वात
थारै कारण सुदरी कोई,
तज दीयो सिणगार
करहना । धीमा चालो राज ।

औरा - रै काजळ - टीकिया
मरवण रुखा नैण
भौरा र ओढण चूनडी, थारी
मरवण मलै वेस
करहला ! धीमा चालो राज !

(१०४)

सजना

(१)

बैठधा बाबोजी तखत विछाय
कागदिया तो आया जी बाबाजी-रै हाडै राव रा
कागद बाबाजी ! म्हान वाच सुणाय
काई रे लिख्यो छै बाबाजी ! कोर कागदा ?
कागद वाईजी ! वाच्या अे ना जाय
छाती तो फाटै अे वाई सजना ! हिवडो उझल
अवड - छेवड लिखी छै सात सलाम
बीच मे तो लिखिया वाई मजना ! वेग पधारणा
थे म्हारा बाबाजी ! बेदिल मत होय
वारा ता वरमा लग ररम्या चाकरी
करियो मजना मरदानो मेस
करहा ललकारघा अे वाई सजना दळनी रात रा

(२)

बुझ्या सजना गाया रा गवाळ
मीव वतावा रे भाईटा ! हाडराव री
या ही छै आठी ! राजाजी री सीव
तालर वाडा आ जाठी ! सरवर माकळा

वूझ्यो सजना माळीडा-रो पूत
 वाग वतावो रे माळी-का । राजाजी-रो कूण-सो
 यो ही छँ ओठीडा । हाडैजी - रो वाग
 आमू तो पावया ओ ओठी । नीरू रस-भरया
 सजना पूझी पाणी-री पणिहार
 हाँद वतावो अे पणिहारका । हाँडे राव रो
 यो ही छँ ओठी । समद-तळाव
 डेरा तो ढाळघा अे वाई सजना ममद-तळाव पै
 वूझघो सजना चेजारै-रा पूत
 महल वतावो रे भाईडा । हाँडे राव-रो
 यो ही छँ ओठी । राजाजी रा महल
 वेळ शवरप रे ओठी । राजाजी-रै वारणै

(३)

भाभी । म्हान अचरज होय
 नैण नारी - रा अे बोली प्रोल मरद रो
 अेक वर देवर । वागा ले चाल
 वेरो तो पाडा ओ देवरिया । नारी-मरद रो
 नारी होय तो पड्या - रिड्या फल खाय
 मरद हुँवै तो तोड पूल गुलाव रो
 राजा जैमल पड्या रिड्या फल खाय
 गायडमल-री सजना आ तोडै पूल गुलाव-रो
 भाभी । म्हार मन में आव रीम
 नैण नारी-रा अे बोली बोलै मरद रो
 अेक वर देवर । राय रमोया ले चाल
 वेरो तो पाडा ओ देवरिया । नारी-मरद-रो

नारी होय तो धीरै-धीर खाय
 मरद मूछाळो तो झट-दे जीम चळू करै
 राजा जमल धीरै - धीरै खाय
 गायडमल-री सजना ओ झट-दै जीम चळू करै
 भाभी ! म्हान अचरज होय
 नैण नारी - रा अे आ बोली बोलै मरद री
 अेक वर देवर ! ले चालो समद-तळाव
 वेरो तो पाडा ओ देवरिया ! नारी मरद-रो
 नारी हाय तो ईरा-तीरा न्हाय
 मरद मूछाळा ओ न्हाव समद झकोळ-क
 राव जमल ईरा-तीरा हाय
 गायडमल री सजना न्हाव समद झकाळ कै
 भाभी ! म्हारै मन - म आवै रीस
 नैण नारी - रा अे वाली बोल मरद-री
 अेक वर देवर ! सेजा मे ले चाल
 वेरो तो पाडा ओ देवरिया ! नारी-मरद रो
 नारी होय तो फूल जाव मुश्नाय
 मरद मूछाळा री सेजा ओ देवरिया ! सळ ना पड

(४)

ओळगी सजना समद-तळाव
 चुडलो दिखायो वाई सजना वाव हाथ रो
 होगी सजना घुडल असवार
 दिन ता उगायो अे वाई सजना वावाजी-र देस मे
 उठो वावाजी ! ढकियो फळसो खोल
 वारा वरसा-री ओ वाई सजना कर आयी चाकरी

(१०५)

काछबो राणो

(१)

चादा थारी निरमळ रात
नणद भोजाया पाणी माचरी जी म्हारा राज
चुकल्यो मेल्यो जळ जमना-र तीर
ईढोणी मेली जी चपा-डाळ में जी म्हारा राज
फिर-फिर सुदर निरप्यो है वाग
दातण रे जी तोडघो काची वेळ रो जी म्हारा राज
घस-घस धोया है पाव
रगड-रगड धोयी अडिया जी म्हारा राज
देखो भावज ! कित्यो जिनावर जाय
जिण-रै मोरा पै मडिया माडणा जी म्हारा राज
ओ छै वाई-सा ! थारोडो भरतार
कादै-नै चीथणियो राणो काछबो
जवरो जिनावर राणो काछबो जी म्हारा राज
समदरा रा सूख्या नीर
काछवियो कूद कूव पडे जी म्हारा राज
काछविये री जात कुजात
काछवियो जूवा ज्यू हुलरावे जी म्हारा राज
काछविय-रो मोटो पेट
माटी-नै भखे राणो काछबो जी म्हारा राज

परणीजो वाई सा । म्हारो वड वीर
 मौं सौं वोसा वहीज राव जी म्हारा राज
 काछवियो नणदनवाई । जळ रा जीव
 ये वण जाज्यो जळ री माछळी जी म्हारा राज

(२)

वावा म्हारा । मोय परणावो नाय
 परणीजू नही राणा काछवो जी म्हारा राज
 आया विडला पाछा फेर माता म्हारी ।
 परत न परणू राणो काछवो जी म्हारा राज
 कुण रे अे वेटा । तने दीनी सीख
 कुण रे अे चुडलाळी मोसो बोलियो जी म्हारा राज
 भावज म्हान दीवी छ सीख
 उण म्हान चुडलाळी मोसो बोलियो जी म्हारा राज

(३)

अ तो घुरचा छ निसाण सइया म्हारी ।
 परण पधारचा रे राणो काछवो जी म्हारा राज
 आयी आयी काछविय री जान
 केसर नै कसतूरी री वाळद ऊलटी जी म्हारा राज
 ऊचो चढ न जोय दामी म्हारी ।
 कमर-कमतूरी रा टात्रा कुण खोलिया जी म्हारा राज
 आयी हो वाईसा । काछविय-री जान
 केसर ता रळायी जाझी नीर म जी म्हारा राज
 हालो री सइया । जोवण जाय
 अलबेला आयो मुणीजै रे देस-में जी म्हारा राज

द्वाढीडा ! तू छै धरम-रा वीर
 मोही-नै ओळबाय झिनती जौड-रो जी म्हारा राज
 वीजोडा घोड असवार
 हसत्या-रै होदैं राणो काछवी जी म्हारा राज
 औरा - र मुरकी कान
 ऊजळा तो मोती राणो काछनी जी म्हारा राज
 औरा-रै वाधण पाघ
 वाछवियै रै वाको सेवगे जी म्हारा राज

(४)

मरजो अे भावज ! थारो बड वीर
 जोडी-रो वर टाळयो राणो काछवो जी म्हारा राज
 आधी ओ अे सइया ! म्हानै जावण दो
 क्वारी किन्या काठा म्हे चढा जी म्हारा राज
 काछविया रे ! तू पाछो घिर आव
 थारै लारै क्वारी किये काठ चढ जी म्हारा राज
 सुदर ! म्हारो अे नाव हमीर
 भूवाजी हुलरायो राणो काछवो जी म्हारा राज

(५)

सुण रे काछविया ! म्हारोडी बात
 क्वारी किये काठा का चढै जी म्हारा राज
 अगनी-नै मपाडो का करै जी म्हारा राज
 बळ है तो बळण दो साथीडा म्हारा !
 बळती-झळती-में पूळो शोकसा जी म्हारा राज

साथीडा न्हाण्या लीलोडा नारेळ
काछवजी न्हाखी जो हाथ री मूदडी जी म्हारा राज
साथीटा न्हाख्या हाथा रा म्माल
काछवजी न्हाख्यो सिर-रो सेवरोजी म्हारा राज

(६)

काळो तो वेटा । किस विघ्न पड्यो
लागो मा । म्हान क्वारी किये रो सराप जी म्हारा राज
बनै लायो वेटा । कयोनी व्याय
अव तो पुरख-वं दो-दा गोरडी जी म्हारा राज
आपा रै वेटा । इसडी जी गेत
अकेँ तो चवरी वेटा दा परणँ जी म्हारा राज

१०

सिद्ध पुरसा-रा गीत

जीण माता रो गीत
पाब्जी - रो पवाडो
तेजाजी - रो गीत

(१०६)

जीण माता

[जीण माता का मन्दिर राजस्थान का सुप्रसिद्ध तीर्थ है। यह मन्दिर शेखावाटी के पहाडो मे है। इससे कुछ दूर पर हरस का पहाड है जहां हरसनाथ भरव का धान है। जीण का गीत राजस्थानी साहित्य की अेक अपूव निधि है। गीत बहुत बडा है। उसका केवल प्रारम्भिक अंश यहा दिया जाता है।]

(१)

हरसा वीर म्हारा रे दर ता घाघू-में रे जलम्या दो जणा
हरसा वडा अर छाटी जीण
जामण-रा रे जाया अग्णी माता-कै रे जलम्या दो जणा
हरसा वीरा म्हारा रे मा वावन खोस्या म्हारा गम
जामण-रा रे जाया जलमी-रो जायो रे भावज खोसियो
हरसा वीर म्हारा रे म्हारो कोई कुळ म साथी नाय
जामण रा रे जाया अवर ता पटवी रे धरती साभळी
हरसा भाई म्हारा रे जे म्हारो होती जुग म माय
जामण रा रे जाया अकन क्वारी नै नाय रे विडारती
हरसा भाई म्हारा रे कुण पूछै नैणा हदो नीर
म्हारी मा-रा रे जाया कुण रे सिळावै जळतो हीवडो
हरसा भाई म्हारा रे कुण फेर सिर पर म्हारै हाथ
जामण रा रे जाया कुण वुचकार रे मीठा बोलडा
हरसा भाई म्हारा रे कुण वूझै मा विन मन री वात
ओदर-रा रे साथी कुण रे सवारै विखरचा केसडा
हरसा वीर म्हारा रे ज दिन मरणी म्हारी माय
जामण-रा रे जाया सीर पीवर-रो वै दिन उठ गया
हरसा भाई म्हारा रे भर भर आव दोनू नण
म्हारी मा रा रे जाया छिन छिन आवै रे माय-रा भालणा

हरसा वीर म्हाग रे	मन रो बाध्योडो धीरज ना बध
म्हारी मा-रा रे जाया	उझळै छै समदरिय री पाळ
हरसा वीर म्हारा रे	गैरी तो गरी रे झाळा उठ रही
जामण रा रे जाया	जे म्हारो जीतो हुतो वाप
हरसा वीर म्हारा रे	अकन-कवारी नै कदेय न काढतो
जलमी-रा रे जाया	करतो बो अवडा सवडा लाड
हरसा वीर म्हारा रे	सार ज करतो छिन-छिन धीय-री
जामण रा रे जाया	राव गढा रै करतो व्याव
हरसा वीर म्हारा रे	दुलडी तो तिलणी देतो दातडी
म्हारी मा-रा रे जाया	करला खचातो सौर पचास
हरसा वीर म्हारा रे	हसती तो घुडला रे दतो घूमता
जामण रा रे जाया	मा वावल आवै म्हा न याद
	नेणा चौमामो झिरमिर लग रयो

हरसा भाई म्हारा रे	तै भल राप्यो म्हारा मान
जलमी-रा रे जाया	आछी ओढायी रे वी-रग चूनडी
हरसा वीर म्हारा रे	रिपिया-मू लागै प्यारो व्याज
जामण रा रे जाया	वावल सू प्यारो लाग टीकरो
हरसा वीर म्हारा रे	मायड सू प्यारी लाग मास
जलमी रा रे जाया	भनड-सू जाछी रे घर-री इसतरी
हरसा वीर म्हारा रे	कै थार पाती मागती
जामण रा रे जाया	क लेती जाधो राज वटाय
हरसा वीर म्हारा रे	किस विध विडागी रे छोटी भाण-न
जामण रा रे जाया	क तो मै लेती घरम री चनडी
हरसा वीर म्हारा रे	क तो म लेती आगी रे वाय
जामण रा रे जाया	देतो तो लेती पगा री मोचडी
हरसा वीर म्हारा रे	भावजडी हूज्या रे कूळै की सिक्कली
म्हारी मा-रा रे जाया	अकन-कवारी न बोल्या रे बोलणा

(२)

जीण म्हारी वाई अे मुड मुड तू पाछी घर-न हाल
जामण री अे जायी ऊभो तो हरमो करे अे मनावणा
काकडिये ढळता हरसो नावडघो आडे फिर दीनी अडवार
जामण-री अे जायी हारा तो बाढ हरमा वापडो
हरसा वीर म्हारा रे म्हार लारघा तू मत ना आव
म्हारी मा रा रे जाया म्हार आग मत दे अडवार
हरसा वीर म्हारा रे थारी मनायी जीवण ना मनै
जामण-रा रे जाया मनै मनासी रे वामण वाणिया
हरसा वीर म्हारा रे और मनासी नाही जात
जामण-रा रे जाया बेटी मनासी रे हाडे राव-री
हरसा वीर म्हारा रे मन तो मनासी रे राजा भान
जामण-रा रे जाया और मनासी दिली रो पातस्या
जीण म्हारी वाई अे उजळा रघा द्यू जे तनै चावळा
जामण-री अे जायी हरिय मूगा - की अे वाई दाळ
जीण म्हारी वाई जे घिरत घला द्यू भूरी झोट-रा
जामण-री जे जायी फलका पोवा द्यू अे तनै मोवणा
हरमा भाई म्हारा रे तीवण तळवा द्यू तीस वतीस
म्हारी मा-रा रे जाया खीर रघा द्यू अे गाढ दूध री
हरसा वीर म्हारा रे भावज जीमली रे उजळा चावळघा
म्हारी मा-रा रे जाया भावज जीमली थारी दाळ
हरसा वीर म्हारा रे घिरत घलायै भूरी झोट रो
म्हारी मा-रा रे जाया भावज जीमली फलका मोवणा
जीण म्हारी वाई अे तीवण जीमली तीस वतीस
म्हारी मा-री जे जायी खीर जीमली वाखड दूध-री
चौकी ढळवा द्यू अे रतन जडाव री
ऊपर लगवा द्यू सुवरण थाळ
झारी भरवा द्यू अे पालर नीग-री

जीण म्हारी वाई अे	ऊचो सो घालू तनै बसणो
म्हारी मा-रो अे जायी	बैनड - भाई जीमा साथ
हरसा वीर म्हारा रे	विच विच वदळा अे वाला गासिया
म्हारी मा-रा रे जाया	जे ओजू जलमा अेक माय-रै
जीण म्हारी वाई अे	जद रे जीमाला दानू साथ
म्हारी मा रो अे जायी	जद रे वदळाला विच विच गासिया
जीण म्हारी वाई अे	असी अेकळचा रो सिमादधू घाघरो
म्हारी मा रो अे जायी	और मगवा दधू दिखणी चीर
जीण म्हारी वाई अे	मात्या जडवा दधू थारी माचडी
म्हारी मा रो अे जायी	रतना जडा दधू अ थारी राखडी
हरसा वीर म्हारा रे	होरा जडा दधू थारो हार
म्हारी मा रा रे जाया	विछिया घडा दधू अे वाई ! तन वाजणा
हरसा वीर म्हारा रे	भावज पहरैलो थारा घाघरो
म्हारी मा रा रे जाया	भावज आढली दिखणी चीर
हरसा वीर म्हारा रे	भावज पहरली रे वाली माचडी
म्हारा जामण जाया	भावज र सोव जडवा राखडी
जीण म्हारी वाई अे	भावज र जाप नौसर हार
जामण गी अे जायी	भावज र राच रे विछिया वाजणा
हरसा भाई म्हारा रे	रतणी करडाइ मत धार
जामण रा रे जाया	मान कयोटा पाछी घर चल
हरसा वीर म्हारा रे	आका - रै लाग रै मतीर
जामण रा रे जाया	फोगा र लाग रे चाय काफडी
हरसा वीर म्हारा रे	खेजशिया र लाग चायै बार
जामण रा रे जाया	झाडवा र लाग चाय गे सागरी
हरसा वीर म्हारा रे	पीपळ - रै लागै चायै आव
जामण रा रे जाया	आवा रै लागै चाय पीपळी

हरसा भाई म्हारा रे	फिर ज्या कुदरत-रा साचल नम
म्हारी मा-रा रे जाया	जीण आयोटी रे पाछी ना फिरै
हरसा भाई म्हारा रे	सिखर आयाडा रे सूरज मुड चलै
म्हारी मा-रा रे जाया	सम वी गयाडा मुड जाय
हरसा वीर म्हारा रे	जम पुर ग्योडा रे भवरा मुड चल
जामण-रा रे जाया	वादळ री रे वूना पाछी मुड चलै
जीण म्हारी वाई अे	ममदर-सू नदिया पाछी आय
म्हारी जामण जायी	जीण जायोडी रे पाछी ना मुड
हरमा वीर म्हारा रे	कद तन काढी भावज गाळ
जामण रा रे जाया	कद तन भावज दीना जोळमा
हरमा वीर म्हारा रे	नित-री उठ काढ भावज गाळ
म्हारी मा-रा रे जाया	नित-री तो बाल रे अबडा बालणा
हरसा वीर म्हारा रे	नणद भौजाड सरवर म्हे गयी
म्हारी मा-रा रे जाया	सात सहेली म्हार साय
हरसा वीर म्हारा रे	सरवर पर बोत्या रे भावज बोलणा
म्हारी मा-रा रे जाया	अवडी तो सबडी रे दीनी गाळ
हरसा वीर म्हारा रे	अकन-कवारी न दीना रे बोतणा
जामण-रा रे जाया	तन मन मे लागी रे म्हार लाय
हरसा वीर म्हारा रे	नणा मे हिवड-री नदिया नीसरी
जामण-रा रे जाया	मरू अे तो लाग कुळ रे दाग
हरसा वीर म्हारा रे	जीवू तो जाळै रे भावज जीवती
जामण रा रे जाया	सोगन म खायी रे सरवर पाळ प
हरसा वीर म्हारा रे	आटा तो लीना रे मूरज-देव
जामण रा रे जाया	भावज-रो चाढथो रे कळक उतारस्यू
हरसा वीर म्हारा रे	जाय तो वमू म परवत-डूगरा
जामण रा रे जाया	हर-मू लगास्यू रे वीरा ! लाय
	जीता-जी रस्यू जग मे ऊजळी

जीण म्हारी वाई अ	नाक चिणा द्यू अे थारा ओवरा
म्हारी जामण जायी	नाक खिणा द्यू अे सरवर ताल
हरसा भाई म्हारा र	कहै तो खिणा द्यू अे मावन वावडी
जामण रा र जाया	क्या न खिणा दै मरवर-ताल
हरसा वीर म्हारा रे	धायी हू थारी रे मावन वावडी
म्हारा जामण जाया	अेन जोर म रे दोनू नोटिया
हरसा वीर म्हारा रे	अकै मायट रा चूध्यो दूध
म्हारी मा-रा रे जाया	अेन पालणिये रे दोन झूलिया
हरसा भाई म्हारा रे	अक आगण में तान रे खेलिया
जामण रा रे जाया	अेक वाटकिय पियो र दूध
	अेक थालकिय रे सागै जीमिया
	वनट - भाई - रा गाहो नेह
	पर घर-री जायी र ताडिया

(३)

जीण म्हारी वाई अ	इतणी निसामी अे बैनड । मत हुब
जामण री अे जायी	हरसा तो चाल था - रे माथ
हरसा वीर म्हारा रे	चाल वसला अे वाई । डूगरा
जामण रा रे जाया	कुण ता करलो थारा राज
जीण म्हारी वाई अे	कुण ता खाल परजा वापडी
जामण री अे जायी	राम ता भराम म्हारा राज
हरसा वीर म्हारा रे	राम तो खाल अे परजा वापडी
जामण रा र जाया	मुड मुड तू पाछो घर न जाय
जीण म्हारी वाई अे	भावज तो विनख र कुळ मे अेकली
म्हारी जामण-जायी	भावज थारी जासी अे अपण वाप-कै
	वा रमी भावजडधा - र माय
	माया रे म्हार अे उमर वाढसो

हरसा वीर म्हारा रे	किस विघ चालै रे कुळ-रो नाव
जामण रा रे जाया	वम वध ना रे अपणै वाप रो
जीण म्हारी वाई अे	अमर हुवैला घो कुळ-रो नाव
जामण-री अे जायी	कीरत तो वधली अे माय' र वाप-री
हरसा वीर म्हारा रे	दुनिया वाढैली मनै गाळ
जामण-रा र जाया	जुग में वाजूली रे कुळ-विणासणी
जीण म्हारी वाई अे	कुटम-कवीलो दैलो धोक
जामण री अे जायी	दुनिया तो आसी अे थारै जातगी
जीण म्हारी वाई अे	जुग - मे वाजाला अे साचा देव
म्हारी मा गी अे जायी	मीस झुकाव अे राजा-पातस्या
हरमा वीर म्हारा रे	भोत दुहेलो रे धर रो छाडिवो
	घणू रे दुहेलो तजिवा मोह
म्हारी मा रा रे जाया	भावज उडीक पाछो त फिरै
जीण म्हारी वाई अे	भात सुहेलो अे धर-रो छाडिवो
	घणू अे सुहेलो तजिवो मोह
म्हारी मा-री अे जायी	हरसै रा वायक ना फिरै
जीण म्हारी वाई अे	चालूलो थार खोजा र लार
जामण री अे जायी	धणो तो तापू अे वन खड डूगरा
हरमा वीर म्हारा रे	भोत दुहेलो रे जुग मे जाग
जामण रा रे जाया	बैनड रै वचना रे पाछो तू फिर
जीण म्हारी वाई अे	पला तू मेल पाछो पाव
जामण री अे जायी	पछ तो हरसो अे भरसी पावडा
हरसा वीर म्हारा रे	सेला-रा भर ज्याय गरा घाव
जामण-रा रे जाया	बाली-रो घाव ज जुग मे ना भर
हरसा वीर म्हारा रे	फाटा दूधा-र रे जावण ना लगै

जामण-रा रे जाया

फाटचोडा मन मिलवा रा नाय
उक्षळचोडा समदर रे वीरा । ना डट

(४)

जीण म्हारी वाई जे

मरती तो धिरती जामण यू कह्यो—

ओदर-रा रे लोटचा
हरसा म्हारा वाला रे
ओदर-रा रे लोटचा
हरसा वेटा म्हारा रे
ओदर-रा रे लाटचा
हरमावाला म्हारा रे
ओदर-रा रे लोटचा
हरसा लाल म्हारा रे
ओदर-रा रे लोटचा
हरमावाला म्हारा रे
ओदर-रा रे जाया

अटक्यो छ गाडर माही जीव
जीवण री रे चित्या कुण कर ?
कुण ता गूथला वाई-गे मीस ?
कुण ता माडेलो हाथा राचणी ?
किण नै कहैली वाई माय ?
किण सू रूसैली रे जीवण रूसणा ?
कुण ता करैला वाई-गे लाड ?
कुण तो करैला रे जीण-रा मनावणा ?
आवला वार - त्योहार
खणा में बट बड रे रोव जीवणी
आवली सावणिया-गी तीज
जुग में सिनारा रे वाई-रा कुण कर ?

मतना मेरी माता जे
म्हारी रातादेई
मतना म्हारी माता अं
म्हारी रातादेई
मतना म्हारी माता अं
म्हारी रातादेई

मतना कर जीवण केरा साच
कुळ म वाई-री अं चित्या हू करू
मतना कर जीवण वाई रा साच
म्मी वाई रा करू अं मनावणा
मतना कर वाई केरा सोच
तीज सिनारा जे वाई-रा हू करू

हरमा समग्र्य मोभी रे
म्हारा समग्र्य माभी
हरमा म्हारा मोभी रे
आदर रा रे लाटचा

वाई-गी मभळावण दीनी सूप
वाई-र मिर पर छाया रे राखिया
जे तू राखला पट पाप
दरगा-में दावणगिरिया हू वणू

जीण म्हारी वाई अे जामण री अे जायी	हिवटै मड रया माय-रा कौल सपनै नहिं भूलू जे वा सभळावणी
जीण म्हारी वाई अे अेक घणेरु रे मन-मे मोच म्हारा मोभी रे वेटा हरमा मोभी म्हारा र म्हारा समरथ वेटा हरमा मोभी म्हारा रे म्हारा समरथ जाया हरसा म्हारा वाला रे म्हारा समरथ वेटा	मरता तो घिरता वावल यूक हघो- लारा ता छाजी रे भाळी चिडकली हेलो हू देय जिमावतो साथ साथ मवारी र लेता वारणा हावली साथ मवारी रे रोज भाजन-री रे विरिया ऊभी रोवसी आवली पर घर केरी वीय भाळी-ढाळी-नै रे फाटा घालसी
मतना म्हारा वावन ओ म्हारा जळवळजामी मतना म्हारा वावळ ओ म्हारा जळवळजामी मतना म्हारा वावल ओ म्हारा जळवळजामी	मतना कर बाई हदो मोच हाथा हथेल्या म रे राखू चिडकली मतना कर जीवण करा मोच खावो अर खेलो वाईजी आगणै मतना कर जीवण वाइ रो मोच परघर-री आयी न हू राखू पीर-मे

(५)

जीण म्हारी वाई अे जामण-री अे जायी जीण म्हारी वाई जे म्हारी मा री अे जायी जीण म्हारी वाई अे जामण-री अे जायी	मरत वावल मू करिया कौल किस विघ वावल ग अे वाचा वीसहू ? जाऊलो अेक दिन दरगा माय मा वावल वूझ अे थारी वारता मुखडा दिखाऊ क्यूकर जाय ? काय वताऊ अे माय 'र वाप न ?
जीण म्हारी वाई अे जामण री जे जायी	पाथर ज्यू छोडू म्हारो राज भावज थारी छोडू अे पीवर झूरती

जीण म्हारी वाई अे	जीवतडो विछड् तैसू नाय
जामण-री अे जायी	माँत विछोवा अे तैसू घालमी
हरसा वीर म्हारा रे	हर री ओकळा-भू उतरवा दो जणा
म्हारी मा-रा रे जाया	अेक ज हरसा बीजी जीण
हरसनाथ भैरू रे	हर री कळा मे रे पाछा जाय मिलै
म्हारी मा रा रे जाया	चाल वसाला रे वन-खट टूगरा
हरसा वीर म्हारा रे	अेवड तो छेवड धूणी घाल
जामण-रा रे जाया	लोय तो मिळावा हर री लोय मे
	दरगा-म माडवा रे वे माता थाक
	जाग लिट्याडा रे भल भल सामळ

(६)

जीण जुग वाली अे	आगै ता आग भवानी जाय
जुग तारण माता	लारा तो हरमा उतावळा
जीण जुग माना अे	छिन में तो पूची जे सीकर-र गोगव
कळ-जुग री भवानी	धरती ता लीनी रे पाछी खीच
जीण जुग माता अे	दोय तो पगा अे पूगी वन छटा
कळ-जुग री अ दवी	टग टग प्हाडा भवानी चढ गयी
जीण जुग वाली अे	वठी है चोटी ऊपर जाय
जामण रा रे जाया	थरहरता थरहर टूगर कापिया
	ढाई ता जट्ट मरू-न यू कल्या
	साम ता वठचा लाग पाप
	छेकड देय वठा रे फेग पीठडी

(१०७)

पाबूजी रा पवाडा

(गाथा रा पवाडा)

[पाबूजी राजस्थान के एक बहुत प्रसिद्ध वीर हुंजे ह । ये मारवाड क राव सीहोजी राठौड के पौत्र घाघलजी क छोटे पुत्र थे । देवल चारणी का गायो को आततापियो से छुडाने मे उनके प्राण गये । अपने दिये हुंजे वचन का पालन करने क लिअे ये विवाह की वेदिका से ठाक विवाह क बीच उठकर चत्र दिये थे । ये राजस्थान मे जाज देवता की भाति पूजे जाते हैं । अनेक गावो म उनके देहरे पाये जाते हैं, जिनमे उनकी घोडे पर चढी हुई मूर्ति पूजी जाती हे । उनके पुजारी प्राय हरिजन हुआ करते हैं ।

पाबूजी क अनेक पराक्रम प्रसिद्ध ह जो गीत बढ हो चुडे ह । उनके पुजारी जैसे गाता को गाकर सुनाया करते हैं । इनकी पवाडा कहते हैं । इनकी सप्या बावन कही जाती है ।

कथा का साराश—देवल चारणी के पास कसर नाम की अेक अति उत्कृष्ट जाति की घोडी थी । चापल के खोची शासक जिंदराव ने उसे मागी पर देवल ने नहा दी । इस पर जिंदराव उससे बर रखने लगा । कुछ समय पश्चात देवल ने वह घोडी पाबूजा को दे दी पर इस शत पर कि यदि जिंदराव उसकी गायो का हरण करे तो पाबूजी, चाहे जिस स्थान मे और चाहे जिस स्थिति मे हों तुरत जिंदराव का पाछा करेंगे, और गायो को वापस ला देंगे । पाबूजी ने यह शन मान ली ।

अेक बार जब पाबूजा विवाह करने के लिअे ऊमरकोट गये हुंजे थे जिंदराव ने आकर देवल की गायो को घेर लिया । गायो के चरानेवाले म्बाला न जीर देवल क पति ने उसे रोका पर वह नहीं माना । उनने करणी माता की जान दिरायी, जिस पर जिंदराव ने कहा कि चारणी मिखारी घराने की लडकी थी और मिखारियों की आन नहीं मागी जाती । इस पर देवल का पति और उसक

दोनों ग्वाले लडने को तयार हो गये । हथियारों के अभाव में उनमें अपनी लाठियों से ही काम लिया । अंत में दोनों मारे गये ।

कुछ दूर पर अब लगडा ग्वाला अपनी गायें चरा रहा था । उसने जाकर देवल से सब हाल कहा । देवल तुरंत खुले केशों के साथ उड़कर ऊमरकोट पहुँची । बाहर केसर घोड़ी को बंधी देखा । उसने कहा—जिन गायों का मीठा दूध तुझे कुड़िया भर भरकर पिलाती थी उनको तो खीची घेर ले गया, केसर ने अपने कठोर बधन तोड़ डाले और डाढ़ों को चबाने लगी । उसने कहा—मत डरो खीची अपना घर पहुँचेगा तब तक मैं भी उसका पीछा करती हुई पहुँच जाऊंगी ।

देवल भीतर गयी । पाबूजी वधू के साथ विवाह वेदी पर थे । चार फेरा में से दो घे ले चुके थे, दो लेने बाकी थे । देवल सामने जाकर पुकार उठी । बोली—भगवान ने तुम्हें जोड़ी बखशी पर मेरी जोड़ी तो खडित हो गयी । सब हाल सुनकर पाबूजी ने कहा—मैंने दो फेरे ले लिये हैं, दो बाकी रह गये हैं उनको भी ले लूँ और चलता हूँ । देवल बोली—पाबू ! तू भूल रहा है तू ने तो कहा था कि कान से सुनते ही उठकर चल दूँगा, फेरे भी लेता हाऊँगा तो बीच में छोड़ दूँगा ।

यह सुनते ही पाबूजी गठबधन छटाकर विवाह वेदी से उठ खड़े हुए और साधियों को लेकर केसर पर चढ़कर देवल की गायें छटाने चल दिये । वधू न विवाहित ही हुई और न श्वारी ही रही ।]

(१)

इन हूँ चढया छ पाबू मोढा - केर काट
कोई ऊनै हूँ चढयो छ वा खीची जायल जोदरो
जमगण पूगी छै वा पाल भवरकी जान
काइ जायल-की फौजा ता पूगी कोळम-भड-क काजडा
काजड में चर छी वै दवळ-केरी गाय
काई चरनी ता गाय व जायल खीची घेरो घानिया
आडा तो फिरवा छै उदो-दूदा दोन् ग्वाळ
राई बीच में पडयो छै वा देवळ चारण का सायरा
खीची नै बढायी छै वा करणी-मा-की जाण
काई, दुहाई ता दीनी छै वा पाबूजी गठोड-की

करणी तो कहीज रे भ्वाळा । मगप्यारा की धीय
कोई, पात्रू तो कहीज रे घारी खावड-को गादटा
कोनी तो मानीज जुग में मगप्यारा की आण
कोई दुहाई तो ना मान सिंघ गादडिया की भोम पर

इतणो तो गग्गीलो खीची । कूडो मत-ना बोल
काई, छोट तो मुखडा-हू थे मोटी वाता मत करो
कोनी ता आव रे खीची । थाने मूडी लाज
काई, सूनी तो खावड-में रे थे गाया खेदण आविया

जे खीची । आयी छै था-रै मुखडा ऊपर मूछ
कोई, पावू-कै आया पाछै भल भल गाया खेदज्यो
तीन दिना-की कर दे रे जायल खीची-ना । टाळ
कोई, चीथे दिन खावड-को राजा धणी महारो पूगमी

तीन दिना-की टाळ करै व जुग-मे कायर लोग
कोई, सूरा तो न्हारा-ना रे व बार करघोडा ना फिर
कह दीज्यो रेगाया-ना ग्वाळचा । थारै सिंघ नै जाय
कोई, गाय तो लावगो पूठी खीच्या-की खिचनाळ स
हिम्मत हो तो आवैगो वो चढ-कै म्हारै लार
काई, नाही ता मू पर पतलो ले-कै बठयो रगो कोट मे

इतणी क क दीनो घुडलो गाया लार लगाय
कोई, चरती तो गाया-क रे वो मारण लाग्या कारडा
ऊदै-दूदै भ्वाळा-कै वा उपडी तन में रीस
कोई आग-पलीता लाग्या छै देवळ चारण कै सायबै
ऊदै-दूदै लीना आप-का गेडिया मभाय
कोई रण-सेलो उठायो रे देवळ चारण क सायबै
आमा-सामा विच वाजण लाग्या छै वास
कोई गाया-कै खुरा म रे वै खोपरिया कट-कट पड

डट डट के लड छै र ब उदा-दूदा ग्वाळ
 काइ वध-वध-क लड छै रे देवळ वारठ-को बालमो
 कठ तो कहीजै रे खीची-की सगळी फाज
 कोई कठ तो कहीजै र निहत्था तीन गवाळिया
 लवता लटता होगी छ वा पूरी सवा पा'र
 कोई जायल खीची जीत्या रे थ हारया राय गवाळिया
 उदो-दूदा पडिया छ गाया करी लार
 काई, गाया क मूढागै पडिया दवळ बेरा सायरो
 कही छै जायन न मरल घिरतै ग्वाळा वात
 काई, बुरी ता करी रे जायल ! मून घर न लूटिया
 मत-ना तू हाजे रे जायल ! मन मे घणा खुस्यल
 नाई, म्हार ता मारचै-को वदळा धणी हमारा काढसी
 ज कोई रे बन को ग्वाळघो सुणता घिरना हाय
 काई, खबर ता कर दीजो रे देवळ चारण-की पाळ मे

(२)

वच्यो ता खुच्या रे अक खाडियो गवाल
 काई जाय ता कूक्या छ र देवळ चारण की पाळ म

सूती छ अे चारण वीरा ! मुखडा की नीद
 काई थारी ता गाया मे चारण ! खीची घाडा फरिया
 झूटो छ र ग्वाळा वीरा ! झूटो मती बाल
 काई, काई ता खीची रो मूढा म्हारो खेद वाळदा
 काई रे ता ग्वाळा वीरा ! पीधी भूडी भाग
 काई, काई ता बाल छ रे तू दूध दह्या की छाक म
 कानी बालू अे चारण राणी ! थारै जाग झूठ
 काइ, सारो तो वाळदा पूग्यो खीची-की खिचनाळ म

कोनी पीधी अे चारण राणी । धोरा री भूडी भाग
 कार्द, कोनी तो बोलू देवळ । दूध दह्या की छाक-मे
 जिण तो गाया-कै अे देवळ । खेती गूगळ घूप
 काई वा तो गाया-कै अे खीची मारै कस कस कोरडा
 लीनो क्यूनी रे ग्वाळा वीरा । करणी-माता-का नाव
 काई, दुहाई तो दीनी क्यू-नी रे पाबूजी राठोड-की

कोनी मायो अे जायल चारण । करणीजी की आण
 कोई दुहाई ना मायो अे वो पाबूजी राठोड-की
 मारवा-मारवा जे गरठ । थारा ऊदा-दूदो ग्वाळ
 काई गाया-क मूढा अे थारै मारवा सगरथ स्याम न

धीरो र रे ग्वाळा वीरा । चनेयक धीरज राख
 काई, मूग्ज री साखा म जाय पुकार्द ग री कोट्टी
 कइ ता रजपूताण्या । करवा दू म राड
 काई, लाबी ता बावा-की रे परा दू बाळी काचळी
 मूघा ता विक्वा दू राव कामणिया मजीठ
 कोइ, मघा ता त्रिक्वा दू रे म चुल्ला हमती-दत रा

(२)

रूप ता विकराळ देवळ लीनो छ वणाय
 कोई, सिर-नातो खोल्या छैदबल भवानी काळा कमडा
 उटी छ वा देवळ भवानी नाय लगायी वार
 काई, जाय तो पूगी छ खिण मे मोटा र गट-वाट मे

जद तो पूगी छ चारण सोढा-केरी पाळ
 कोई, जाग ता वधी छ रे वा घोडी कमर कानवी
 दग्या छै वी केसर घोडी भवानी-केरा रूप
 कोई ऊभी तो हरणायी रे वा केसर घोडी ठण-में

ज्या गाया-को केसर था-न पाती कूटा भर भर लूध
कोई, वा तो गाया-केँ अे खीची मार कम नस कोरडा
विण रो पीवोगी अे केसर । वालो मीठो दूध
कोई, मुरहल ता जा प्गी जे व ग्रीच्या री खिचनाळ म
इतणी मुणता लागी छ केसर-केँ तन मन जाग
काई, दावणा दुवागा रे वै ताड्या वीजळसार ना
कडकड ता चावी छै र व केसर घोडी जाट
काई दोलडिय दाता-म् रे व केसर घोडी ला दळ्या
धीरी रे अे वारठ भवानी । मन में धीरज धार
काई पूगणवानी दूम खीची नखीच्या री खिचनाळ मे

(४)

आयी छ वा देवळ भवानी रग जागण-क माय
कोई ऊभी हे विगळायी छै वा कायर जगाळी मोग ज्यू
थे तो आय विराज्या आ पावू । साढा री धोळी वाट
काई काळमगढ-न ल्टी जो लरा मूनी जीदर
थाने तो जोणे वगस्यो छै पावू ? सिरि भगवान
कोई म्हारो जाडो जा पावू । जुग म खिडत हा गयो
जे ता मै वसती ओ पावू । खीची जीन क वाम
काई क्या नै तो होती आ पावू । साच कुळ म राडडी
जे दिन म् वसी आ पावू । आगे भोम म वास
कोई दाय घटी भी उण दिन-सूम पाणी सुख-को ना पियो
मारचा मारचा आ पावू । म्हाग उदा दूदो ग्पाळ
काई गाया-केँ मूढाग खीची माग्चा म्हार स्याम न
थे तो रीवचा ओ पावू । रग हयलेवो जाट
काई, जायन ता रीझयो ओ पावू । देवळ-केर वाळद

थारै तो माढ ओ पावू । वरस रग-गुलाल
कोई, म्हारै तो आगण-में ओ पावू । पड रया छ वै रोजणा

दोय तो फेरा दवळ । लीना छ म्हे लेय
कोई, दोय तो फेरा अे चारण । लेय'र म्हे वेसर चढा
भूल्यो रे भुरजाळा पावू । म्हारा कौल-करार
कोई, दूध तो लजाया रे थारी कवळादे माय-को
कान मुणता वार चढण-का करिया कौल-करार
कोई, फेरा तो करया छ रे भुरजाळा । अध विच छोडणा

इतणी तो सुणी छै रे बोली वण पावू कान
काई, तीजोडै फेरै-मे रे भुरजालो अध विच उठ चल्या
माडा रे चादा वाघेला । घुडला पर पिलाण
काई, आपा ता चालागा रे वेगा गरै गूजव
चढ तो घुडला पर वै होग्या छ असवार
काई, चढतोडा मारी छ घुडला र कस-कस कामठी
पडी छ वा पावूजी-कै इक्डकिय पर चाट
काई, घुडला-कै पौडा का रे ब हडववाटा उठ रया
चढगी छै पाल भवर-की सागै सगळी जान
काई, अेक तो डाम-न छोडयो वैंठयो अमला री झाक मे

(१०८)

तेजाजी

[तेजाजी राजस्थान के बहुत प्रसिद्ध लोक देवता हैं । वे जाति के जाट थे और नागौर परगने के खरनाठ नामक स्थान के निवासी थे । उनका विवाह किशनगढ़ के पास पनेर गाव में हुआ था । समुराल में मीनों द्वारा अपहृत साछा गूजरी की गायों को छुड़ाने के प्रयत्न में वे गभीर रूप से घायल हुए और स्वगवासी हुए । यह घटना भादवा सुदि १० को घटित हुई । तभी से वे देवता के रूप में पूजे जाने लगे । अनेक स्थानों पर उनकी देवलिया पायी जाती हैं । उनका सबंध नागों से भी है । साप के काटे हुए को तेजाजी की ताती बाघते हैं जिससे विष नहीं चढता ।

तेजाजी का गीत, जिसे बोनचाल में 'तेजो' कहा जाता है बहुत प्रसिद्ध और श्रृपक जनता में बहुत लोकप्रिय है । लोकप्रिय होने से उसके अनेक रूपांतर बन गये हैं । तेजाजी का गीत लोक-गायानों के रूप में भी मिलता है ।

प्रस्तुत रूपांतर का अंतिम भाग अपूर्ण सा जान पड़ता है ।]

तेजो

(१)

गाज्यो गाज्यो जेठ-असाठ कवर तेजाजी ।
लगता - ई वूठो सावण भादवो
घरती - रो माटण मेह कवर तेजाजी ।
आभै - री माटण चमक वीजळी
मूतो मुख भर नीद कवर तेजाजी ।
थाग साथीडा वीज काकड वाजरो
कुण भातो लाव अे जरणी माता ।
कुण लाव वळदा री नीरणी
थारी भावज माता लाव कवर तेजाजी ।
वनड लाव वळदा री नीरणी

जूड जी जूड जोत सवारधा कवर तजाजी
 कोई, बळदा - रा मवार्या नाथ-मिरावटा
 वरम्या वरम्यो दूधा वरणा मेह कवर तेजाजी
 आडा तो नाडा तेजा के गेता-का स भर्या
 खोल्या छोट्या बळद नागोरी कवर तजाजी
 सूरज की साखा म वा पूच्या उगणी डर मे
 नीचा नीचा वाया चतरग ताल कवर तजाजी
 ऊचा तो उचा वाया टीवा टीवरी
 ताला ताला बीजी छ जवार कवर तजाजी
 टीवा तो टीवडिया बीजी छ वाजरी
 मूळा मूळा वाया छ मतीर कवर तेजाजी
 काकड ता काकड वायी छ काकडी

(०)

वावत वावत होगी करटी टाक कवर तजाजी
 आभ तो पास-का रे छाड्या छ हळिया चालता
 आम तो पास का जीम बठ्या टाक कवर तेजाजी
 बल तो चर छ वा का दाणो नीरणी
 ढळगी ढळगी खेजटल्या - री छाह कवर तेजाजी
 कवर तो तेज-का रे वो चाल हळियो अक्लो
 खुलिया खुलिया पाछा जुडग्या बल कवर तजाजी
 ढळत पीय-का रे हाळीडा हळिया जातिया
 जुडत पीय नायी भावज टाक कवर तजाजी
 बळदा री तो लायी रे नखराळी भावज नीरणी

तणी मोडी बीकर आयी भावज नखराळी जे ।
 मूखा ता मरम्या अे भावज । म्हारा वाळक वाछडा

धडिया पीरयो धडिया पायो मोती देवरिया रे ।
 सार तो घर-को रे पाणीटा होया अकली
 मणभर दूहया मणभर विलोयो मोती देवरिया रे ।
 याकरा तपाया रे देवर अलूणै घीव का
 वारया वारया सारा जाड - गवाड मोती देवरिया रे ।
 गोवर तो थाप्यो रे टागर सौर पचास को
 भागी दौडी लायी थारी छार माती देवरिया रे ।
 वाळकियो भतीजो रे छोड्यो विन चूची रावतो
 हाखो हाखा कागलिया-नै छाक भावज म्हारी अे ।
 वाळकिया भतीजो खावो नानी राड न

इतणा करडा क्या पर वाल मोती देवरिया रे ।
 थारी आ गुमराई रे मोती । भावज ना सह
 म ता नार छू विराणी माती देवरिया रे ।
 थारी ता व्याही र वा गाजर गरै वाप न
 इसडो कद को भूखायो मोती देवरिया रे ।
 थारोडी ता परणी रे वा भातो ढाव वाप न

नीच नीच भभक वाळू रेत कवर तेजाजी
 मिग पर ता तेज क रे किलकी को वरस तावडा
 लग री लग री भीतरल हू दाह कवर तेजाजी
 भूख ता तिमिय को रे टूट हो निरणू काळजो
 लाग्या लाग्या भावजडी रा तीर कवर तेजाजी
 वाहर-की ता भीतर की रे वा गरमी सागै उकटी
 उपडी उपडी नाभ कवळ हू रीस कवर तेजाजी
 चलताड हडियै - न र बट-दे तेज थाभिया

आ ला आ ला रास - पराणी भावज नखराळी अे ।
 तजो ता जावना अे भावजती । सुरग सामर

दम्या देर्या खिडळमिडळ वार भावज नग्रगळी अ
भावज नग्रगळी - रा व खेळणिया-मा पावग्या

वतणा जी इतणो दारो मत्त माना माती देवरिया रे ।
उभी तो भावजटी रे देवर रा वर मनावणा
वटा-वटा खेजटली-री छाह ववर तेजाजी ।
मुण्डा ता धावा रे देवरिया । टडे नीर-मू
नीर नीर थारा वेल नागारी वर तेजाजी ।
थे भी ता जीमो जी भाता भावज व हाथ वा

थे जामा वार प्यारा नै जिमावो भावज नग्रगळी अ ।
तेजो तो जीमला अ चावळ सामू व हाथ वा

सूपो सूपो माता-नै रास-पराणी माती देवरिया रे ।
पल ता बोला-नै रे म झीख देवर । झीखणा

खोल्या घोट्या हळ-सू वल नागोरी कवर तेजाजी
हळियो तो पटक्यो है वो फोगलिया व मूळ मे

(३)

भूषा तो तिसियो आयो माता-रै पास कवर तेजाजी
रास ता पराणी रे माता - व आग हाथ दी

आ त्यो जा ल्यो थारी रास पराणी जणो माना अे ।
थारै तो वचना - न अे माता । पूग म्ह करवा
कुण तो कुण ता करियो म्हारो व्याव जणो माता अे ।
कुण तो करी छी अे सगाई पीळा पातडा

वावैजी वावजी करियो थारो व्याव कवर तेजाजी ।
 मामै ता करी छी रे सगाई पीळा पोतडा
 की वै की क करियो म्हारो व्याव जरणी माता अे ।
 कुण सी तो नगरी मे अे जामण । म्हारो सासरो
 परण्यो परण्यो महतैजी की पोळ कवर तेजाजी ।
 सह्र ता पनेरा रे नाडेसर । थारो सासरो
 माडो माडो धाडलिय पिलाण चिमना चाकर का ।
 तेजो चढंगो रे उमाहयो सुरग सासर

थारो लीलटो खेलै ना पिलाण कवर तेजाजी ।
 माटण की पुळ घड्या वो जागा-सू सिरकियो
 पूगो पूगो लीलड - क पास कवर तेजाजी
 थापी तो मारी छ तज घुडल की पीठ पर
 झेला झेला सोनळियो पिलाण म्हारा तेजीडा रे ।
 यन म ले चालू रे तेजीडा । सुरग सामर
 साळी तनै नीर घास कूडी का म्हारा तेजीडा रे ।
 साळा तो देसी र दाणा तन हाथ सू

वाध्या वाध्या पाचू हथियार कवर तेजाजी
 भाला तो लीना छै तेज बीजळसार का
 दीनो दीनो पागडियै म पाव कवर तेजाजी
 रिमझिम करतो निक्स्यो रे तेजीडो हासता
 पोळी कढता मिल्यो सुनार कवर तेजाजी
 ग्वाड - में तो जाता रे मिली छै विघवा वामणी
 अगणै सून मिली पणिहार रीती वावडती रे
 वाडा - में मिल्यो छै रे गाडो सूक काठ-का
 अगणै सून रोया सामा स्याळ कवर तेजाजी
 काढ - में रोयो छ वा काळ मूढै-रो फोक्री

कोया कोया माया खोटा सूण ववर तेजाजी
बोला - वो दाइयोडो वो तेजो वगै उतावळो

(४)

ठुरमर-ठुरमर लीलो भाज्यो जाय ववर तेजाजी
मुरता तो लागी छँ दोना-की सहर पनेर-मे
होग्यो होग्यो वेग वो हवा - कै लीलो तेजाडी रे
वावडती तो गाया-कै वो पूग्यो सहर पनेर-मे

थाम्यो थाम्यो लीलडो घाट कुवै-कै ववर तेजाजी
घुटलो तो रोक्यो छँ तेज वड - री छाय मे
थोडो पाणीडो-सो पावो गोरियल पणिहारघा जे ।
तिसिया तो आया छ म्हे पथी चाल्या दूर-का

कुण-सै कुण-सै देसा-हू थे आया लीलै घोडैआळा रे ।
कुण-सै तो देमान जी पातळिया पथी । जा रिया ?
आया आया खरनाळा-मू चाल गोरल पणिहारघा अे ।
अठै तो म्हे जास्या अे महतैजी-घर पावणा
काई काई कहीजै थारी जात लीलै घोडैआळा रे ।
नाव तो बतावो रे पथी थारो पातळा ।

घोळा घोळा वाजा छ म्हे जाट गोरल पणिहारघा अे ।
नाव तो कढायो अे ओ घर-वा म्हागा तेजियो

ये तो पीवो थारै लीनडा-नै पावो ववर, तेजाजी ।
पाणीडो तो पावा जी म्हे थानै गेमम टाग-वा

बाप पीवा लीन तेजा-न पाया ववर तेजाजी
मारगिया ता वृद्धघा जी मद्दाजी - री पाड-वो

वावजी वावजी करियो थारा व्याव कवर तेजाजी ।
 माम ता करी छी रे सगाई पीछा पातडा
 की क की क करियो म्हारो व्याव जरणी माता अे ।
 कुण-भी तो नगरी म अे जामण । म्हारा सासरो
 परण्यो परण्यो महतैजी की पोछ कवर तेजाजी ।
 सह्र तो पनेरा रे लाडेसर । थारो सासरो
 माडो माडो घाडलियै पिलाण चिमना चाकर का ।
 तेजा चढगो रे उमाहया सुरग सासरै

थारो लीलडो खेल ना पिलाण कवर तेजाजी ।
 माडण नी पुछ घडया वो जागा सू सिरकिया
 पूगो पूगा लीलड - क पास कवर तेजाजी
 थापी ता मारी छ तज घुडल की पीठ पर
 झेला झेलो सोनळियो पिलाण म्हारा तेजीडा रे ।
 यनै म ले चालू रे तेजीडा । सुरग सासर
 साळी तन नीर घाम कूडी का म्हारा तेजीडा रे ।
 साळा तो देसी रे दाणो तन हाथ सू

वाध्या वाध्या पाच हथियार कवर तेजाजी
 भालो तो लीनो छ तेज बीजळमार-को
 दीनो दीनो पागडियै-म पाव कवर तेजाजी
 रिमक्षिम करतो निकस्यो रे तेजीडो हासता
 पाळी कढता मिल्यो सुनार कवर तेजाजी
 ग्वाड - में तो जाता रे मिली छ विधवा बामणी
 जगण सूण मिली पणिहार रीती वावडती रे
 वाडा - में मिल्यो छ रे गाडो सूक काठ ना
 अगण सूण रोया मामा म्याळ कवर तेजाजी
 काकड - में रोयी छै वा काळै मूड री फाकरी

कोया कोया माया खोटा सून कवर तेजाजी
बोला - को दाइयोडो वो तेजो वगै उतावळो

(४)

ठुरमर-ठुरमर लीलो भाज्यो जाय कवर तेजाजी
सुरता तो लागी छै दोना की सहर पनेर मे
होग्यो होग्यो बेग वो हवा - कै लीला तेजीडो रे
वावडती तो गाया-कै वो पूग्यो सहर पनेर-में

थाम्यो थाम्यो लीलडो घाट कुवै वं कवर तेजाजी
घुडलो तो रोक्यो छै तज वड - री छाय मे
थोडो पाणीडो सो पावो गोरियल पणिहारचा अ ।
तिसिया तो आया छ म्हे पथी चाल्या दूर का

कुण-सै कुण-सै देसा-हू थे आया लील घोडैआळा रे ।
कुण स तो देसा नै जी पातळिया पथी । जा रिया ?
आया आया खरनाळा-मू चाल गोरल पणिहारचा अे ।
अठै तो म्हे जास्या अे महतैजी घर पावणा
काई काई कहीजै थारी जात लील घाडआळा रे ।
नाव तो वतावो रे पथी थारो पातळा ।

धोळा धोळा वाजा छ म्हे जाट गोरल पणिहारचा अे ।
नाव तो कढायो अे ओ घर-का म्हारो तेजियो

थे तो पीवो थारै लीलडा-न पावो कवर, तेजाजी ।
पाणीडो तो पावा जी म्हे थानै रेसम डोर-को

आप पीयो लीलै तेजी-न पाया कवर तेजाजी
मारगियो तो बूझयो जी महतजी - की पोळ-को

टमकै-ठमकै पाव धरो नी म्हारा तेजीडा रे ।
 सासर्ग्य - को लोग रे वो थाने म्हाने निरखसी
 निरख निरख महर को लोग कवर तेजाजी
 भरय ता बजारा म उगता सा मूरज नीसरथो

पूग्यो पूग्यो सुसरजी - की पाळ कवर तेजाजी
 आस ता विलूब्या रे पूग्यो मुरग सासर

लग रया लग रया चाव घणरा कवर तेजाजी
 मन - मे ता वम री है वा सासरिय की चीतणी
 सुसरो जी बूझला म्हान वात म्हार देसा री रे
 घर - का ता बूझला व म्हारा कुसळ सदेसडा
 साळाहेळी करसी हस हस वात कवर तेजाजी ।
 साळा तो देसी रे म्हान ऊचा वैमणा
 साळी करमी म्हारा कोड सुरग सासरिय रे
 सासूजी तो लेसी रे म्हारे सिर रा वारणा
 गारी करसी मनडा की वात म्हासू सुख दुख की र
 नण तो भर - भर क वा देमी म्हान ओळभा
 मन में चीत छो विचार कवर तेजाजी
 चित पर तो छायी छी रे सासरियै-री भाळना

(५)

खाला खोला पोळी-का किंवाड कवर तेजाजी रे
 दाहर ता ऊभो छै रे वटाऊ था-क पावणो

खात्या खाया पाळीड किंवाड कवर तेजाजी रे
 हणहण ता करतोडे तेजी- मीतर पग धरचा
 मासू वाढण वठी दध खोरी घणिया की रे
 दुहती ना ता चमक्या रे माग गाय 'र वाछडा

आयी - आयी सासूडी - नै रीस कवर तेजाजी रे
 खाटी तो वाणी रे सासू - वँ मुख - सू नीसरी
 कुरडा कुरडा दीना छै ज्वाय सासू झूसळ-में रे
 बोला - वा ता वाढ्या छै तेज-कै तीखा तीरिया

खायो खायो चिडिया म्हारा खेत लील घोडैआळा रे ।
 घर म्हारो खायो छै नित वळ वटाऊ पावणा
 कोई दिनग कोई साझ लील घोडैआळा रे ।
 दिन - मे ता आव छ रे वटाऊ नौ वर पावणा

खटक्या खटक्या सासू केरा बोल कवर तेजाजी रे
 छाटा तो लाग्या छ रे तन मन मे तात तेल का
 ओटा ओटा पाव ता धरो नी म्हारा तेजीडा रे ।
 आग पाव धर ता रे दुहाई राजा राम-की

झटक झटक लीना घुडलो मोड कवर तेजाजी रे
 मनडै-की चीत्योडी रे अधूरी मन मे रह गयी
 दीनी दीनी सासरिये-न पूठ कवर तेजाजी रे
 आयो ज्याही खाजा रे तेजी नै पूठो घालिया

(६)

लैरा लरा आयी साळाहेली कवर तेजाजी रे
 घडिया तो छाड्यायी रे अधभरिया पणघट घाट पर
 दीनी दीनी सग्स वघाई छाटी नणदल नै रे

न्हावा तो घोबो जी वाईजी ! उवटण थे करो
 थार थार वरम्या दूधा मेह सुगणा वाईजी ओ !
 धी-का ता चमैगा जी वाईजी ! थारै दीवला

इतणी इतणी रूड मता थे वोलो म्हारी भावजडी अे ।
 थारा तो नणदोई जे वैठचा छे गढ खरनाळ में
 झूठी थूठी वान मुण्योडी हाय मोळा वाईजी ओ ।
 आग्या तो देग्याटी जी या जग म थूठी ना ह्व
 ऊग्या ऊग्यो भन मल मूग्ज भाण सुगणा वाईजी ओ ।
 म्हारा तो नणदाई जी जायो है समरथ पावणो
 हाथा हाथा पाया ठढो नीर म्हागे नणदली अे ।
 मारगियो वताया जो म्हे सुमग्जी की पाळ-को
 आया आया तेलडा-का अमवार म्हारी भावजडी जे ।
 पोळी मे वडत पै अे भावजडी । मायड काग्या
 करिया करिया गजव अयाव वरण मासुडी रे
 आस्या ता जवाई र निराभ्या पापण काडिया
 जावा जावा ये लीलडा की लाग म्हारा वाईजी जो ।
 जाटीलो नणदोई जी थार विन पाछा ना मड
 चाली चाली लीलडा-की लाग वा घेटी महत-की रे ।
 वेछा तो पडग्या ह रे पावटा सौ 'र पचाम का
 भाग्या भाग्या जाव कानो हाथ म्हार तेजीला रे
 हेला ता मारनी रे पीवग् म लाजा हू मरु
 पाछो पाछा मुड - क देव नाय लील घाडआळा रे
 नीतर ता राव हू झालो द जोट चीर क
 तू छै तू छ भाण घरम-की अे लाछा गजर की जे ।
 रूस्याड जीज न जे तू लायी फेर मनाय क

(७)

चनते-चलन तेजीड - नै थाम लील घोडआळा जी ।
 हेला तो मार - क रे लाछा तेज - न वाभिया

पक्की पक्की लीलडा-की लगाम बेंटी गूजर-की रे
वाबै तो पग-को रे पक्कियो छै लाछा पागडो

चाल्या चाल्या थे वित सूई साझ म्हारा जीजाजी ओ !
रात तो मूहाळी ओ जीजाजी ! सारी थे लिवी
छिपग्यो छिपग्यो राजा सूरज भाण म्हारा जीजाजी जो !
विरछा-का पखेरे वी चुग चुग वासै वावड्या
पडियो पडियो काई ताव धरा-नै म्हारा जीजाजी ओ !
काई तो हडै छो ओ जीजाजी ! धरम थारो वादस्या ?

नाही ना ी पडियो ताव धरा नै बेंटी गूजर-की अे !
धरम तो हड छो अे ना लाछा ! म्हारा वादस्या
सासू सासू बोल्या अबडा बोल बेंटी गूजर की अे !
अेडी - का लाग्योडा अे वै चोटी लाछा ! नीसरद्या

मतना मतना जावा सासू - की पोळ जीजा म्हारा ओ !
आज - को वासो तो वसता जावो म्हारी झूपडी

छोडो छोडा लीलडा-की लगाम बेंटी गूजर की अे !
अव - का चढयोडा अे म्हे उतरा कोस पचास पर

रुस्यो रुस्या जा-रा जुग म राम कवर तेजाजी रे !
वा - का ता मनाया जा माणस ना मन
किम विध रुस्यो थारो राम बेंटी गूजर की अे !
म्हान तो बतावा अे थार दुखडा री वारता

मारवा मारवा म्हाग आळ-गवाळ कवर तेजाजी रे !
धाडी म्हारी लेग्या जो धाळी खेद क

पैला ता पला लावा धोळी मोड बेंटी गूजर की अे !
आय र तो वसागा अे वासो थारी झूपडी

चाल्यो चाल्यो गाया-की बो लार कवर तेजाजी
 कस-क तो मारचो है लीलै तेजी - कै ताजणो
 लागी लागी नही दम देर कवर तेजाजी
 काकड हू डळता रे धाड्या-नै छिन-में नावडचो

माडो माडो नेक धरण पर पाव कुवधी पापीडा रे !
 चढ - क तो आग्यो है रे तेजो गाया-रो वारवी
 करिया थे करिया गजव जयाव दुसटी पापीडा रे !
 भूखा तो मरता - डीडावै वाळक वाछडा
 मारु मारु जीवजिया री मांत दुसटी पापीडा रे !
 किस विध तो मारजा रे जणगु है आळ गवाळिया ?

मुड क मुड-कै पाछो घर न जाय लील घोडैआळा रे !
 थारी तो सूरत पर रे आव म्हान तरसडी
 रोसी रासी थारी अलम री माय लील घोडआळा रे !
 ऊभी तो किरळासी रे आगण मे थारी असतरी

थे तो थे ता डराया आळ गवाळ दुसटी पापीडा रे !
 धकै तो चढग्या हा रे अवकाले वन क हार कै

घलग्या घलग्या पाळा वन में दाय कवर तेजाजी रे
 चमकण तो लाग्या छै रे खाडा बीजळमार-का
 लडता लडता होग्यो पूरो पोर कवर तेजाजी र
 चुग-चुग तो मारचा छै रे तेज सारा धाडवी
 मोडी मोडी पूठी सगळी गाय कवर तेजाजी रे
 सह्र ता पनेर - र मारगिया पूठी हाक दी

कटग्यो कटग्यो तेजै केगे गात कवर तेजाजी रे
 तिलडा तो धरवा न रे अछूनी देही ना रही

पूग्यो पूग्यो जद काकड के माय कवर तेजाजी रे
 खाय तो तिरवाळो रे तेजो धरणी पर ढह पड्यो
 ऊभो ऊभो छाती ताण कवर तेजजी पर रे
 टप टप तो नैणा-म् रे आसू लील के ओसरवा
 आयो आया पीवणियो माप कवर तेजाजी रे
 विण होमा तेज-नै रे पीवणियो वरी पी गयो

पूगी पूगी सुरहल पूठी जाय कवर तेजाजी रे
 गाया को वो भीटी रे गाया के साथ ना मुड्यो
 भाग्या भाग्या माणस दोय'र च्यार कवर तेजाजी रे
 काकड में लाधी है रे वा तेजजी की देहळी
 फैली फली रे सहर मे वात कवर तेजाजी रे
 आखो सहर उमड आयो रे तेज-नै तपना देण नै

अनण-चनण की दीनी चिता चिणाय कवर तेजाजी रे
 महतैजी की बेटी बैठी रे सिर गोदी मेन क
 गोती गोती सासरियै-को नाय कवर तेजाजी रे
 पीवर क गोती की रे अगन सती के ना चलै
 बठी-बैठी तक अगन की वाट कवर तेजाजी रे
 तकता तो तकता दोपारी वै-नै हो गयी
 जोडघा जोडघा सूरजदेव-न हाथ बेटी महत की रे
 सती तो पडी छै ओ वात्रलिया । थारी ओट म
 सुण के सुण के विनती सूरज बेटी महत की रे
 सहस तो किरणा हू रे वो सार्ग लापो लाइयो

चाल्यो चाल्यो लीलडो गढ खरनाळ कवर तेजाजी रे
 पडता तो जाव छै रे बै टपटप टपका रगत-वा

पूग्यो पूग्यो खरनाळा मे जाय ववर तेजाजी रे
जडियै तो दरवाजै रे बो आय'र हणहण हासियो
सुण-कै सुण कै तेजीडैकी सास माता तेजै की रे
मन में तो हरखायी रे वहू बेटा आया जाण कै

खोल्या खोल्या झट देसी किंवाड माता तेजै की रे
तेजीडो देख्यो है रे ऊभो बो रीती पीठ-को
देख्यो देख्यो नेजीडै-को हाल माता तेज की रे
घाय तो तिग्वाळो रे वा दरवाज मे ढह पडी

(१०६)

लाजा गूजरी

थनं देवजी बुलावै लाजा गूजरी ।

म्हारा देवरा देखण आव

आडावळा - री गूजरी ।

थारा देवरा रो काई देखणो

थारा देवरा सरीसी पोळ्या चार

आडावळा - री गूजरी ।

थ तो वरडा करिया अे जवाव

आडावळा - री गूजरी ।

दही री धायी लाजा गूजरी ।

आडावळा - री गूजरी ।

हो जामी । थारी डरायी ऊदा । ना डरू

हू तो घर भोजा - रै नार

आडावळा - री गूजरी ।

थनं देवजी बुलावै लाजा गूजरी ।

म्हारा भोपा-नै देखण आव

९१ - री गूजरी ।

ई थारा भोपा-रो देखणो

१११ हाळी च्यार

गूजरी ।

(११०)

म्हारा रतन राणा ।

म्हारा रतन राणा ।

अेकर तो अमराण घोडा फेर

अमराणै - मे बोलै सूवा - मोर

हा जी हो म्हारा रतन राणा ।

अमराणै - में बोलै सूवा मार

वागा - में बोल छ काळी कोयली रे

म्हारा सायर सोढा । अेकरसू अमराणै घोडो फेर

अमराणै - में महुडा - रो पेड

हो जी हो म्हारा रतन - राणा ।

अमराणै - मे महुडा - रो रुख

महुडा माही - सू मद नीसरै हो

म्हारा रतन राणा । अेकर ता अमराणै घोडो फेर

अमराणै - मे घग्गट मडाय

हा जी हो म्हारा रतन राणा

अमराण - में घग्गट मडाय

गहुडा पीमीज

आटइया पीसीजै राणा - राव रा

म्हारा सायर सोढा । अेकरसू अमराण घोडो फेर

थै तो करडा करिया अे जवाव
गेडी अे वदनोरा - री गूजरी ।
दही-री धायी लाजा गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

हो जामी । थारी डरायी ऊदा । ना डर
हू तो घर भोजा-रै नार
गेटी अे वदनारा - री गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

(११०)

म्हारा रतन राणा ।

म्हारा रतन राणा ।

अकर तो अमराणै घोडा फेर

अमराणै - मे वोलै सूवा - मोर

हो जी हो म्हारा रतन राणा ।

अमराणै - में वोल सूवा-मोर

वागा - में वोलै छै काळी कोयली रे

म्हारा मायर साढा । अकरसू अमराणै घोडा फेर

अमराण - में महूडा - रो पेड

हा जी हो म्हारा रतन - राणा ।

अमराणै - मे महूडा - रो रूख

महूडा माही - सू मद नीमरुँ हो

म्हारा रतन राणा । अकर तो अमराणै घोडो फेर

अमराणै - में घरट मडाय

हो जी हो म्हारा रतन राणा

अमराणै - मे घरट मडाय

गहूडा पीमीजै

आटइयो पीसीजै राणा - राव रो

म्हारा सायर सोढा । अकरसू अमराण घोडो फेर

थै तो करडा करिया अे जवाव
गेडी अे वदनोरा - री गूजरी ।
दही-री घायी लाजा गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

हो जामी । थारी डरायी ऊदा । ना डर
हू ता घर भोजा रै नार
गेडी अे वदनोरा - री गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

(११०)

म्हारा रतन राणा ।

म्हारा रतन राणा ।

अेकर तो अमराणै घोडा फेर

अमराणै - मे बोलै सूवा - मोर
हो जी हा म्हारा रतन राणा ।

अमराणै - में वालै सूवा-मोर
वागा - मे बोलै छै काळी कोयली रे

म्हारा सायर साढा । अेकरसू अमराणै घोडो फेर

अमराणै - मे महुडा - रो पेड
हा जी हो म्हारा रतन - राणा ।

अमराण - मे महुडा - रो रुख
महुडा माही - सू मद नीसरै हा

म्हारा रतन राणा । अेकर तो अमराणै घोडा फेर

अमराणै - में घरट मडाय

हा जी हो म्हारा रतन राणा

अमराण - में घरट मडाय

गहुडा पीमीजै

आटइया पीमीज राणा - राव रा

म्हारा सायर मोढा । अेकरसू अमराण घोडी फेर

थै तो करडा करिया अे जवाव
गेडी अे वदनोर - री गूजरी ।
दही-री घायी लाजा गूजरी ।
जाडावळा - री गूजरी ।

हो जामी ! थारी डरायी ऊदा । ना डर
हू तो घर भोजा-र नार
गेडी अे वदनोर - री गूजरी ।
आडावळा - री गूजरी ।

(१११)

धूजी

हाथ में चिटियो धूजी रमण-खेलण नै चाल्या
पाव पैजणिया, गळे कुज - माळा
रमता - खेलता धूजी पिताजी - रै गइया
पिताजी लेय'र गादी - मे वैठाय

इतरा - में धूजी - रा माई मा आया
हाथ पकड धूजी - नै परा रे वगाया
जा - जा रे जा - जा दुवागण-रा जाया
विना रे पिरोत गोदी कैसे आमा ?
जे तनै चाय धूजी ! राजाजी - री गोदी
म्हार उदर धूजी ! क्यो नहि आया ?

रोवत कूकत धूजी माताजी-रै गइया
माताजी ले धूजी-नै कठ लगाया
काई-काई रे धूजी ! थान कण विडराया !
काई काई र धूजी ! थानै कण रुसाया ?
मनै म्हारा पिताजी गोद खेलायो
मौ म्हारा माई मा विडरायो
त नहि भजिया वाला ! मै नहि भजियो
भजिया विना सुख काहे - सू होव ?

पाच वरस - रा धूजी वन - में सिधाय
रामजी मिलण री वार मन में लग रहिया

अमराण - मे घडै रे सुनार
हो जी हो म्हारा रतन राणा ।
अमराणै - में घड रे सुनार
पायनडी घड लाय दै रिमझिम वाजणी र
म्हारा रतन राणा । अकर ता अमराणै घाडो फर

भटियल ऊभी छाजइयै री छाह
हो जी हा म्हारा रतन - राणा ।
भटियल ऊभी छाजइयै - री छाह
आसूडा दळकावै कायर मोर ज्यु रे
म्हारा सायर सोडा । अकरसू अमराणै घोडो फेर

अमराणै , में घोर अघार
हो जी हा म्हारा रतन राणा ।
अमराण में घोर अघार
विलखा नै लाग रे मोहल - माळिया रे
म्हारा रतन राणा । अकर तो अमराणै घाडो फेर

(१११)

धूजी

हाथ-म चिटियो धूजी रमण-खेलण न चाल्या
पाव पैजणिया, गळ कुज - माळा
रमता - खेलता धूजी पिताजी - रै गइया
पिताजी लेय'र गादी - मे वैठाय

इतरा - मे धूजी - रा माई मा जाया
हाथ पक्ड धूजी - नै परा रे वगाया
जा - जा रे जा - जा दुवागण रा जाया
विना रे पिरीत गोदी कसे आया ?
जे तनै चाय धूजी ! राजाजी - री गोदी
म्हारै उदर धूजी ! कयो नहि आया ?

रोवत कूकत धूजी माताजी-रै गइया
माताजी ले धूजी-नै कठ लगाया
काई-काई रे धूजी ! थान कण विडराया !
काई काई र धूजी ! थान कण रूसाया ?
मनै म्हारा पिताजी गाद खेलायो
मनै म्हारी माई-मा विडरायो
त नहि भजिया वाला ! मै नहि भजियो
भजिया विना सुख काहे - सू होव ?

पाच वरस - रा धूजी वन - मे सिधाय
रामजी मिलण री वार मन-मे लग रहिया

जावो रे नगरी रा लोगा । राजाजी-न कवो
 आज थारा धूजी वन म सिधाया
 अेक गाव ल ल धूजी । दूजो गाव ले ल
 अेक पटो ले ल धूजी । दूजो पटा ले ल
 अेक गाव रात्रा थारो दूजा गाव राखो
 अक पटा राया थारा दूजा पटो राखो
 राज - वरग मन कुछ नहि चहियै
 रामजी मिलण-री म्हार मन में लग रहियै

अेक वन गइया धूजी दूज वन गइया
 तीज वन म धूजी-न नारद मनि मिलिया
 आज म्हारा धूजी । थे कठीन सिधाया
 सिध-बघेरा धूजी । स्याळिया घणरा
 इसी इसी वाता मनी-नाथ । मत कवो
 हरजी मिलण री म्हार मन में लग रहिया

नदी-र किनार धूजी आसणिया विद्याया
 च्यार महीना धूजी करी है तपस्या
 च्यार महीना धूजी पान-फळ खइया
 च्यार महीना धूजी पवन ज भखिया
 च्यार महीना धूजी निरणा रहिया
 च्यार महीना धूजी जळ में रहिया

गस्ट चढ रामजी जकासा सू आया
 माग, माग धूजी । तन माग साई दवा
 अन नहि चहिय, मन धन नहि चहिय
 आप - र चरणा - रा नित दरसण पइय
 राज-वग्ग मनै कुछ नहि चहिय
 आप - र चरणा रा नित दरसण पइयै

अटल राज - रो हृग्जी टीको बीना
मुकनो-भो हाथी धूजी नै चढवा दीना

अव ये धूजी । थारै घरा-न सिधावो
जटल राज - रो टीको पावा
चाद - सूरज - रा दिवला मजोया
नव लख तारा धूजी-रै पग्कमा देवै

हाथी घोडा पालखी वव सुख चन जी
जाय उतरिया धूजी पिताजी रै देस में
जावो रे नगरी-रा लोगा । राजाजी-ने बैवा
आज थारा धूजी वन-मू पाछा जाया

दूध - दही - रा कळम भराया
धूजी - रै सामन पिताजी जाया
थारै धरम - मू मन रामजी मिलिया
धूजी-र सामनै माई मा पधारवा
थार धरम - सू मन रामजी मिलिया
पीळा पोतडा सू धूजी-रा माताजी पधारचा
थारै पुना - सू मनै रामजी मिलिया

जे कोई धूजी - न दिनूग - रो गाव
दिनूग रा गाव सोई गगा जमना न्हावै
जे कोई धूजी नै दुपार-रो गाव
दुपार - रो गाव मन-चाया फल पाव
जे कोई धूजी-नै सूई मिचचा गाव
सई सिझचा गावै सो वकुठवासो पावै

जे कोई धूजी - न बवारी किय़ा गाव
बवारी किय़ा गाव वा तो घर-वर पाव
जे कोई धूजी - नै परणी - पाती गाव
परणी - पाती गाव गाद पुतर खेलाव
जे कोई धूजी - नै वूढी - ठेरी गाव
वूढी - ठेरी गाव वा बकूटा नै जाव
